

विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ४ / १६ · Volume 4 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. आधुनिक मैथिली साहित्यिक रूप-विकास क्विज — विदेह	१००० प्रश्न
२. खट्टर ककाक तरंग — हरिमोहन झा : विस्तृत क्विज	१००० प्रश्न
प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।	

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : आधुनिक मैथिली साहित्यिक रूप-विकास क्विज — विदेह

१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'विधा-विकास'क मूल अर्थ की अछि?
 - (A) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
 - (B) पुरान रूपक अंध नकल
 - (C) लोकानुभवक उपेक्षा
 - (D) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'विधा-विकास'क मुख्य काज की मानल जाएत?
 - (A) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
 - (B) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
 - (C) पुरान रूपक अंध नकल
 - (D) अचानक असंबद्ध अन्त
३. 'विधा-विकास'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?
 - (A) पुरान रूपक अंध नकल
 - (B) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
 - (C) विषयक क्रम तोड़ब
 - (D) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
४. 'विधा-विकास'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?
 - (A) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
 - (B) भावक नाश करब
 - (C) पुरान रूपक अंध नकल
 - (D) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
५. विद्यार्थी जे 'विधा-विकास' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?
 - (A) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
 - (B) पाठकसँ दूरी राखब
 - (C) पुरान रूपक अंध नकल
 - (D) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'विधा-विकास' किएक महत्वपूर्ण अछि?
 - (A) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
 - (B) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
 - (C) अचानक असंबद्ध अन्त
 - (D) पुरान रूपक अंध नकल
७. 'विधा-विकास' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?
 - (A) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
 - (B) पुरान रूपक अंध नकल
 - (C) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
 - (D) परम्पराक अंध अनुकरण
८. 'विधा-विकास' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?
 - (A) पुरान रूपक अंध नकल
 - (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
 - (C) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
 - (D) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब

९. परीक्षामे 'विधा-विकास' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब
- (D) पुरान रूपक अंध नकल

१०. 'विधा-विकास'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) रचनात्मक प्रयोग आ पाठक-विस्तार
- (B) पुरान रूपक अंध नकल
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) समाजक बदलैत अनुभव केँ नव साहित्यिक रूपमे ढालब

११. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'मुद्रण-परम्परा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ
- (C) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (D) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच

१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'मुद्रण-परम्परा'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (D) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच

१३. 'मुद्रण-परम्परा'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (D) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ

१४. 'मुद्रण-परम्परा'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ
- (B) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच
- (C) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

१५. विद्यार्थी जेँ 'मुद्रण-परम्परा' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच
- (B) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब

१६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'मुद्रण-परम्परा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच
- (D) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ

१७. 'मुद्रण-परम्परा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (D) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ

१८. 'मुद्रण-परम्परा' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (D) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच

१९. परीक्षामे 'मुद्रण-परम्परा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (C) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच
- (D) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ

२०. 'मुद्रण-परम्परा'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) विचार-विमर्श आ विधा-प्रयोगक मंच
- (B) पाण्डुलिपि केँ बन्द राखब
- (C) पुस्तक आ पत्रिका द्वारा रचना केँ व्यापक पाठक धरि पहुँचेनाइ
- (D) अर्थहीन सजावट

२१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'भाषिक चेतना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) लोकभाषा केँ कमतर मानब
- (C) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (D) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ

२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'भाषिक चेतना'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ
- (D) लोकभाषा केँ कमतर मानब

२३. 'भाषिक चेतना'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) लोकभाषा केँ कमतर मानब
- (D) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ

२४. 'भाषिक चेतना'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (B) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ
- (C) लोकभाषा केँ कमतर मानब
- (D) भावक नाश करब

२५. विद्यार्थी जँ 'भाषिक चेतना' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (B) संवादक निषेध
- (C) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ
- (D) लोकभाषा केँ कमतर मानब

२६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'भाषिक चेतना' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ
- (D) लोकभाषा केँ कमतर मानब

२७. 'भाषिक चेतना' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ
- (C) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (D) लोकभाषा केँ कमतर मानब

२८. 'भाषिक चेतना' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) लोकभाषा केँ कमतर मानब
- (D) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ

२९. परीक्षामे 'भाषिक चेतना' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) लोकभाषा केँ कमतर मानब
- (B) भावक नाश करब
- (C) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (D) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ

३०. 'भाषिक चेतना'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) लोकभाषा केँ कमतर मानब
- (B) भाषाक सामर्थ्य आ आत्मसम्मान बढ़ेनाइ
- (C) मैथिलीमे आधुनिक भाव, विचार आ समाजक प्रश्न व्यक्त करब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

३१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'नव पाठक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (D) गद्य-विधा आ बहसक आधार

३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'नव पाठक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (B) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) गद्य-विधा आ बहसक आधार

३३. 'नव पाठक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (C) गद्य-विधा आ बहसक आधार
- (D) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग

३४. 'नव पाठक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (B) गद्य-विधा आ बहसक आधार
- (C) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

३५. विद्यार्थी जँ 'नव पाठक' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग
- (C) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (D) गद्य-विधा आ बहसक आधार

३६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'नव पाठक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) गद्य-विधा आ बहसक आधार
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग
- (D) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब

३७. 'नव पाठक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) गद्य-विधा आ बहसक आधार
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (D) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग

३८. 'नव पाठक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (C) गद्य-विधा आ बहसक आधार
- (D) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग

३९. परीक्षामे 'नव पाठक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) गद्य-विधा आ बहसक आधार
- (C) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (D) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग

४०. 'नव पाठक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) गद्य-विधा आ बहसक आधार
- (B) विद्यालय, पत्रिका आ पुस्तकसँ तैयार भेल नयका पाठक-वर्ग
- (C) केवल राजसभा धरि साहित्य रोकब
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

४१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'स्त्री-स्वर'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ
- (B) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब
- (C) संवादक निषेध
- (D) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ

४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'स्त्री-स्वर'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (C) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब
- (D) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ

४३. 'स्त्री-स्वर'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब
- (C) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (D) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ

४४. 'स्त्री-स्वर'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ
- (C) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (D) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब

४५. विद्यार्थी जँ 'स्त्री-स्वर' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (C) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब
- (D) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ

४६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'स्त्री-स्वर' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (C) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ
- (D) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब

४७. 'स्त्री-स्वर' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ
- (B) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब

४८. 'स्त्री-स्वर' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (D) साहित्यक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब

४९. परीक्षामे 'स्त्री-स्वर' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) भावक नाश करब
- (B) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (C) साहित्यिक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब
- (D) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ

५०. 'स्त्री-स्वर'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) स्त्री पात्रक अनुभव हटेनाइ
- (B) स्त्री-अनुभव, शिक्षा, गृह-समाज आ स्वाधीन चेतना केँ स्थान देनाइ
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) साहित्यिक अनुभव-क्षेत्र केँ व्यापक करब

५१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'गद्य-विस्तार'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) गद्यक विरोध

५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'गद्य-विस्तार'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ
- (C) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार
- (D) गद्यक विरोध

५३. 'गद्य-विस्तार'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ
- (C) गद्यक विरोध
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

५४. 'गद्य-विस्तार'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) गद्यक विरोध
- (D) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार

५५. विद्यार्थी जँ 'गद्य-विस्तार' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार
- (B) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ
- (C) गद्यक विरोध
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

५६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'गद्य-विस्तार' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) गद्यक विरोध
- (C) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ
- (D) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार

५७. 'गद्य-विस्तार' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) गद्यक विरोध
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ
- (D) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार

५८. 'गद्य-विस्तार' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) गद्यक विरोध
- (C) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार
- (D) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ

५९. परीक्षामे 'गद्य-विस्तार' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार
- (B) गद्यक विरोध
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ

६०. 'गद्य-विस्तार'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) गद्यक विरोध
- (B) कथा, निबंध, आलोचना, संस्मरण आ अनुवादक प्रसार
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) विचार आ समाजक प्रश्न केँ स्पष्ट भाषा देनाइ

६१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'सामाजिक यथार्थ'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) जीवनक जटिलता केँ साहित्यिक विषय बनेनाइ
- (C) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण
- (D) समाजक प्रश्न छिपायब

६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'सामाजिक यथार्थ'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) समाजक प्रश्न छिपायब
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) जीवनक जटिलता केँ साहित्यिक विषय बनेनाइ
- (D) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण

६३. 'सामाजिक यथार्थ'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) समाजक प्रश्न छिपायब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण
- (D) जीवनक जटिलता केँ साहित्यिक विषय बनेनाइ

६४. 'सामाजिक यथार्थ'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण
- (B) जीवनक जटिलता केँ साहित्यिक विषय बनेनाइ
- (C) समाजक प्रश्न छिपायब
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

६५. विद्यार्थी जें 'सामाजिक यथार्थ' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) समाजक प्रश्न छिपायब
- (B) जीवनक जटिलता केँ साहित्यक विषय बनेनाइ
- (C) भावक नाश करब
- (D) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण

६६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'सामाजिक यथार्थ' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण
- (C) समाजक प्रश्न छिपायब
- (D) जीवनक जटिलता केँ साहित्यक विषय बनेनाइ

६७. 'सामाजिक यथार्थ' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) जीवनक जटिलता केँ साहित्यक विषय बनेनाइ
- (C) समाजक प्रश्न छिपायब
- (D) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण

६८. 'सामाजिक यथार्थ' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण
- (C) जीवनक जटिलता केँ साहित्यक विषय बनेनाइ
- (D) समाजक प्रश्न छिपायब

६९. परीक्षामे 'सामाजिक यथार्थ' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) जीवनक जटिलता केँ साहित्यक विषय बनेनाइ
- (B) समाजक प्रश्न छिपायब
- (C) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण
- (D) भावक नाश करब

७०. 'सामाजिक यथार्थ'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) समाजक प्रश्न छिपायब
- (B) जीवनक जटिलता केँ साहित्यक विषय बनेनाइ
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) जाति, वर्ग, शिक्षा, प्रवास, परिवार आ श्रमक प्रश्नक चित्रण

७१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'व्यक्तित्व-बोध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति
- (B) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (C) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'व्यक्तित्व-बोध'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (D) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति

७३. 'व्यक्तित्व-बोध'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (B) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति

७४. 'व्यक्तित्व-बोध'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (B) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब

७५. विद्यार्थी जँ 'व्यक्तित्व-बोध' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (B) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति

७६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'व्यक्तित्व-बोध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (C) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति
- (D) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब

७७. 'व्यक्तित्व-बोध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (B) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति

७८. 'व्यक्तित्व-बोध' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति
- (C) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (D) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब

७९. परीक्षामे 'व्यक्तित्व-बोध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (D) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति

८०. 'व्यक्तित्व-बोध'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) मनुष्य केँ केवल नारा बनायब
- (B) व्यक्ति, मनोभाव आ आत्म-संघर्षक उपस्थिति
- (C) संवादक निषेध
- (D) पात्र आ कवि-स्वरक भीतरी दुनिया खोलब

८१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'विधा-परस्परता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव
- (C) विधा सभकेँ संवादहीन करब
- (D) एक विधासँ दोसर विधाक सीख

८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'विधा-परस्परता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) विधा सभकेँ संवादहीन करब
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव
- (D) एक विधासँ दोसर विधाक सीख

८३. 'विधा-परस्परता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) एक विधासँ दोसर विधाक सीख
- (B) विधा सभकेँ संवादहीन करब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव

८४. 'विधा-परस्परता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव
- (B) एक विधासँ दोसर विधाक सीख
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) विधा सभकेँ संवादहीन करब

८५. विद्यार्थी जँ 'विधा-परस्परता' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) एक विधासँ दोसर विधाक सीख
- (C) विधा सभकेँ संवादहीन करब
- (D) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव

८६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'विधा-परस्परता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) एक विधासँ दोसर विधाक सीख
- (B) विधा सभकेँ संवादहीन करब
- (C) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव
- (D) भावक नाश करब

८७. 'विधा-परस्परता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) एक विधासँ दोसर विधाक सीख
- (C) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव
- (D) विधा सभकेँ संवादहीन करब

८८. 'विधा-परस्परता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव
- (B) एक विधासँ दोसर विधाक सीख
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) विधा सभकेँ संवादहीन करब

८९. परीक्षामे 'विधा-परस्परता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव
- (C) विधा सभकेँ संवादहीन करब
- (D) एक विधासँ दोसर विधाक सीख

९०. 'विधा-परस्परता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) एक विधासँ दोसर विधाक सीख
- (B) विधा सभकेँ संवादहीन करब
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) कथा, कविता, नाटक, संस्मरण आ आलोचना बीच परस्पर प्रभाव

९१. आधुनिक विधा-परिवेशक सन्दर्भमे 'आलोचनात्मक पाठ'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) बिना पढ़ल निर्णय देब
- (C) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (D) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन

९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'आलोचनात्मक पाठ'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) बिना पढ़ल निर्णय देब
- (B) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (C) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

९३. 'आलोचनात्मक पाठ'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना पढ़ल निर्णय देब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (D) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन

९४. 'आलोचनात्मक पाठ'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन
- (B) बिना पढ़ल निर्णय देब
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब

९५. विद्यार्थी जँ 'आलोचनात्मक पाठ' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन
- (B) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (C) संवादक निषेध
- (D) बिना पढ़ल निर्णय देब

९६. आधुनिक विधा-परिवेशमे 'आलोचनात्मक पाठ' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन
- (B) बिना पढ़ल निर्णय देब
- (C) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

९७. 'आलोचनात्मक पाठ' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) बिना पढ़ल निर्णय देब
- (B) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन
- (C) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

९८. 'आलोचनात्मक पाठ' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (B) संवादक निषेध
- (C) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन
- (D) बिना पढ़ल निर्णय देब

९९. परीक्षामे 'आलोचनात्मक पाठ' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (C) बिना पढ़ल निर्णय देब
- (D) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन

१००. 'आलोचनात्मक पाठ'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण मूल्यांकन
- (B) रचना केँ प्रश्न, प्रमाण, संदर्भ आ मूल्यबोधसँ पढ़ब
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) बिना पढ़ल निर्णय देब

१०१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'प्रबंध-काव्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (D) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र

१०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'प्रबंध-काव्य'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र
- (B) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (C) संवादक निषेध
- (D) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना

१०३. 'प्रबंध-काव्य'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (B) संवादक निषेध
- (C) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (D) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र

१०४. 'प्रबंध-काव्य'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (B) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र
- (C) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

१०५. विद्यार्थी जें 'प्रबंध-काव्य' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (B) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (C) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

१०६. प्रबंध-काव्यमे 'प्रबंध-काव्य' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (D) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र

१०७. 'प्रबंध-काव्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (C) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (D) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र

१०८. 'प्रबंध-काव्य' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र
- (B) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (C) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

१०९. परीक्षामे 'प्रबंध-काव्य' पर प्रश्न आयल तें सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र
- (B) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (C) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

११०. 'प्रबंध-काव्य'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) कथानक, पात्र, प्रसंग आ विचारक क्रमबद्ध काव्य-रचना
- (B) एक पंक्तिक सूक्ति मात्र
- (C) दीर्घ काव्य-प्रवाहमे अनुभवक विस्तार
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

१११. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'कथानक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ
- (B) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) असंबद्ध उक्ति जोड़ब

११२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'कथानक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (B) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ
- (C) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (D) सिर्फ नकल करब

११३. 'कथानक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (B) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ

११४. 'कथानक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (B) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (C) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

११५. विद्यार्थी जेँ 'कथानक' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (B) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ

११६. प्रबंध-काव्यमे 'कथानक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (D) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम

११७. 'कथानक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ
- (B) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (C) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

११८. 'कथानक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (B) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ
- (C) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

११९. परीक्षामे 'कथानक' पर प्रश्न आयल तेँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) असंबद्ध उक्ति जोड़ब
- (B) संवादक निषेध
- (C) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (D) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ

१२०. 'कथानक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) पाठक केँ क्रमशः आगे बढ़ेनाइ
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) घटना आ प्रसंगक कारण-परिणामयुक्त अनुक्रम
- (D) असंबद्ध उक्ति जोड़ब

१२१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'नायक-निर्माण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (C) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (D) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब

१२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'नायक-निर्माण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब
- (D) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ

१२३. 'नायक-निर्माण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (C) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब
- (D) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ

१२४. 'नायक-निर्माण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब
- (B) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (C) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

१२५. विद्यार्थी जेँ 'नायक-निर्माण' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (D) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब

१२६. प्रबंध-काव्यमे 'नायक-निर्माण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (B) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (C) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

१२७. 'नायक-निर्माण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (D) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब

१२८. 'नायक-निर्माण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (C) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (D) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब

१२९. परीक्षामे 'नायक-निर्माण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (C) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (D) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब

१३०. 'नायक-निर्माण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) काव्यक विचार केँ मनुष्यक यात्रा सँ जोड़ब
- (B) पात्रक संघर्ष, विकास आ मूल्य-संकट देखेनाइ
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) पात्र केँ नामहीन प्रतीक मात्र बनायब

१३१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'प्रकरण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड
- (D) अकारण टूटल खण्ड

१३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'प्रकरण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (B) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड
- (C) अकारण टूटल खण्ड
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

१३३. 'प्रकरण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड
- (B) अकारण टूटल खण्ड
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब

१३४. 'प्रकरण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड
- (D) अकारण टूटल खण्ड

१३५. विद्यार्थी जँ 'प्रकरण' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) अकारण टूटल खण्ड
- (D) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड

१३६. प्रबंध-काव्यमे 'प्रकरण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (B) संवादक निषेध
- (C) अकारण टूटल खण्ड
- (D) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड

१३७. 'प्रकरण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अकारण टूटल खण्ड
- (B) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (C) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड
- (D) संवादक निषेध

१३८. 'प्रकरण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (D) अकारण टूटल खण्ड

१३९. परीक्षामे 'प्रकरण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब
- (B) अकारण टूटल खण्ड
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड

१४०. 'प्रकरण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) अकारण टूटल खण्ड
- (C) दीर्घ रचनाक भीतर क्रमित खण्ड
- (D) विषय केँ व्यवस्थित ढंगसँ खोलब

१४१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'वर्णन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सूखा आंकड़ा रखब
- (B) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति
- (C) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

१४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'वर्णन'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (C) सूखा आंकड़ा रखब
- (D) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति

१४३. 'वर्णन'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (B) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति
- (C) सूखा आंकड़ा रखब
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

१४४. 'वर्णन'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (C) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति
- (D) सूखा आंकड़ा रखब

१४५. विद्यार्थी जें 'वर्णन' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति
- (C) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (D) सूखा आंकड़ा रखब

१४६. प्रबंध-काव्यमे 'वर्णन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति
- (C) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (D) सूखा आंकड़ा रखब

१४७. 'वर्णन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (B) सूखा आंकड़ा रखब
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति

१४८. 'वर्णन' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) सूखा आंकड़ा रखब
- (B) संवादक निषेध
- (C) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (D) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति

१४९. परीक्षामे 'वर्णन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति
- (B) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) सूखा आंकड़ा रखब

१५०. 'वर्णन'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) पाठकक मनमे दृश्य आ वातावरण बनेनाइ
- (B) स्थान, काल, भाव आ दृश्यक काव्यमय प्रस्तुति
- (C) सूखा आंकड़ा रखब
- (D) अर्थहीन सजावट

१५१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'इतिहास-प्रयोग'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ
- (B) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ

१५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'इतिहास-प्रयोग'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ
- (B) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ
- (C) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

१५३. 'इतिहास-प्रयोग'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भावक नाश करब
- (B) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ
- (C) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (D) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ

१५४. 'इतिहास-प्रयोग'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ
- (D) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ

१५५. विद्यार्थी जेँ 'इतिहास-प्रयोग' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ
- (D) तिथि-सूची मात्र बनायब

१५६. प्रबंध-काव्यमे 'इतिहास-प्रयोग' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (B) भावक नाश करब
- (C) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ
- (D) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ

१५७. 'इतिहास-प्रयोग' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ
- (B) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ
- (C) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

१५८. 'इतिहास-प्रयोग' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (B) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ

१५९. परीक्षामे 'इतिहास-प्रयोग' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (D) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ

१६०. 'इतिहास-प्रयोग'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) तिथि-सूची मात्र बनायब
- (B) इतिहास केँ मानवीय अर्थ देनाइ
- (C) संवादक निषेध
- (D) अतीत केँ वर्तमानक दृष्टिसँ काव्यरूप देनाइ

१६१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'पुराण-नवपाठ'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (C) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (D) पुराणक यांत्रिक दोहराव

१६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'पुराण-नवपाठ'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (B) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) पुराणक यांत्रिक दोहराव

१६३. 'पुराण-नवपाठ'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (B) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (C) पुराणक यांत्रिक दोहराव
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

१६४. 'पुराण-नवपाठ'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (B) पुराणक यांत्रिक दोहराव
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब

१६५. विद्यार्थी जेँ 'पुराण-नवपाठ' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (B) पुराणक यांत्रिक दोहराव
- (C) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

१६६. प्रबंध-काव्यमे 'पुराण-नवपाठ' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) पुराणक यांत्रिक दोहराव
- (D) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब

१६७. 'पुराण-नवपाठ' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (B) पुराणक यांत्रिक दोहराव
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज

१६८. 'पुराण-नवपाठ' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पुराणक यांत्रिक दोहराव
- (B) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (C) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (D) भावक नाश करब

१६९. परीक्षामे 'पुराण-नवपाठ' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) पुराणक यांत्रिक दोहराव
- (D) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज

१७०. 'पुराण-नवपाठ'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) परम्परा केँ नव अर्थ सँ पढ़ब
- (B) पुरान आख्यानमे आधुनिक प्रश्नक खोज
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) पुराणक यांत्रिक दोहराव

१७१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'लय आ कथा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) लय आ कथाक टूटन
- (D) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन

१७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'लय आ कथा'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन
- (B) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) लय आ कथाक टूटन

१७३. 'लय आ कथा'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन
- (B) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) लय आ कथाक टूटन

१७४. 'लय आ कथा'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (C) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन
- (D) लय आ कथाक टूटन

१७५. विद्यार्थी जँ 'लय आ कथा' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (C) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन
- (D) लय आ कथाक टूटन

१७६. प्रबंध-काव्यमे 'लय आ कथा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) लय आ कथाक टूटन
- (D) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन

१७७. 'लय आ कथा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (B) लय आ कथाक टूटन
- (C) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

१७८. 'लय आ कथा' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) लय आ कथाक टूटन
- (B) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन

१७९. परीक्षामे 'लय आ कथा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (B) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन
- (C) लय आ कथाक टूटन
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

१८०. 'लय आ कथा'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) दीर्घ पाठमे स्मरणीयता आ भाव-संघटन
- (B) लय आ कथाक टूटन
- (C) कथा-प्रवाह केँ काव्य-लय सँ जोड़ब
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

१८१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'उदात्तता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ
- (B) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब
- (C) छोट स्वार्थ मात्र
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

१८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'उदात्तता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब
- (C) छोट स्वार्थ मात्र
- (D) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ

१८३. 'उदात्तता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) छोट स्वार्थ मात्र
- (C) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ
- (D) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब

१८४. 'उदात्तता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब
- (B) छोट स्वार्थ मात्र
- (C) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ
- (D) संवादक निषेध

१८५. विद्यार्थी जें 'उदात्तता' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ
- (C) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब
- (D) छोट स्वार्थ मात्र

१८६. प्रबंध-काव्यमे 'उदात्तता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) छोट स्वार्थ मात्र
- (D) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब

१८७. 'उदात्तता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब
- (B) छोट स्वार्थ मात्र
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ

१८८. 'उदात्तता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) छोट स्वार्थ मात्र
- (C) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ
- (D) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब

१८९. परीक्षामे 'उदात्तता' पर प्रश्न आयल तें सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब
- (C) छोट स्वार्थ मात्र
- (D) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ

१९०. 'उदात्तता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) छोट स्वार्थ मात्र
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) व्यक्ति-घटना केँ मूल्य-विस्तार सँ जोड़ब
- (D) विषय केँ व्यापक मानवीय अर्थ देनाइ

१९१. प्रबंध-काव्यक सन्दर्भमे 'समापन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (B) अचानक अर्थहीन टूटन
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब

१९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'समापन'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) अचानक अर्थहीन टूटन
- (B) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब

१९३. 'समापन'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अचानक अर्थहीन टूटन
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब
- (D) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति

१९४. 'समापन'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अचानक अर्थहीन टूटन
- (B) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब
- (C) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

१९५. विद्यार्थी जे 'समापन' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (B) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) अचानक अर्थहीन टूटन

१९६. प्रबंध-काव्यमे 'समापन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) अचानक अर्थहीन टूटन
- (C) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (D) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब

१९७. 'समापन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (C) अचानक अर्थहीन टूटन
- (D) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब

१९८. 'समापन' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (B) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब
- (C) अचानक अर्थहीन टूटन
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

१९९. परीक्षामे 'समापन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (B) अचानक अर्थहीन टूटन
- (C) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

२००. 'समापन'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) कथानक आ विचारक अर्थपूर्ण परिणति
- (C) पूर्व-सूत्र सभकेँ समेटि प्रभाव बनायब
- (D) अचानक अर्थहीन टूटन

२०१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'मुक्तक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (B) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब
- (C) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब
- (D) अर्थहीन सजावट

२०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'मुक्तक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (C) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब
- (D) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब

२०३. 'मुक्तक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (B) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब
- (C) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

२०४. 'मुक्तक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब
- (D) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब

२०५. विद्यार्थी जँ 'मुक्तक' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब
- (B) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब

२०६. मुक्तक-काव्यमे 'मुक्तक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब
- (B) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब

२०७. 'मुक्तक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब
- (D) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना

२०८. 'मुक्तक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (D) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब

२०९. परीक्षामे 'मुक्तक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब
- (C) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब
- (D) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना

२१०. 'मुक्तक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) स्वतंत्र रूपेँ पूर्ण अर्थ देनिहार छोट काव्य-रचना
- (C) क्षणिक अनुभूति केँ पूर्ण काव्य बनायब
- (D) दीर्घ उपन्यास जेकाँ फैलायब

२११. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'गीत'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (D) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता

२१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'गीत'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता
- (B) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब

२१३. 'गीत'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (D) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता

२१४. 'गीत'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (B) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (C) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

२१५. विद्यार्थी जँ 'गीत' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता
- (D) सूखा प्रतिवेदन लिखब

२१६. मुक्तक-काव्यमे 'गीत' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (D) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब

२१७. 'गीत' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (B) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (C) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

२१८. 'गीत' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (D) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता

२१९. परीक्षामे 'गीत' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (B) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता
- (C) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

२२०. 'गीत'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) भाव केँ गेय आ स्मरणीय बनायब
- (B) सूखा प्रतिवेदन लिखब
- (C) भावक नाश करब
- (D) लय, भाव आ गेयता सँ युक्त कविता

२२१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'गजल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप
- (B) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) दीर्घ कथानक भरब

२२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'गजल'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) दीर्घ कथानक भरब
- (C) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप
- (D) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब

२२३. 'गजल'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (C) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप
- (D) दीर्घ कथानक भरब

२२४. 'गजल'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप
- (C) दीर्घ कथानक भरब
- (D) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब

२२५. विद्यार्थी जें 'गजल' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) दीर्घ कथानक भरब
- (D) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप

२२६. मुक्तक-काव्यमे 'गजल' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) दीर्घ कथानक भरब
- (C) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (D) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप

२२७. 'गजल' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (B) दीर्घ कथानक भरब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप

२२८. 'गजल' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (B) दीर्घ कथानक भरब
- (C) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

२२९. परीक्षामे 'गजल' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप
- (D) दीर्घ कथानक भरब

२३०. 'गजल'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) कम पंक्तिमे गहिर भाव व्यक्त करब
- (B) स्वतंत्र शेर, लयात्मकता आ भाव-संघननक काव्यरूप
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) दीर्घ कथानक भरब

२३१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'बिम्ब'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सिर्फ नारा देब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (D) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि

२३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'बिम्ब'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (B) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (C) सिर्फ नारा देब
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

२३३. 'बिम्ब'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (B) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (C) सिर्फ नारा देब
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

२३४. 'बिम्ब'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) सिर्फ नारा देब
- (C) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (D) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब

२३५. विद्यार्थी जेँ 'बिम्ब' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (B) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) सिर्फ नारा देब

२३६. मुक्तक-काव्यमे 'बिम्ब' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सिर्फ नारा देब
- (B) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (C) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

२३७. 'बिम्ब' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (B) सिर्फ नारा देब
- (C) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

२३८. 'बिम्ब' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) सिर्फ नारा देब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (D) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब

२३९. परीक्षामे 'बिम्ब' पर प्रश्न आयल तेँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (B) सिर्फ नारा देब
- (C) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

२४०. 'बिम्ब'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) सिर्फ नारा देब
- (C) अमूर्त भाव केँ अनुभवगम्य करब
- (D) भाव केँ दृश्य वा संवेदनात्मक रूप देनिहार काव्य-छवि

२४१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'प्रतीक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) हिसाब-किताब रखब
- (B) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (C) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

२४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'प्रतीक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत
- (B) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) हिसाब-किताब रखब

२४३. 'प्रतीक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) हिसाब-किताब रखब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत
- (D) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ

२४४. 'प्रतीक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (C) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत
- (D) हिसाब-किताब रखब

२४५. विद्यार्थी जँ 'प्रतीक' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) हिसाब-किताब रखब
- (C) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (D) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत

२४६. मुक्तक-काव्यमे 'प्रतीक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (B) हिसाब-किताब रखब
- (C) भावक नाश करब
- (D) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत

२४७. 'प्रतीक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत
- (B) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (C) हिसाब-किताब रखब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

२४८. 'प्रतीक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) हिसाब-किताब रखब
- (B) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत
- (C) भावक नाश करब
- (D) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ

२४९. परीक्षामे 'प्रतीक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) हिसाब-किताब रखब
- (B) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत

२५०. 'प्रतीक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) हिसाब-किताब रखब
- (B) कुनो दृश्य वा वस्तुसँ व्यापक अर्थक संकेत
- (C) छोट रचनामे बहुस्तरीय अर्थ देनाइ
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

२५१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'छन्दमुक्त कविता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लयहीन गद्य लिखब
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता
- (D) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब

२५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'छन्दमुक्त कविता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) लयहीन गद्य लिखब
- (C) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (D) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता

२५३. 'छन्दमुक्त कविता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (B) लयहीन गद्य लिखब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता

२५४. 'छन्दमुक्त कविता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) लयहीन गद्य लिखब
- (B) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता
- (C) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

२५५. विद्यार्थी जँ 'छन्दमुक्त कविता' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (B) लयहीन गद्य लिखब
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता

२५६. मुक्तक-काव्यमे 'छन्दमुक्त कविता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता
- (B) लयहीन गद्य लिखब
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब

२५७. 'छन्दमुक्त कविता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (C) लयहीन गद्य लिखब
- (D) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता

२५८. 'छन्दमुक्त कविता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) लयहीन गद्य लिखब
- (B) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (C) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

२५९. परीक्षामे 'छन्दमुक्त कविता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता
- (D) लयहीन गद्य लिखब

२६०. 'छन्दमुक्त कविता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) स्थिर छन्द बिना आन्तरिक लय पर आधारित कविता
- (B) अनुभूति अनुसार पंक्ति-क्रम बनायब
- (C) लयहीन गद्य लिखब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

२६१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'व्यंग्य-कविता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (B) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (C) अंध-प्रशंसा करब
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

२६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'व्यंग्य-कविता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) अंध-प्रशंसा करब
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (D) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट

२६३. 'व्यंग्य-कविता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (D) अंध-प्रशंसा करब

२६४. 'व्यंग्य-कविता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (D) अंध-प्रशंसा करब

२६५. विद्यार्थी जें 'व्यंग्य-कविता' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) अंध-प्रशंसा करब
- (D) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब

२६६. मुक्तक-काव्यमे 'व्यंग्य-कविता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (B) अंध-प्रशंसा करब
- (C) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (D) सिर्फ नकल करब

२६७. 'व्यंग्य-कविता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (D) अंध-प्रशंसा करब

२६८. 'व्यंग्य-कविता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (B) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) अंध-प्रशंसा करब

२६९. परीक्षामे 'व्यंग्य-कविता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अंध-प्रशंसा करब
- (B) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (C) संवादक निषेध
- (D) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट

२७०. 'व्यंग्य-कविता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) कटु यथार्थ केँ मार्मिक वा चुटीला ढंगसँ कहब
- (B) अंध-प्रशंसा करब
- (C) समाजक विसंगति पर काव्यात्मक चोट
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

२७१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'ध्वनि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) अर्थहीन शोर बनायब
- (C) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (D) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ

२७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'ध्वनि'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) अर्थहीन शोर बनायब
- (B) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ
- (C) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

२७३. 'ध्वनि'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) अर्थहीन शोर बनायब
- (C) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ
- (D) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब

२७४. 'ध्वनि'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (C) अर्थहीन शोर बनायब
- (D) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ

२७५. विद्यार्थी जँ 'ध्वनि' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) अर्थहीन शोर बनायब
- (D) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब

२७६. मुक्तक-काव्यमे 'ध्वनि' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अर्थहीन शोर बनायब
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (D) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ

२७७. 'ध्वनि' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (B) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) अर्थहीन शोर बनायब

२७८. 'ध्वनि' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अर्थहीन शोर बनायब
- (B) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (C) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ
- (D) सिर्फ नकल करब

२७९. परीक्षामे 'ध्वनि' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अर्थहीन शोर बनायब
- (B) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ

२८०. 'ध्वनि'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अर्थहीन शोर बनायब
- (B) पाठकक मनमे गूँज पैदा करब
- (C) स्पष्ट कथनसँ बेसी संकेतित अर्थ
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

२८१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'लोकलय'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) लोकस्वरक निषेध
- (D) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब

२८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'लोकलय'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब
- (C) लोकस्वरक निषेध
- (D) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव

२८३. 'लोकलय'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब
- (B) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) लोकस्वरक निषेध

२८४. 'लोकलय'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब
- (B) लोकस्वरक निषेध
- (C) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (D) संवादक निषेध

२८५. विद्यार्थी जेँ 'लोकलय' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) लोकस्वरक निषेध
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (D) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब

२८६. मुक्तक-काव्यमे 'लोकलय' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकस्वरक निषेध
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (D) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब

२८७. 'लोकलय' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लोकस्वरक निषेध
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (D) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब

२८८. 'लोकलय' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब
- (B) लोकस्वरक निषेध
- (C) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

२८९. परीक्षामे 'लोकलय' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब
- (B) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) लोकस्वरक निषेध

२९०. 'लोकलय'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) मैथिली काव्य केँ लोक-स्वर सँ जोड़ब
- (B) लोकगीत, बोली आ जन-धुनिक प्रभाव
- (C) लोकस्वरक निषेध
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

२९१. मुक्तक-काव्यक सन्दर्भमे 'अन्तिम पंक्ति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (B) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल

२९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'अन्तिम पंक्ति'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति
- (B) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब

२९३. 'अन्तिम पंक्ति'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) संवादक निषेध
- (B) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (C) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल
- (D) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति

२९४. 'अन्तिम पंक्ति'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल
- (B) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति
- (C) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

२९५. विद्यार्थी जँ 'अन्तिम पंक्ति' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल
- (D) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति

२९६. मुक्तक-काव्यमे 'अन्तिम पंक्ति' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति
- (B) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल

२९७. 'अन्तिम पंक्ति' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (C) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति
- (D) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल

२९८. 'अन्तिम पंक्ति' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (C) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल
- (D) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति

२९९. परीक्षामे 'अन्तिम पंक्ति' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल
- (D) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति

३००. 'अन्तिम पंक्ति'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) पहिल पंक्तिक यांत्रिक नकल
- (B) छोट कविता केँ स्मरणीय बनायब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) भावक झटका, मोड़ वा समापनक शक्ति

३०१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'उपन्यास'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (B) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब
- (C) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

३०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'उपन्यास'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (C) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि
- (D) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब

३०३. 'उपन्यास'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब
- (B) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (C) संवादक निषेध
- (D) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि

३०४. 'उपन्यास'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब
- (C) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि
- (D) एक पंक्तिक गीत बनायब

३०५. विद्यार्थी जें 'उपन्यास' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (C) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि
- (D) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब

३०६. उपन्यासमे 'उपन्यास' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि
- (D) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब

३०७. 'उपन्यास' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि
- (B) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब
- (C) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (D) संवादक निषेध

३०८. 'उपन्यास' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब
- (B) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि

३०९. परीक्षामे 'उपन्यास' पर प्रश्न आयल तें सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि
- (C) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (D) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब

३१०. 'उपन्यास'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) एक पंक्तिक गीत बनायब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) जीवनक बहुस्तरीय यथार्थ केँ कथा बनायब
- (D) दीर्घ गद्य-कथा जे समाज, पात्र आ समयक विस्तृत चित्र दैत अछि

३११. उपन्यासक सन्दर्भमे 'कथानक-विकास'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (D) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब

३१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'कथानक-विकास'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब
- (B) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम

३१३. 'कथानक-विकास'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम
- (D) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब

३१४. 'कथानक-विकास'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब
- (B) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (C) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

३१५. विद्यार्थी जे 'कथानक-विकास' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम
- (B) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब
- (C) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

३१६. उपन्यासमे 'कथानक-विकास' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (B) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम

३१७. 'कथानक-विकास' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम
- (B) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) असंबद्ध दृश्य जोड़ब

३१८. 'कथानक-विकास' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब
- (B) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम

३१९. परीक्षामे 'कथानक-विकास' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (B) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम

३२०. 'कथानक-विकास'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) असंबद्ध दृश्य जोड़ब
- (C) घटना सभक कारण-परिणाम सँ बढ़ैत क्रम
- (D) पाठक केँ पात्रक यात्रा संग जोड़ब

३२१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'पात्र-चित्रण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र
- (D) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब

३२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'पात्र-चित्रण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (C) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (D) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र

३२३. 'पात्र-चित्रण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (D) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र

३२४. 'पात्र-चित्रण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (B) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) नाम-मात्रक पात्र रखब

३२५. विद्यार्थी जेँ 'पात्र-चित्रण' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र
- (C) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (D) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब

३२६. उपन्यासमे 'पात्र-चित्रण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (B) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र

३२७. 'पात्र-चित्रण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र
- (D) नाम-मात्रक पात्र रखब

३२८. 'पात्र-चित्रण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (B) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (C) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

३२९. परीक्षामे 'पात्र-चित्रण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (C) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (D) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र

३३०. 'पात्र-चित्रण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) मानवीय जटिलता केँ कथा मे उतारब
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) नाम-मात्रक पात्र रखब
- (D) पात्रक स्वभाव, निर्णय, द्वन्द्व आ परिवर्तनक चित्र

३३१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'समाज-यथार्थ'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (B) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति

३३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'समाज-यथार्थ'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति
- (B) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (C) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (D) संवादक निषेध

३३३. 'समाज-यथार्थ'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति
- (C) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (D) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ

३३४. 'समाज-यथार्थ'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (B) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति

३३५. विद्यार्थी जेँ 'समाज-यथार्थ' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (C) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति
- (D) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न

३३६. उपन्यासमे 'समाज-यथार्थ' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति
- (B) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (C) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (D) अर्थहीन सजावट

३३७. 'समाज-यथार्थ' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (B) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (C) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

३३८. 'समाज-यथार्थ' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति
- (B) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (C) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

३३९. परीक्षामे 'समाज-यथार्थ' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति
- (D) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न

३४०. 'समाज-यथार्थ'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) परिवार, जाति, शिक्षा, श्रम, भूमि आ सत्ताक प्रश्न
- (C) व्यक्ति-कथा सँ समाजक रूप देखेनाइ
- (D) समाजक पूर्ण अनुपस्थिति

३४१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'गाम-जीवन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) गामक नाम मात्र राखब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (D) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ

३४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'गाम-जीवन'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (C) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ
- (D) गामक नाम मात्र राखब

३४३. 'गाम-जीवन'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ
- (B) गामक नाम मात्र राखब
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र

३४४. 'गाम-जीवन'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) गामक नाम मात्र राखब
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (D) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ

३४५. विद्यार्थी जें 'गाम-जीवन' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ
- (B) गामक नाम मात्र राखब
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र

३४६. उपन्यासमे 'गाम-जीवन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (B) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) गामक नाम मात्र राखब

३४७. 'गाम-जीवन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (C) गामक नाम मात्र राखब
- (D) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ

३४८. 'गाम-जीवन' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (C) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ
- (D) गामक नाम मात्र राखब

३४९. परीक्षामे 'गाम-जीवन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) गामक नाम मात्र राखब
- (C) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (D) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ

३५०. 'गाम-जीवन'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) गामक नाम मात्र राखब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) कृषि, संस्कार, बोली, सम्बन्ध आ संघर्षक चित्र
- (D) मैथिली समाजक आधारभूमि देखेनाइ

३५१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'शहर-प्रवेश'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट
- (B) शहरक प्रश्न हटायब
- (C) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब
- (D) संवादक निषेध

३५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'शहर-प्रवेश'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब
- (D) शहरक प्रश्न हटायब

३५३. 'शहर-प्रवेश'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) शहरक प्रश्न हटायब
- (B) संवादक निषेध
- (C) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब
- (D) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट

३५४. 'शहर-प्रवेश'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट
- (C) शहरक प्रश्न हटायब
- (D) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब

३५५. विद्यार्थी जँ 'शहर-प्रवेश' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट
- (B) शहरक प्रश्न हटायब
- (C) संवादक निषेध
- (D) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब

३५६. उपन्यासमे 'शहर-प्रवेश' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) शहरक प्रश्न हटायब
- (B) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब

३५७. 'शहर-प्रवेश' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब
- (B) शहरक प्रश्न हटायब
- (C) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

३५८. 'शहर-प्रवेश' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) शहरक प्रश्न हटायब
- (C) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब
- (D) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट

३५९. परीक्षामे 'शहर-प्रवेश' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) शहरक प्रश्न हटायब
- (C) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब
- (D) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट

३६०. 'शहर-प्रवेश'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट
- (B) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब
- (C) शहरक प्रश्न हटायब
- (D) अर्थहीन सजावट

३६१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'मनोविश्लेषण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भीतरी जीवनक नकार
- (B) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ

३६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'मनोविश्लेषण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) भीतरी जीवनक नकार
- (C) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण
- (D) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ

३६३. 'मनोविश्लेषण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण
- (B) भीतरी जीवनक नकार
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ

३६४. 'मनोविश्लेषण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) भीतरी जीवनक नकार
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ
- (D) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण

३६५. विद्यार्थी जे 'मनोविश्लेषण' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण
- (B) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ
- (C) भीतरी जीवनक नकार
- (D) सिर्फ नकल करब

३६६. उपन्यासमे 'मनोविश्लेषण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ
- (B) भीतरी जीवनक नकार
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण

३६७. 'मनोविश्लेषण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भीतरी जीवनक नकार
- (B) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ
- (C) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

३६८. 'मनोविश्लेषण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) भीतरी जीवनक नकार
- (D) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण

३६९. परीक्षामे 'मनोविश्लेषण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) भीतरी जीवनक नकार
- (B) भावक नाश करब
- (C) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ
- (D) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण

३७०. 'मनोविश्लेषण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) भीतरी जीवनक नकार
- (C) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण
- (D) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ

३७१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'दृष्टिकोण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (B) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (C) दृष्टिहीन बयान
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

३७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'दृष्टिकोण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (B) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (C) दृष्टिहीन बयान
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

३७३. 'दृष्टिकोण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) दृष्टिहीन बयान
- (C) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (D) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब

३७४. 'दृष्टिकोण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (D) दृष्टिहीन बयान

३७५. विद्यार्थी जँ 'दृष्टिकोण' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) दृष्टिहीन बयान
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (D) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि

३७६. उपन्यासमे 'दृष्टिकोण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) दृष्टिहीन बयान
- (C) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (D) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि

३७७. 'दृष्टिकोण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) दृष्टिहीन बयान
- (B) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (C) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (D) संवादक निषेध

३७८. 'दृष्टिकोण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) दृष्टिहीन बयान
- (B) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (C) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (D) अर्थहीन सजावट

३७९. परीक्षामे 'दृष्टिकोण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) दृष्टिहीन बयान
- (B) संवादक निषेध
- (C) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (D) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब

३८०. 'दृष्टिकोण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब
- (C) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि
- (D) दृष्टिहीन बयान

३८१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'संवाद-शैली'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (B) सब पात्रक एके स्वर
- (C) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

३८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'संवाद-शैली'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) सब पात्रक एके स्वर
- (B) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ
- (C) भावक नाश करब
- (D) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल

३८३. 'संवाद-शैली'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) सब पात्रक एके स्वर
- (B) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (C) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

३८४. 'संवाद-शैली'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) सब पात्रक एके स्वर
- (D) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ

३८५. विद्यार्थी जें 'संवाद-शैली' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) सब पात्रक एके स्वर
- (B) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ
- (C) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

३८६. उपन्यासमे 'संवाद-शैली' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (B) सब पात्रक एके स्वर
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ

३८७. 'संवाद-शैली' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सब पात्रक एके स्वर
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (D) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ

३८८. 'संवाद-शैली' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ
- (B) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) सब पात्रक एके स्वर

३८९. परीक्षामे 'संवाद-शैली' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ
- (B) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) सब पात्रक एके स्वर

३९०. 'संवाद-शैली'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) सब पात्रक एके स्वर
- (C) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ
- (D) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल

३९१. उपन्यासक सन्दर्भमे 'नैतिक द्वन्द्व'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (D) सपाट उपदेश

३९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'नैतिक द्वन्द्व'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (C) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब
- (D) सपाट उपदेश

३९३. 'नैतिक द्वन्द्व'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (C) सपाट उपदेश
- (D) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब

३९४. 'नैतिक द्वन्द्व'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) सपाट उपदेश
- (B) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति

३९५. विद्यार्थी जँ 'नैतिक द्वन्द्व' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब
- (B) सपाट उपदेश
- (C) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

३९६. उपन्यासमे 'नैतिक द्वन्द्व' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब
- (B) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (C) सपाट उपदेश
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

३९७. 'नैतिक द्वन्द्व' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सपाट उपदेश
- (B) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब

३९८. 'नैतिक द्वन्द्व' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) सपाट उपदेश
- (B) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब
- (C) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

३९९. परीक्षामे 'नैतिक द्वन्द्व' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सपाट उपदेश
- (B) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब

४००. 'नैतिक द्वन्द्व'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति
- (C) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब
- (D) सपाट उपदेश

४०१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'लघुकथा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (B) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ
- (C) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (D) भावक नाश करब

४०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'लघुकथा'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (B) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ

४०३. 'लघुकथा'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ
- (B) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

४०४. 'लघुकथा'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ

४०५. विद्यार्थी जँ 'लघुकथा' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (C) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (D) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ

४०६. लघुकथामे 'लघुकथा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा

४०७. 'लघुकथा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (D) दीर्घ महाकाव्य बनायब

४०८. 'लघुकथा' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ

४०९. परीक्षामे 'लघुकथा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (B) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ

४१०. 'लघुकथा'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अत्यल्प आकारमे तीव्र कथ्य, संकेत आ प्रभाव देनिहार कथा
- (B) कम शब्दमे गहिर जीवन-सत्य देनाइ
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) दीर्घ महाकाव्य बनायब

४११. लघुकथाक सन्दर्भमे 'कथ्य-संघनन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ
- (C) फालतू विस्तार करब
- (D) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब

४१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'कथ्य-संघनन'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब
- (B) फालतू विस्तार करब
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ

४१३. 'कथ्य-संघनन'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) फालतू विस्तार करब
- (B) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब
- (C) भावक नाश करब
- (D) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ

४१४. 'कथ्य-संघनन'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब
- (C) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ
- (D) फालतू विस्तार करब

४१५. विद्यार्थी जँ 'कथ्य-संघनन' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) फालतू विस्तार करब
- (B) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब

४१६. लघुकथामे 'कथ्य-संघनन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ
- (B) फालतू विस्तार करब
- (C) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

४१७. 'कथ्य-संघनन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) फालतू विस्तार करब
- (D) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ

४१८. 'कथ्य-संघनन' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) फालतू विस्तार करब
- (C) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ
- (D) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब

४१९. परीक्षामे 'कथ्य-संघनन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब
- (B) फालतू विस्तार करब
- (C) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ
- (D) अर्थहीन सजावट

४२०. 'कथ्य-संघनन'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) कम घटना सँ गहिर जीवन-सत्य उजागर करब
- (B) कथाक अनावश्यक बोझ घटेनाइ
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) फालतू विस्तार करब

४२१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'अन्तिम मोड़'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अन्तहीन विवरण
- (B) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (C) पाठकक सोच अचानक खोलब
- (D) अर्थहीन सजावट

४२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'अन्तिम मोड़'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठकक सोच अचानक खोलब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) अन्तहीन विवरण
- (D) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका

४२३. 'अन्तिम मोड़'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (C) पाठकक सोच अचानक खोलब
- (D) अन्तहीन विवरण

४२४. 'अन्तिम मोड़'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (C) अन्तहीन विवरण
- (D) पाठकक सोच अचानक खोलब

४२५. विद्यार्थी जें 'अन्तिम मोड़' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अन्तहीन विवरण
- (B) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) पाठकक सोच अचानक खोलब

४२६. लघुकथामे 'अन्तिम मोड़' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (B) संवादक निषेध
- (C) पाठकक सोच अचानक खोलब
- (D) अन्तहीन विवरण

४२७. 'अन्तिम मोड़' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) पाठकक सोच अचानक खोलब
- (D) अन्तहीन विवरण

४२८. 'अन्तिम मोड़' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (B) अन्तहीन विवरण
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) पाठकक सोच अचानक खोलब

४२९. परीक्षामे 'अन्तिम मोड़' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (B) अन्तहीन विवरण
- (C) पाठकक सोच अचानक खोलब
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

४३०. 'अन्तिम मोड़'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अन्तमे अर्थक तीव्र खुलासा वा झटका
- (B) पाठकक सोच अचानक खोलब
- (C) अन्तहीन विवरण
- (D) संवादक निषेध

४३१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'संकेत'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ
- (D) सब बात समझा देनाइ

४३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'संकेत'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भावक नाश करब
- (B) सब बात समझा देनाइ
- (C) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (D) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ

४३३. 'संकेत'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (C) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ
- (D) सब बात समझा देनाइ

४३४. 'संकेत'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (B) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) सब बात समझा देनाइ

४३५. विद्यार्थी जँ 'संकेत' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (B) सब बात समझा देनाइ
- (C) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

४३६. लघुकथामे 'संकेत' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (C) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ
- (D) सब बात समझा देनाइ

४३७. 'संकेत' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सब बात समझा देनाइ
- (B) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ
- (C) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

४३८. 'संकेत' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) सब बात समझा देनाइ
- (C) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (D) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ

४३९. परीक्षामे 'संकेत' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (C) सब बात समझा देनाइ
- (D) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ

४४०. 'संकेत'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अनकहल अर्थक जगह छोड़ब
- (B) सब बात समझा देनाइ
- (C) बहुत किछु सीधे नहि कहि पाठकसँ पूरा करेनाइ
- (D) भावक नाश करब

४४१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'पात्र-संक्षेप'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (D) लम्बा वंश-वृत्तान्त

४४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'पात्र-संक्षेप'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब
- (B) लम्बा वंश-वृत्तान्त
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ

४४३. 'पात्र-संक्षेप'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (B) लम्बा वंश-वृत्तान्त
- (C) भावक नाश करब
- (D) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब

४४४. 'पात्र-संक्षेप'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब
- (C) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (D) लम्बा वंश-वृत्तान्त

४४५. विद्यार्थी जँ 'पात्र-संक्षेप' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) लम्बा वंश-वृत्तान्त
- (C) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (D) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब

४४६. लघुकथामे 'पात्र-संक्षेप' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) लम्बा वंश-वृत्तान्त
- (D) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब

४४७. 'पात्र-संक्षेप' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (C) लम्बा वंश-वृत्तान्त
- (D) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब

४४८. 'पात्र-संक्षेप' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब
- (B) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) लम्बा वंश-वृत्तान्त

४४९. परीक्षामे 'पात्र-संक्षेप' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) लम्बा वंश-वृत्तान्त
- (B) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ
- (C) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

४५०. 'पात्र-संक्षेप'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) लम्बा वंश-वृत्तान्त
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) थोड़ा संकेतसँ पात्रक स्थिति स्पष्ट करब
- (D) छोट आकारमे व्यक्ति केँ चिन्हेनाइ

४५१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'विसंगति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (D) समस्याक ढाक-पोछ

४५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'विसंगति'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भावक नाश करब
- (B) समस्याक ढाक-पोछ
- (C) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (D) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब

४५३. 'विसंगति'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (B) समस्याक ढाक-पोछ
- (C) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

४५४. 'विसंगति'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (B) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (C) समस्याक ढाक-पोछ
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

४५५. विद्यार्थी जँ 'विसंगति' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (B) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) समस्याक ढाक-पोछ

४५६. लघुकथामे 'विसंगति' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (B) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (C) समस्याक ढाक-पोछ
- (D) संवादक निषेध

४५७. 'विसंगति' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (B) भावक नाश करब
- (C) समस्याक ढाक-पोछ
- (D) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब

४५८. 'विसंगति' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) समस्याक ढाक-पोछ
- (B) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (C) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

४५९. परीक्षामे 'विसंगति' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) समस्याक ढाक-पोछ
- (B) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (C) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ
- (D) भावक नाश करब

४६०. 'विसंगति'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) समस्याक ढाक-पोछ
- (C) समाजक विरोधाभास केँ तीक्ष्ण कथा-स्थिति बनायब
- (D) यथार्थ पर प्रहारक दृष्टि देनाइ

४६१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'व्यंग्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अंध-प्रशंसा करब
- (B) हास्यक भीतर आलोचना राखब
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट

४६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'व्यंग्य'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) हास्यक भीतर आलोचना राखब
- (B) अंध-प्रशंसा करब
- (C) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

४६३. 'व्यंग्य'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अंध-प्रशंसा करब
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (D) हास्यक भीतर आलोचना राखब

४६४. 'व्यंग्य'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) हास्यक भीतर आलोचना राखब
- (B) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (C) अंध-प्रशंसा करब
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

४६५. विद्यार्थी जें 'व्यंग्य' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) हास्यक भीतर आलोचना राखब
- (B) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) अंध-प्रशंसा करब

४६६. लघुकथामे 'व्यंग्य' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) अंध-प्रशंसा करब
- (C) हास्यक भीतर आलोचना राखब
- (D) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट

४६७. 'व्यंग्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (B) हास्यक भीतर आलोचना राखब
- (C) अंध-प्रशंसा करब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

४६८. 'व्यंग्य' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) हास्यक भीतर आलोचना राखब
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (D) अंध-प्रशंसा करब

४६९. परीक्षामे 'व्यंग्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (C) अंध-प्रशंसा करब
- (D) हास्यक भीतर आलोचना राखब

४७०. 'व्यंग्य'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) अंध-प्रशंसा करब
- (C) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट
- (D) हास्यक भीतर आलोचना राखब

४७१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'शीर्षक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (C) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब
- (D) बिना सम्बन्ध शब्द राखब

४७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'शीर्षक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) बिना सम्बन्ध शब्द राखब
- (C) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (D) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब

४७३. 'शीर्षक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (C) बिना सम्बन्ध शब्द राखब
- (D) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब

४७४. 'शीर्षक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब
- (D) बिना सम्बन्ध शब्द राखब

४७५. विद्यार्थी जँ 'शीर्षक' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) बिना सम्बन्ध शब्द राखब
- (B) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब

४७६. लघुकथामे 'शीर्षक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (B) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) बिना सम्बन्ध शब्द राखब

४७७. 'शीर्षक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) बिना सम्बन्ध शब्द राखब
- (B) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत

४७८. 'शीर्षक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (C) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब
- (D) बिना सम्बन्ध शब्द राखब

४७९. परीक्षामे 'शीर्षक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (B) बिना सम्बन्ध शब्द राखब
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब

४८०. 'शीर्षक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब
- (D) बिना सम्बन्ध शब्द राखब

४८१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'अनकहल'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब
- (C) पूरा उपदेश देब
- (D) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब

४८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'अनकहल'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब
- (C) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (D) पूरा उपदेश देब

४८३. 'अनकहल'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (D) पूरा उपदेश देब

४८४. 'अनकहल'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (C) पूरा उपदेश देब
- (D) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब

४८५. विद्यार्थी जँ 'अनकहल' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पूरा उपदेश देब
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब
- (D) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब

४८६. लघुकथामे 'अनकहल' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (C) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब
- (D) पूरा उपदेश देब

४८७. 'अनकहल' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पूरा उपदेश देब
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (D) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब

४८८. 'अनकहल' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पूरा उपदेश देब
- (B) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (C) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब
- (D) भावक नाश करब

४८९. परीक्षामे 'अनकहल' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब
- (B) पूरा उपदेश देब
- (C) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

४९०. 'अनकहल'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) पूरा उपदेश देब
- (C) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब
- (D) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब

४९१. लघुकथाक सन्दर्भमे 'समापन-वाक्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य
- (C) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (D) असंबद्ध टिप्पणी

४९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'समापन-वाक्य'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) असंबद्ध टिप्पणी
- (B) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब

४९३. 'समापन-वाक्य'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य
- (B) असंबद्ध टिप्पणी
- (C) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (D) संवादक निषेध

४९४. 'समापन-वाक्य'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) असंबद्ध टिप्पणी
- (D) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य

४९५. विद्यार्थी जँ 'समापन-वाक्य' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (B) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य
- (C) संवादक निषेध
- (D) असंबद्ध टिप्पणी

४९६. लघुकथामे 'समापन-वाक्य' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (B) असंबद्ध टिप्पणी
- (C) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य
- (D) संवादक निषेध

४९७. 'समापन-वाक्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) असंबद्ध टिप्पणी
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य
- (D) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब

४९८. 'समापन-वाक्य' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (D) असंबद्ध टिप्पणी

४९९. परीक्षामे 'समापन-वाक्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (C) असंबद्ध टिप्पणी
- (D) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य

५००. 'समापन-वाक्य'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) असंबद्ध टिप्पणी
- (C) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब
- (D) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य

५०१. नाटकक सन्दर्भमे 'नाटक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) शब्दकोश बनायब
- (D) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब

५०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'नाटक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) संवादक निषेध
- (B) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (C) शब्दकोश बनायब
- (D) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब

५०३. 'नाटक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब
- (D) शब्दकोश बनायब

५०४. 'नाटक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) शब्दकोश बनायब
- (B) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप

५०५. विद्यार्थी जें 'नाटक' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) भावक नाश करब
- (B) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (C) शब्दकोश बनायब
- (D) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब

५०६. नाटकमे 'नाटक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब
- (B) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) शब्दकोश बनायब

५०७. 'नाटक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब
- (B) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) शब्दकोश बनायब

५०८. 'नाटक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (B) शब्दकोश बनायब
- (C) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब
- (D) अर्थहीन सजावट

५०९. परीक्षामे 'नाटक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (C) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब
- (D) शब्दकोश बनायब

५१०. 'नाटक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) शब्दकोश बनायब
- (D) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब

५११. नाटकक सन्दर्भमे 'संवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मौन सूची बनायब
- (B) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ
- (C) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (D) अर्थहीन सजावट

५१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'संवाद'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) मौन सूची बनायब
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ
- (D) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास

५१३. 'संवाद'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) मौन सूची बनायब
- (D) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ

५१४. 'संवाद'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ
- (B) मौन सूची बनायब
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास

५१५. विद्यार्थी जेँ 'संवाद' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) संवादक निषेध
- (B) मौन सूची बनायब
- (C) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (D) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ

५१६. नाटकमे 'संवाद' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (B) मौन सूची बनायब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ

५१७. 'संवाद' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) मौन सूची बनायब
- (C) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (D) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ

५१८. 'संवाद' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (B) मौन सूची बनायब
- (C) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

५१९. परीक्षामे 'संवाद' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) मौन सूची बनायब
- (B) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (C) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

५२०. 'संवाद'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) नाटकीय क्रिया केँ आगे बढ़ेनाइ
- (B) पात्रक वाणी द्वारा कथा, संघर्ष आ विचारक विकास
- (C) मौन सूची बनायब
- (D) सिर्फ नकल करब

५२१. नाटकक सन्दर्भमे 'अभिनय'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब
- (B) केवल छपाई करब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ

५२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'अभिनय'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ
- (C) केवल छपाई करब
- (D) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब

५२३. 'अभिनय'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) केवल छपाई करब
- (D) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब

५२४. 'अभिनय'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) केवल छपाई करब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ
- (D) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब

५२५. विद्यार्थी जेँ 'अभिनय' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) केवल छपाई करब
- (B) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ

५२६. नाटकमे 'अभिनय' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ
- (B) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब
- (C) केवल छपाई करब
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

५२७. 'अभिनय' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) केवल छपाई करब
- (C) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब
- (D) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ

५२८. 'अभिनय' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब
- (B) केवल छपाई करब
- (C) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

५२९. परीक्षामे 'अभिनय' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ
- (B) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) केवल छपाई करब

५३०. 'अभिनय'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) देह, वाणी, भाव आ गति द्वारा पात्र केँ जीवित करब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) केवल छपाई करब
- (D) लिखल पात्र केँ मंचीय जीवन देनाइ

५३१. नाटकक सन्दर्भमे 'संघर्ष'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव
- (B) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (C) भावक नाश करब
- (D) तनाव-विहीनता राखब

५३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'संघर्ष'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (B) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव
- (C) भावक नाश करब
- (D) तनाव-विहीनता राखब

५३३. 'संघर्ष'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव
- (B) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (C) तनाव-विहीनता राखब
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

५३४. 'संघर्ष'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) तनाव-विहीनता राखब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव
- (D) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब

५३५. विद्यार्थी जँ 'संघर्ष' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (B) तनाव-विहीनता राखब
- (C) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

५३६. नाटकमे 'संघर्ष' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) तनाव-विहीनता राखब
- (D) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव

५३७. 'संघर्ष' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (B) तनाव-विहीनता राखब
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव

५३८. 'संघर्ष' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) तनाव-विहीनता राखब
- (C) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (D) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव

५३९. परीक्षामे 'संघर्ष' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) तनाव-विहीनता राखब
- (B) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब

५४०. 'संघर्ष'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) तनाव-विहीनता राखब
- (B) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव
- (C) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब
- (D) सिर्फ नकल करब

५४१. नाटकक सन्दर्भमे 'अंक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) नाटकक बड़ा विभाजन
- (C) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब
- (D) एक अक्षर मानब

५४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'अंक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब
- (B) एक अक्षर मानब
- (C) नाटकक बड़ा विभाजन
- (D) संवादक निषेध

५४३. 'अंक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) एक अक्षर मानब
- (C) नाटकक बड़ा विभाजन
- (D) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब

५४४. 'अंक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब
- (B) भावक नाश करब
- (C) एक अक्षर मानब
- (D) नाटकक बड़ा विभाजन

५४५. विद्यार्थी जें 'अंक' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) एक अक्षर मानब
- (C) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब
- (D) नाटकक बड़ा विभाजन

५४६. नाटकमे 'अंक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) एक अक्षर मानब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) नाटकक बड़ा विभाजन
- (D) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब

५४७. 'अंक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) नाटकक बड़ा विभाजन
- (B) एक अक्षर मानब
- (C) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब
- (D) संवादक निषेध

५४८. 'अंक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) एक अक्षर मानब
- (B) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब
- (C) नाटकक बड़ा विभाजन
- (D) सिर्फ नकल करब

५४९. परीक्षामे 'अंक' पर प्रश्न आयल तें सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) नाटकक बड़ा विभाजन
- (B) एक अक्षर मानब
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब

५५०. 'अंक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) नाटकक बड़ा विभाजन
- (C) एक अक्षर मानब
- (D) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब

५५१. नाटकक सन्दर्भमे 'दृश्य'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड
- (B) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब
- (C) शब्द-सूची बनब
- (D) भावक नाश करब

५५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'दृश्य'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) शब्द-सूची बनब
- (D) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब

५५३. 'दृश्य'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) शब्द-सूची बनब
- (B) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड

५५४. 'दृश्य'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) शब्द-सूची बनब
- (C) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड
- (D) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब

५५५. विद्यार्थी जँ 'दृश्य' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) शब्द-सूची बनब
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब
- (D) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड

५५६. नाटकमे 'दृश्य' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) शब्द-सूची बनब
- (C) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब
- (D) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड

५५७. 'दृश्य' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब
- (C) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड
- (D) शब्द-सूची बनब

५५८. 'दृश्य' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड
- (C) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब
- (D) शब्द-सूची बनब

५५९. परीक्षामे 'दृश्य' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड
- (B) शब्द-सूची बनब
- (C) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

५६०. 'दृश्य'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) शब्द-सूची बनब
- (C) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड
- (D) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब

५६१. नाटकक सन्दर्भमे 'मंच-निर्देश'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थहीन टिप्पणी
- (B) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत

५६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'मंच-निर्देश'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (B) भावक नाश करब
- (C) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (D) अर्थहीन टिप्पणी

५६३. 'मंच-निर्देश'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (B) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) अर्थहीन टिप्पणी

५६४. 'मंच-निर्देश'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अर्थहीन टिप्पणी
- (B) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

५६५. विद्यार्थी जेँ 'मंच-निर्देश' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (D) अर्थहीन टिप्पणी

५६६. नाटकमे 'मंच-निर्देश' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अर्थहीन टिप्पणी
- (B) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

५६७. 'मंच-निर्देश' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) अर्थहीन टिप्पणी
- (C) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (D) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब

५६८. 'मंच-निर्देश' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अर्थहीन टिप्पणी
- (B) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

५६९. परीक्षामे 'मंच-निर्देश' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (B) अर्थहीन टिप्पणी
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत

५७०. 'मंच-निर्देश'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत
- (B) अर्थहीन टिप्पणी
- (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

५७१. नाटकक सन्दर्भमे 'एकांकी'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (B) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव

५७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'एकांकी'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक

५७३. 'एकांकी'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव

५७४. 'एकांकी'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव

५७५. विद्यार्थी जँ 'एकांकी' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव
- (D) दीर्घ महाकाव्य बनायब

५७६. नाटकमे 'एकांकी' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (C) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव
- (D) दीर्घ महाकाव्य बनायब

५७७. 'एकांकी' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (C) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव
- (D) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक

५७८. 'एकांकी' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (B) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (C) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

५७९. परीक्षामे 'एकांकी' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव
- (B) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (C) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

५८०. 'एकांकी'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव
- (B) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक
- (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

५८१. नाटकक सन्दर्भमे 'लोकनाट्य-संबंध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकतत्त्वक निषेध
- (B) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब

५८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'लोकनाट्य-संबंध'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लोकतत्त्वक निषेध
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (D) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब

५८३. 'लोकनाट्य-संबंध'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (C) लोकतत्त्वक निषेध
- (D) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब

५८४. 'लोकनाट्य-संबंध'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) लोकतत्त्वक निषेध
- (B) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब
- (C) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

५८५. विद्यार्थी जें 'लोकनाट्य-संबंध' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब
- (D) लोकतत्त्वक निषेध

५८६. नाटकमे 'लोकनाट्य-संबंध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (B) लोकतत्त्वक निषेध
- (C) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

५८७. 'लोकनाट्य-संबंध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लोकतत्त्वक निषेध
- (B) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (C) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

५८८. 'लोकनाट्य-संबंध' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब
- (B) लोकतत्त्वक निषेध
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव

५८९. परीक्षामे 'लोकनाट्य-संबंध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब
- (B) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) लोकतत्त्वक निषेध

५९०. 'लोकनाट्य-संबंध'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) लोकतत्त्वक निषेध
- (C) लोकधुनि, गीत, नृत्य आ जन-अभिनयक प्रभाव
- (D) मैथिली मंच केँ लोक-संस्कृति सँ जोड़ब

५९१. नाटकक सन्दर्भमे 'चरमबिन्दु'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थहीन विराम
- (B) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण

५९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'चरमबिन्दु'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (B) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) अर्थहीन विराम

५९३. 'चरमबिन्दु'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अर्थहीन विराम
- (B) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (C) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

५९४. 'चरमबिन्दु'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (B) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (C) संवादक निषेध
- (D) अर्थहीन विराम

५९५. विद्यार्थी जँ 'चरमबिन्दु' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (B) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) अर्थहीन विराम

५९६. नाटकमे 'चरमबिन्दु' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (B) अर्थहीन विराम
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब

५९७. 'चरमबिन्दु' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अर्थहीन विराम
- (B) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (C) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

५९८. 'चरमबिन्दु' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अर्थहीन विराम
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (D) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब

५९९. परीक्षामे 'चरमबिन्दु' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (B) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (C) अर्थहीन विराम
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

६००. 'चरमबिन्दु'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) नाट्य-तनाव केँ शिखर पर लायब
- (B) अर्थहीन विराम
- (C) संघर्षक सर्वाधिक तीव्र क्षण
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

६०१. निबंधक सन्दर्भमे 'निबंध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) तालिका बनायब
- (D) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ

६०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'निबंध'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (C) तालिका बनायब
- (D) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य

६०३. 'निबंध'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) संवादक निषेध
- (B) तालिका बनायब
- (C) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य
- (D) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ

६०४. 'निबंध'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) तालिका बनायब
- (C) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (D) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य

६०५. विद्यार्थी जँ 'निबंध' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (B) तालिका बनायब
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य

६०६. निबंधमे 'निबंध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) तालिका बनायब
- (C) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (D) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य

६०७. 'निबंध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य
- (B) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (C) तालिका बनायब
- (D) भावक नाश करब

६०८. 'निबंध' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य
- (D) तालिका बनायब

६०९. परीक्षामे 'निबंध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य
- (B) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (C) तालिका बनायब
- (D) अर्थहीन सजावट

६१०. 'निबंध'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) कुनो विषय पर विचारपूर्ण, स्वतंत्र आ शैलीयुक्त गद्य
- (B) विचार आ अनुभव केँ लचीला रूप देनाइ
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) तालिका बनायब

६११. निबंधक सन्दर्भमे 'व्यक्तिगत स्वर'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (B) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब

६१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'व्यक्तिगत स्वर'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब
- (C) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (D) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण

६१३. 'व्यक्तिगत स्वर'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (C) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (D) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब

६१४. 'व्यक्तिगत स्वर'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (B) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (C) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

६१५. विद्यार्थी जँ 'व्यक्तिगत स्वर' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (B) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) स्वरहीन प्रतिलिपि

६१६. निबंधमे 'व्यक्तिगत स्वर' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (D) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब

६१७. 'व्यक्तिगत स्वर' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (D) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण

६१८. 'व्यक्तिगत स्वर' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (C) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (D) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब

६१९. परीक्षामे 'व्यक्तिगत स्वर' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब
- (B) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (C) स्वरहीन प्रतिलिपि
- (D) भावक नाश करब

६२०. 'व्यक्तिगत स्वर'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) लेखकक निज अनुभव आ दृष्टि केँ विचारमे रूपान्तरण
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) गद्य केँ आत्मीय आ विशिष्ट बनायब
- (D) स्वरहीन प्रतिलिपि

६२१. निबंधक सन्दर्भमे 'तर्क'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बिना आधार दावा
- (B) संवादक निषेध
- (C) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ
- (D) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब

६२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'तर्क'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ
- (B) बिना आधार दावा
- (C) संवादक निषेध
- (D) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब

६२३. 'तर्क'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) संवादक निषेध
- (B) बिना आधार दावा
- (C) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब
- (D) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ

६२४. 'तर्क'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) बिना आधार दावा
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब
- (D) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ

६२५. विद्यार्थी जें 'तर्क' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) बिना आधार दावा
- (C) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब
- (D) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ

६२६. निबंधमे 'तर्क' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब
- (B) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ
- (C) बिना आधार दावा
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

६२७. 'तर्क' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) बिना आधार दावा
- (B) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ

६२८. 'तर्क' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) बिना आधार दावा
- (C) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ
- (D) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब

६२९. परीक्षामे 'तर्क' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब
- (B) बिना आधार दावा
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ

६३०. 'तर्क'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) बिना आधार दावा
- (C) विचार केँ कारण, उदाहरण आ क्रमसँ प्रस्तुत करब
- (D) पाठक केँ विश्वासयोग्य दिशा देनाइ

६३१. निबंधक सन्दर्भमे 'ललित निबंध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (C) कानूनी धारा बनायब
- (D) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य

६३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'ललित निबंध'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य
- (D) कानूनी धारा बनायब

६३३. 'ललित निबंध'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (D) कानूनी धारा बनायब

६३४. 'ललित निबंध'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) कानूनी धारा बनायब
- (B) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य

६३५. विद्यार्थी जँ 'ललित निबंध' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) कानूनी धारा बनायब
- (B) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन

६३६. निबंधमे 'ललित निबंध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (B) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) कानूनी धारा बनायब

६३७. 'ललित निबंध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (B) कानूनी धारा बनायब
- (C) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

६३८. 'ललित निबंध' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) कानूनी धारा बनायब
- (C) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (D) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य

६३९. परीक्षामे 'ललित निबंध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) कानूनी धारा बनायब
- (C) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (D) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य

६४०. 'ललित निबंध'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) विचार आ सौन्दर्य-बोधक आत्मीय गद्य
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) भाव, भाषा आ विचारक संतुलन
- (D) कानूनी धारा बनायब

६४१. निबंधक सन्दर्भमे 'विचार-निबंध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (B) बिना विचार वर्णन
- (C) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

६४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'विचार-निबंध'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब
- (B) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) बिना विचार वर्णन

६४३. 'विचार-निबंध'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) बिना विचार वर्णन
- (C) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (D) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब

६४४. 'विचार-निबंध'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) बिना विचार वर्णन
- (B) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (C) संवादक निषेध
- (D) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब

६४५. विद्यार्थी जँ 'विचार-निबंध' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब
- (B) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) बिना विचार वर्णन

६४६. निबंधमे 'विचार-निबंध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) बिना विचार वर्णन
- (C) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (D) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब

६४७. 'विचार-निबंध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) बिना विचार वर्णन
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (D) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब

६४८. 'विचार-निबंध' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) बिना विचार वर्णन
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) विषय केँ स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब
- (D) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन

६४९. परीक्षामे 'विचार-निबंध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) बिना विचार वर्णन
- (B) विषय के स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब
- (C) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

६५०. 'विचार-निबंध'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) विषय के स्पष्ट आ क्रमबद्ध खोलब
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) तर्कप्रधान ढंगसँ विषयक विवेचन
- (D) बिना विचार वर्णन

६५१. निबंधक सन्दर्भमे 'व्यंग्य-निबंध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (B) भावक नाश करब
- (C) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (D) सिर्फ विनोद करब

६५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'व्यंग्य-निबंध'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) सिर्फ विनोद करब
- (C) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (D) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब

६५३. 'व्यंग्य-निबंध'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) सिर्फ विनोद करब
- (D) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब

६५४. 'व्यंग्य-निबंध'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (C) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (D) सिर्फ विनोद करब

६५५. विद्यार्थी जँ 'व्यंग्य-निबंध' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (B) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) सिर्फ विनोद करब

६५६. निबंधमे 'व्यंग्य-निबंध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (C) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (D) सिर्फ विनोद करब

६५७. 'व्यंग्य-निबंध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (C) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (D) सिर्फ विनोद करब

६५८. 'व्यंग्य-निबंध' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) सिर्फ विनोद करब
- (C) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (D) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना

६५९. परीक्षामे 'व्यंग्य-निबंध' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सिर्फ विनोद करब
- (B) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (C) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (D) भावक नाश करब

६६०. 'व्यंग्य-निबंध'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) सिर्फ विनोद करब
- (B) हास्य-चोट द्वारा समाजक विसंगति उजागर करब
- (C) हँसीक भीतर विवेकपूर्ण आलोचना
- (D) अर्थहीन सजावट

६६१. निबंधक सन्दर्भमे 'भाषा-निबंध'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक प्रश्न हटायब
- (B) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार
- (C) भाषिक चेतना केँ मजबूत करब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

६६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'भाषा-निबंध'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार
- (B) भाषाक प्रश्न हटायब
- (C) भाषिक चेतना केँ मजबूत करब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

६६३. 'भाषा-निबंध'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) भाषिक चेतना केँ मजबूत करब
- (C) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार
- (D) भाषाक प्रश्न हटायब

६६४. 'भाषा-निबंध'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) भाषाक प्रश्न हटायब
- (B) भाषिक चेतना केँ मजबूत करब
- (C) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार
- (D) भावक नाश करब

६६५. विद्यार्थी जें 'भाषा-निबंध' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार
- (B) भाषिक चेतना कें मजबूत करब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) भाषाक प्रश्न हटायब

६६६. निबंधमे 'भाषा-निबंध' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) भाषिक चेतना कें मजबूत करब
- (C) भाषाक प्रश्न हटायब
- (D) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार

६६७. 'भाषा-निबंध' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) भाषाक प्रश्न हटायब
- (B) भाषिक चेतना कें मजबूत करब
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार

६६८. 'भाषा-निबंध' कें आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) भाषिक चेतना कें मजबूत करब
- (B) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) भाषाक प्रश्न हटायब

६६९. परीक्षामे 'भाषा-निबंध' पर प्रश्न आयल तें सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) भाषाक प्रश्न हटायब
- (C) भाषिक चेतना कें मजबूत करब
- (D) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार

६७०. 'भाषा-निबंध'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) भाषा, लिपि, शब्द, व्याकरण आ व्यवहार पर विचार
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) भाषिक चेतना कें मजबूत करब
- (D) भाषाक प्रश्न हटायब

६७१. निबंधक सन्दर्भमे 'रचना-क्रम'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) बिखरल अनुच्छेद
- (D) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह

६७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'रचना-क्रम'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) बिखरल अनुच्छेद
- (D) विचारक पठनीय यात्रा बनायब

६७३. 'रचना-क्रम'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह
- (B) बिखरल अनुच्छेद
- (C) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

६७४. 'रचना-क्रम'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह
- (C) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (D) बिखरल अनुच्छेद

६७५. विद्यार्थी जँ 'रचना-क्रम' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह
- (B) भावक नाश करब
- (C) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (D) बिखरल अनुच्छेद

६७६. निबंधमे 'रचना-क्रम' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (C) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह
- (D) बिखरल अनुच्छेद

६७७. 'रचना-क्रम' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (B) बिखरल अनुच्छेद
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह

६७८. 'रचना-क्रम' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) बिखरल अनुच्छेद
- (B) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह
- (C) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

६७९. परीक्षामे 'रचना-क्रम' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (C) बिखरल अनुच्छेद
- (D) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह

६८०. 'रचना-क्रम'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) विचारक पठनीय यात्रा बनायब
- (B) आरम्भ, विस्तार, उदाहरण, निष्कर्षक सुसंगठित प्रवाह
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) बिखरल अनुच्छेद

६८१. निबंधक सन्दर्भमे 'पाठक-संवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (B) संवादक निषेध
- (C) विचारक जीवित संवाद बनायब
- (D) केवल उपदेश देब

६८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'पाठक-संवाद'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) केवल उपदेश देब
- (B) विचारक जीवित संवाद बनायब
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब

६८३. 'पाठक-संवाद'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (B) केवल उपदेश देब
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) विचारक जीवित संवाद बनायब

६८४. 'पाठक-संवाद'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (C) केवल उपदेश देब
- (D) विचारक जीवित संवाद बनायब

६८५. विद्यार्थी जेँ 'पाठक-संवाद' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) भावक नाश करब
- (B) विचारक जीवित संवाद बनायब
- (C) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (D) केवल उपदेश देब

६८६. निबंधमे 'पाठक-संवाद' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विचारक जीवित संवाद बनायब
- (B) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (C) केवल उपदेश देब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

६८७. 'पाठक-संवाद' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) केवल उपदेश देब
- (D) विचारक जीवित संवाद बनायब

६८८. 'पाठक-संवाद' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) केवल उपदेश देब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) विचारक जीवित संवाद बनायब
- (D) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब

६८९. परीक्षामे 'पाठक-संवाद' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) केवल उपदेश देब
- (B) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (C) विचारक जीवित संवाद बनायब
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

६९०. 'पाठक-संवाद'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) विचारक जीवित संवाद बनायब
- (B) पाठक केँ सोचबाक लेल आमंत्रित करब
- (C) केवल उपदेश देब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

६९१. निबंधक सन्दर्भमे 'समसामयिकता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (B) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) समयक अनदेखी

६९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'समसामयिकता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार
- (B) समयक अनदेखी
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ

६९३. 'समसामयिकता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार
- (D) समयक अनदेखी

६९४. 'समसामयिकता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (D) समयक अनदेखी

६९५. विद्यार्थी जेँ 'समसामयिकता' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (B) समयक अनदेखी
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार

६९६. निबंधमे 'समसामयिकता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (B) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार
- (C) समयक अनदेखी
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

६९७. 'समसामयिकता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) समयक अनदेखी
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार
- (D) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ

६९८. 'समसामयिकता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) समयक अनदेखी
- (D) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार

६९९. परीक्षामे 'समसामयिकता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) समयक अनदेखी
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (D) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार

७००. 'समसामयिकता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) वर्तमानक समस्या केँ भाषा देनाइ
- (C) अपने समयक प्रश्न पर सजग विचार
- (D) समयक अनदेखी

७०१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'आलोचना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सिर्फ प्रशंसा करब
- (B) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (C) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

७०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'आलोचना'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (B) संवादक निषेध
- (C) सिर्फ प्रशंसा करब
- (D) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन

७०३. 'आलोचना'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (B) सिर्फ प्रशंसा करब
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि

७०४. 'आलोचना'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (D) सिर्फ प्रशंसा करब

७०५. विद्यार्थी जें 'आलोचना' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (D) सिर्फ प्रशंसा करब

७०६. आलोचनाने 'आलोचना' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (B) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (C) सिर्फ प्रशंसा करब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

७०७. 'आलोचना' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सिर्फ प्रशंसा करब
- (B) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन

७०८. 'आलोचना' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (B) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) सिर्फ प्रशंसा करब

७०९. परीक्षामे 'आलोचना' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (B) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (C) सिर्फ प्रशंसा करब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

७१०. 'आलोचना'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) रचना, लेखक, प्रवृत्ति वा युगक विवेकपूर्ण मूल्यांकन
- (C) साहित्यिक विवेक आ न्यायपूर्ण दृष्टि
- (D) सिर्फ प्रशंसा करब

७११. आलोचनाक सन्दर्भमे 'पाठ-विश्लेषण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बिना पढ़ल निर्णय
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाइ
- (D) रचना भीतरक अर्थ खोलब

७१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'पाठ-विश्लेषण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाइ
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) बिना पढ़ल निर्णय
- (D) रचना भीतरक अर्थ खोलब

७१३. 'पाठ-विश्लेषण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) रचना भीतरक अर्थ खोलब
- (B) बिना पढ़ल निर्णय
- (C) भावक नाश करब
- (D) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़

७१४. 'पाठ-विश्लेषण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़
- (B) बिना पढ़ल निर्णय
- (C) रचना भीतरक अर्थ खोलब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

७१५. विद्यार्थी जँ 'पाठ-विश्लेषण' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) रचना भीतरक अर्थ खोलब
- (B) बिना पढ़ल निर्णय
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़

७१६. आलोचनामे 'पाठ-विश्लेषण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़
- (C) रचना भीतरक अर्थ खोलब
- (D) बिना पढ़ल निर्णय

७१७. 'पाठ-विश्लेषण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) रचना भीतरक अर्थ खोलब
- (B) बिना पढ़ल निर्णय
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़

७१८. 'पाठ-विश्लेषण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) रचना भीतरक अर्थ खोलब
- (D) बिना पढ़ल निर्णय

७१९. परीक्षामे 'पाठ-विश्लेषण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) भावक नाश करब
- (B) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़
- (C) बिना पढ़ल निर्णय
- (D) रचना भीतरक अर्थ खोलब

७२०. 'पाठ-विश्लेषण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाड़
- (C) बिना पढ़ल निर्णय
- (D) रचना भीतरक अर्थ खोलब

७२१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'मूल्यांकन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) एकतरफा निर्णय
- (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (D) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब

७२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'मूल्यांकन'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब
- (B) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) एकतरफा निर्णय

७२३. 'मूल्यांकन'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (B) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) एकतरफा निर्णय

७२४. 'मूल्यांकन'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (B) एकतरफा निर्णय
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब

७२५. विद्यार्थी जँ 'मूल्यांकन' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब
- (B) एकतरफा निर्णय
- (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

७२६. आलोचनामे 'मूल्यांकन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) एकतरफा निर्णय
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (D) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब

७२७. 'मूल्यांकन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) एकतरफा निर्णय
- (D) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब

७२८. 'मूल्यांकन' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) एकतरफा निर्णय
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब
- (D) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब

७२९. परीक्षामे 'मूल्यांकन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब
- (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (D) एकतरफा निर्णय

७३०. 'मूल्यांकन'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब
- (D) एकतरफा निर्णय

७३१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'संदर्भ'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) संदर्भ-विहीनता
- (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (D) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब

७३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'संदर्भ'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (D) संदर्भ-विहीनता

७३३. 'संदर्भ'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (B) संदर्भ-विहीनता
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब

७३४. 'संदर्भ'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब
- (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (D) संदर्भ-विहीनता

७३५. विद्यार्थी जँ 'संदर्भ' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब
- (B) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) संदर्भ-विहीनता

७३६. आलोचनामे 'संदर्भ' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) संदर्भ-विहीनता
- (D) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ

७३७. 'संदर्भ' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (C) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब
- (D) संदर्भ-विहीनता

७३८. 'संदर्भ' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब
- (B) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) संदर्भ-विहीनता

७३९. परीक्षामे 'संदर्भ' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (D) संदर्भ-विहीनता

७४०. 'संदर्भ'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) संदर्भ-विहीनता
- (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ
- (D) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब

७४१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'सिद्धान्त'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) यांत्रिक नियम बनायब
- (B) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (C) विवेचन केँ पद्धति देनाइ
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

७४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'सिद्धान्त'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (B) विवेचन केँ पद्धति देनाइ
- (C) यांत्रिक नियम बनायब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

७४३. 'सिद्धान्त'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) संवादक निषेध
- (B) विवेचन केँ पद्धति देनाइ
- (C) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (D) यांत्रिक नियम बनायब

७४४. 'सिद्धान्त'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (C) यांत्रिक नियम बनायब
- (D) विवेचन केँ पद्धति देनाइ

७४५. विद्यार्थी जें 'सिद्धान्त' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (B) विवेचन कें पद्धति देनाइ
- (C) यांत्रिक नियम बनायब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

७४६. आलोचनामे 'सिद्धान्त' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) विवेचन कें पद्धति देनाइ
- (B) यांत्रिक नियम बनायब
- (C) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

७४७. 'सिद्धान्त' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) यांत्रिक नियम बनायब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) विवेचन कें पद्धति देनाइ
- (D) पाठ बुझबाक विचार-औजार

७४८. 'सिद्धान्त' कें आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (B) विवेचन कें पद्धति देनाइ
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) यांत्रिक नियम बनायब

७४९. परीक्षामे 'सिद्धान्त' पर प्रश्न आयल तें सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) यांत्रिक नियम बनायब
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) विवेचन कें पद्धति देनाइ
- (D) पाठ बुझबाक विचार-औजार

७५०. 'सिद्धान्त'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) पाठ बुझबाक विचार-औजार
- (B) यांत्रिक नियम बनायब
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) विवेचन कें पद्धति देनाइ

७५१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'भाषिक आलोचना'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक अनदेखी
- (B) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण

७५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'भाषिक आलोचना'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (C) भाषाक अनदेखी
- (D) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण

७५३. 'भाषिक आलोचना'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भाषाक अनदेखी
- (B) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ

७५४. 'भाषिक आलोचना'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) भाषाक अनदेखी
- (C) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (D) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण

७५५. विद्यार्थी जँ 'भाषिक आलोचना' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) भाषाक अनदेखी
- (B) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण
- (C) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

७५६. आलोचनामे 'भाषिक आलोचना' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (B) भाषाक अनदेखी
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण

७५७. 'भाषिक आलोचना' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (B) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) भाषाक अनदेखी

७५८. 'भाषिक आलोचना' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) भाषाक अनदेखी
- (D) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ

७५९. परीक्षामे 'भाषिक आलोचना' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण
- (C) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (D) भाषाक अनदेखी

७६०. 'भाषिक आलोचना'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ
- (D) भाषाक अनदेखी

७६१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'तुलनात्मक दृष्टि'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (B) असमान तुलना
- (C) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

७६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'तुलनात्मक दृष्टि'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) असमान तुलना
- (C) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (D) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना

७६३. 'तुलनात्मक दृष्टि'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना
- (B) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) असमान तुलना

७६४. 'तुलनात्मक दृष्टि'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) असमान तुलना
- (C) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (D) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना

७६५. विद्यार्थी जँ 'तुलनात्मक दृष्टि' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) असमान तुलना
- (D) साम्य आ भेद स्पष्ट करब

७६६. आलोचनामे 'तुलनात्मक दृष्टि' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) असमान तुलना
- (D) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना

७६७. 'तुलनात्मक दृष्टि' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना
- (C) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (D) असमान तुलना

७६८. 'तुलनात्मक दृष्टि' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (C) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना
- (D) असमान तुलना

७६९. परीक्षामे 'तुलनात्मक दृष्टि' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (D) असमान तुलना

७७०. 'तुलनात्मक दृष्टि'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) दू रचना, दू लेखक वा दू परम्पराक विवेकपूर्ण तुलना
- (B) असमान तुलना
- (C) साम्य आ भेद स्पष्ट करब
- (D) संवादक निषेध

७७१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'समीक्षा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ

७७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'समीक्षा'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (C) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (D) विज्ञापन मात्र

७७३. 'समीक्षा'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (D) विज्ञापन मात्र

७७४. 'समीक्षा'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (C) विज्ञापन मात्र
- (D) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ

७७५. विद्यार्थी जँ 'समीक्षा' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (C) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

७७६. आलोचनामे 'समीक्षा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (C) विज्ञापन मात्र
- (D) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय

७७७. 'समीक्षा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (B) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (C) विज्ञापन मात्र
- (D) भावक नाश करब

७७८. 'समीक्षा' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) विज्ञापन मात्र
- (B) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय

७७९. परीक्षामे 'समीक्षा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (B) विज्ञापन मात्र
- (C) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

७८०. 'समीक्षा'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) पाठक केँ विचारपूर्वक रचना धरि पहुँचेनाइ
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) विज्ञापन मात्र
- (D) नव पुस्तक वा रचनाक संक्षिप्त आलोचनात्मक परिचय

७८१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'प्रमाण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बिना प्रमाण घोषणा
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (D) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब

७८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'प्रमाण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) बिना प्रमाण घोषणा
- (D) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब

७८३. 'प्रमाण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब
- (D) बिना प्रमाण घोषणा

७८४. 'प्रमाण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (B) बिना प्रमाण घोषणा
- (C) संवादक निषेध
- (D) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब

७८५. विद्यार्थी जें 'प्रमाण' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) बिना प्रमाण घोषणा
- (C) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब
- (D) विश्वसनीय आलोचना बनायब

७८६. आलोचनाने 'प्रमाण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) बिना प्रमाण घोषणा
- (B) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब

७८७. 'प्रमाण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) बिना प्रमाण घोषणा
- (B) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (C) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

७८८. 'प्रमाण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) बिना प्रमाण घोषणा
- (B) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब
- (C) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

७८९. परीक्षामे 'प्रमाण' पर प्रश्न आयल तें सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (D) बिना प्रमाण घोषणा

७९०. 'प्रमाण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) दावा केँ पाठ, उदाहरण वा इतिहास सँ पुष्ट करब
- (B) विश्वसनीय आलोचना बनायब
- (C) बिना प्रमाण घोषणा
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

७९१. आलोचनाक सन्दर्भमे 'आलोचकक दायित्व'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (B) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) व्यक्तिगत हमला

७९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'आलोचकक दायित्व'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (B) व्यक्तिगत हमला
- (C) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

७९३. 'आलोचकक दायित्व'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) व्यक्तिगत हमला
- (B) भावक नाश करब
- (C) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (D) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ

७९४. 'आलोचकक दायित्व'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) व्यक्तिगत हमला
- (D) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ

७९५. विद्यार्थी जँ 'आलोचकक दायित्व' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) व्यक्तिगत हमला
- (B) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (C) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (D) अचानक असंबद्ध अन्त

७९६. आलोचनामे 'आलोचकक दायित्व' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (C) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (D) व्यक्तिगत हमला

७९७. 'आलोचकक दायित्व' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (B) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (C) भावक नाश करब
- (D) व्यक्तिगत हमला

७९८. 'आलोचकक दायित्व' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण
- (B) व्यक्तिगत हमला
- (C) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (D) अर्थहीन सजावट

७९९. परीक्षामे 'आलोचकक दायित्व' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) व्यक्तिगत हमला
- (B) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण

८००. 'आलोचकक दायित्व'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) व्यक्तिगत हमला
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) रचनाक न्यायपूर्ण, प्रमाणित आ संवेदनशील पाठ देनाइ
- (D) साहित्यिक संस्कृतिक संरक्षण

८०१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'संस्मरण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (B) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन
- (C) भावक नाश करब
- (D) कानूनी बयान बनायब

८०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'संस्मरण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) संवादक निषेध
- (B) कानूनी बयान बनायब
- (C) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (D) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन

८०३. 'संस्मरण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन
- (C) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (D) कानूनी बयान बनायब

८०४. 'संस्मरण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) कानूनी बयान बनायब
- (B) भावक नाश करब
- (C) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (D) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन

८०५. विद्यार्थी जँ 'संस्मरण' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) कानूनी बयान बनायब
- (C) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (D) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन

८०६. संस्मरणमे 'संस्मरण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन
- (D) कानूनी बयान बनायब

८०७. 'संस्मरण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कानूनी बयान बनायब
- (B) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन
- (C) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

८०८. 'संस्मरण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (B) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन
- (C) संवादक निषेध
- (D) कानूनी बयान बनायब

८०९. परीक्षामे 'संस्मरण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (C) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन
- (D) कानूनी बयान बनायब

८१०. 'संस्मरण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) निज अनुभवसँ युगक चित्र देनाइ
- (C) कानूनी बयान बनायब
- (D) स्मृति पर आधारित व्यक्ति, घटना वा समयक आत्मीय गद्य-वर्णन

८११. संस्मरणक सन्दर्भमे 'स्मृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) यांत्रिक तिथि-सूची
- (C) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (D) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ

८१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'स्मृति'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ
- (C) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (D) यांत्रिक तिथि-सूची

८१३. 'स्मृति'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (D) यांत्रिक तिथि-सूची

८१४. 'स्मृति'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (D) यांत्रिक तिथि-सूची

८१५. विद्यार्थी जे 'स्मृति' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) यांत्रिक तिथि-सूची
- (D) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ

८१६. संस्मरणमे 'स्मृति' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ
- (B) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (C) यांत्रिक तिथि-सूची
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

८१७. 'स्मृति' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (C) यांत्रिक तिथि-सूची
- (D) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ

८१८. 'स्मृति' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) यांत्रिक तिथि-सूची
- (B) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ
- (C) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

८१९. परीक्षामे 'स्मृति' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (B) यांत्रिक तिथि-सूची
- (C) केवल शब्द-सूची बनायब
- (D) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ

८२०. 'स्मृति'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) बीतेल अनुभवक चयनित आ अर्थपूर्ण पुनर्स्मरण
- (B) यांत्रिक तिथि-सूची
- (C) अतीतक अनुभव केँ वर्तमानक अर्थ देनाइ
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

८२१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'आत्मीयता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (D) भावहीन सूचना

८२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'आत्मीयता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) भावहीन सूचना
- (D) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब

८२३. 'आत्मीयता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भावहीन सूचना
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (D) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब

८२४. 'आत्मीयता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब
- (B) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) भावहीन सूचना

८२५. विद्यार्थी जें 'आत्मीयता' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) भावहीन सूचना
- (C) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (D) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब

८२६. संस्मरणमे 'आत्मीयता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) भावहीन सूचना
- (C) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (D) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब

८२७. 'आत्मीयता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब
- (B) भावहीन सूचना
- (C) अचानक असंबद्ध अन्त
- (D) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध

८२८. 'आत्मीयता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) भावहीन सूचना
- (D) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध

८२९. परीक्षामे 'आत्मीयता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (B) भावहीन सूचना
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब

८३०. 'आत्मीयता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) पाठक केँ स्मृतिसँ भावात्मक जोड़ब
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) लेखकक निकट अनुभव आ भाव-सम्बंध
- (D) भावहीन सूचना

८३१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'व्यक्ति-चित्र'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) नाम-सूची बनायब
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र
- (D) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ

८३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'व्यक्ति-चित्र'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) नाम-सूची बनायब
- (C) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (D) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र

८३३. 'व्यक्ति-चित्र'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) नाम-सूची बनायब
- (B) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र

८३४. 'व्यक्ति-चित्र'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र
- (D) नाम-सूची बनायब

८३५. विद्यार्थी जँ 'व्यक्ति-चित्र' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) नाम-सूची बनायब
- (B) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (C) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

८३६. संस्मरणमे 'व्यक्ति-चित्र' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) परम्पराक अंध अनुकरण
- (B) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र
- (C) नाम-सूची बनायब
- (D) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ

८३७. 'व्यक्ति-चित्र' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) नाम-सूची बनायब
- (B) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (C) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

८३८. 'व्यक्ति-चित्र' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) नाम-सूची बनायब
- (C) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (D) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र

८३९. परीक्षामे 'व्यक्ति-चित्र' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) नाम-सूची बनायब
- (C) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (D) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र

८४०. 'व्यक्ति-चित्र'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) व्यक्ति केँ जीवन्त रूप देनाइ
- (B) कुनो व्यक्तिक स्वभाव, बोलचाल, कर्म आ प्रभावक रेखाचित्र
- (C) संवादक निषेध
- (D) नाम-सूची बनायब

८४१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'समय-चित्र'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) समयक अभाव
- (D) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब

८४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'समय-चित्र'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (B) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) समयक अभाव

८४३. 'समय-चित्र'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (D) समयक अभाव

८४४. 'समय-चित्र'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (C) समयक अभाव
- (D) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब

८४५. विद्यार्थी जँ 'समय-चित्र' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (B) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (C) समयक अभाव
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

८४६. संस्मरणमे 'समय-चित्र' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (D) समयक अभाव

८४७. 'समय-चित्र' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) समयक अभाव
- (B) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (C) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

८४८. 'समय-चित्र' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (D) समयक अभाव

८४९. परीक्षामे 'समय-चित्र' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) लोकानुभवक उपेक्षा
- (B) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब
- (C) समयक अभाव
- (D) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब

८५०. 'समय-चित्र'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) समयक अभाव
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) निज स्मृतिसँ सामूहिक समय खोलब
- (D) एक युगक वातावरण, रीति, संघर्ष आ भाषा केँ स्मृतिमे पकड़ब

८५१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'विश्वसनीयता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अनुभवक भरोसा बनायब
- (B) मनगढ़न्त दावा
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब

८५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'विश्वसनीयता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) मनगढ़न्त दावा
- (C) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब
- (D) अनुभवक भरोसा बनायब

८५३. 'विश्वसनीयता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) मनगढ़न्त दावा
- (B) कृत्रिम भाषा लिखब
- (C) अनुभवक भरोसा बनायब
- (D) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब

८५४. 'विश्वसनीयता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मनगढ़न्त दावा
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) अनुभवक भरोसा बनायब
- (D) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब

८५५. विद्यार्थी जँ 'विश्वसनीयता' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) अनुभवक भरोसा बनायब
- (C) मनगढ़न्त दावा
- (D) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब

८५६. संस्मरणमे 'विश्वसनीयता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) अनुभवक भरोसा बनायब
- (D) मनगढ़न्त दावा

८५७. 'विश्वसनीयता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मनगढ़न्त दावा
- (B) अनुभवक भरोसा बनायब
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब

८५८. 'विश्वसनीयता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मनगढ़न्त दावा
- (B) अनुभवक भरोसा बनायब
- (C) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

८५९. परीक्षामे 'विश्वसनीयता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब
- (B) अनावश्यक विस्तार करब
- (C) अनुभवक भरोसा बनायब
- (D) मनगढ़न्त दावा

८६०. 'विश्वसनीयता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) स्मृति केँ ईमानदारी, प्रसंग आ संतुलनसँ लिखब
- (B) मनगढ़न्त दावा
- (C) संवादक निषेध
- (D) अनुभवक भरोसा बनायब

८६१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'स्थान-स्मृति'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) स्थान-विहीन लेख
- (B) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (C) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

८६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'स्थान-स्मृति'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (B) स्थान-विहीन लेख
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब

८६३. 'स्थान-स्मृति'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब
- (B) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) स्थान-विहीन लेख

८६४. 'स्थान-स्मृति'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (B) स्थान-विहीन लेख
- (C) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब
- (D) लोकानुभवक उपेक्षा

८६५. विद्यार्थी जें 'स्थान-स्मृति' बुझय चाहैत अछि तें पहिने कोन बात देखत?

- (A) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (B) स्थान-विहीन लेख
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब

८६६. संस्मरणमे 'स्थान-स्मृति' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) स्थान-विहीन लेख
- (B) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (C) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब
- (D) भावक नाश करब

८६७. 'स्थान-स्मृति' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब
- (B) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) स्थान-विहीन लेख

८६८. 'स्थान-स्मृति' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) स्थान-विहीन लेख
- (B) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (C) सिर्फ नकल करब
- (D) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब

८६९. परीक्षामे 'स्थान-स्मृति' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (B) संवादक निषेध
- (C) स्थान-विहीन लेख
- (D) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब

८७०. 'स्थान-स्मृति'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) ठामक भावात्मक अर्थ बनायब
- (B) गाम, नगर, विद्यालय, घर वा यात्रा-ठामक स्मरण
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) स्थान-विहीन लेख

८७१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'घटना-चयन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) सब दिनक डायरी बनायब
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (D) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब

८७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'घटना-चयन'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (B) सब दिनक डायरी बनायब
- (C) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

८७३. 'घटना-चयन'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (C) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब
- (D) सब दिनक डायरी बनायब

८७४. 'घटना-चयन'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (C) सब दिनक डायरी बनायब
- (D) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब

८७५. विद्यार्थी जँ 'घटना-चयन' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) संवादक निषेध
- (B) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब
- (C) सब दिनक डायरी बनायब
- (D) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब

८७६. संस्मरणमे 'घटना-चयन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) सब दिनक डायरी बनायब
- (C) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (D) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब

८७७. 'घटना-चयन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) सब दिनक डायरी बनायब
- (C) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (D) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब

८७८. 'घटना-चयन' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब
- (B) पाठकसँ दूरी राखब
- (C) सब दिनक डायरी बनायब
- (D) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब

८७९. परीक्षामे 'घटना-चयन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (B) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब
- (C) सब दिनक डायरी बनायब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

८८०. 'घटना-चयन'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) स्मृतिसँ साहित्यिक सार निकालब
- (C) सब घटना नहि, अर्थपूर्ण घटना चुनब
- (D) सब दिनक डायरी बनायब

८८१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'भाव-संतुलन'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (C) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब
- (D) अंध-भक्ति

८८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'भाव-संतुलन'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) अंध-भक्ति
- (C) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब
- (D) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब

८८३. 'भाव-संतुलन'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अंध-भक्ति
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (D) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब

८८४. 'भाव-संतुलन'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) अंध-भक्ति
- (C) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब
- (D) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब

८८५. विद्यार्थी जेँ 'भाव-संतुलन' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (B) अंध-भक्ति
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब

८८६. संस्मरणमे 'भाव-संतुलन' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (C) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब
- (D) अंध-भक्ति

८८७. 'भाव-संतुलन' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब
- (B) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (C) अंध-भक्ति
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

८८८. 'भाव-संतुलन' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अंध-भक्ति
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (D) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब

८८९. परीक्षामे 'भाव-संतुलन' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (B) अंध-भक्ति
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब

८९०. 'भाव-संतुलन'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) प्रेम, सम्मान, असहमति आ आलोचना केँ संतुलित राखब
- (B) अंध-भक्ति
- (C) सत्यनिष्ठ आत्मीयता बनायब
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

८९१. संस्मरणक सन्दर्भमे 'आधुनिक महत्व'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) पाठकसँ दूरी राखब
- (B) स्मृति नष्ट करब
- (C) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब
- (D) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब

८९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'आधुनिक महत्व'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) स्मृति नष्ट करब
- (B) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (C) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

८९३. 'आधुनिक महत्व'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (C) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब
- (D) स्मृति नष्ट करब

८९४. 'आधुनिक महत्व'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब
- (B) संवादक निषेध
- (C) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (D) स्मृति नष्ट करब

८९५. विद्यार्थी जँ 'आधुनिक महत्व' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) स्मृति नष्ट करब
- (C) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (D) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब

८९६. संस्मरणमे 'आधुनिक महत्व' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) स्मृति नष्ट करब
- (C) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (D) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब

८९७. 'आधुनिक महत्व' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (B) स्मृति नष्ट करब
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब

८९८. 'आधुनिक महत्व' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब
- (B) स्मृति नष्ट करब
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब

८९९. परीक्षामे 'आधुनिक महत्व' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) स्मृति नष्ट करब
- (B) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब
- (C) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

९००. 'आधुनिक महत्व'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) स्मृति नष्ट करब
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब
- (D) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब

९०१. अनुवादक सन्दर्भमे 'अनुवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक यांत्रिक सूची
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (D) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण

९०२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'अनुवाद'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) अनावश्यक विस्तार करब
- (B) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण
- (C) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (D) शब्दक यांत्रिक सूची

९०३. 'अनुवाद'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) शब्दक यांत्रिक सूची
- (C) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (D) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण

९०४. 'अनुवाद'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण
- (B) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (C) संवादक निषेध
- (D) शब्दक यांत्रिक सूची

९०५. विद्यार्थी जें 'अनुवाद' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) शब्दक यांत्रिक सूची
- (B) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब

९०६. अनुवादमे 'अनुवाद' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) संवादक निषेध
- (B) शब्दक यांत्रिक सूची
- (C) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (D) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण

९०७. 'अनुवाद' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) शब्दक यांत्रिक सूची
- (C) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण
- (D) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब

९०८. 'अनुवाद' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण
- (B) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (C) शब्दक यांत्रिक सूची
- (D) समाजक प्रश्न हटायब

९०९. परीक्षामे 'अनुवाद' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (D) शब्दक यांत्रिक सूची

९१०. 'अनुवाद'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब
- (B) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण
- (C) भावक नाश करब
- (D) शब्दक यांत्रिक सूची

९११. अनुवादक सन्दर्भमे 'निष्ठा'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) अर्थक विकृति
- (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (C) अनावश्यक विस्तार करब
- (D) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी

९१२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'निष्ठा'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (B) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) अर्थक विकृति

९१३. 'निष्ठा'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी
- (C) अर्थक विकृति
- (D) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब

९१४. 'निष्ठा'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अचानक असंबद्ध अन्त
- (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (C) अर्थक विकृति
- (D) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी

९१५. विद्यार्थी जँ 'निष्ठा' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) संवादक निषेध
- (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (C) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी
- (D) अर्थक विकृति

९१६. अनुवादमे 'निष्ठा' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) अर्थक विकृति
- (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (C) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (D) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी

९१७. 'निष्ठा' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (B) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) अर्थक विकृति

९१८. 'निष्ठा' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (C) अर्थक विकृति
- (D) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी

९१९. परीक्षामे 'निष्ठा' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब
- (D) अर्थक विकृति

९२०. 'निष्ठा'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी
- (B) भावक नाश करब
- (C) अर्थक विकृति
- (D) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब

९२१. अनुवादक सन्दर्भमे 'स्वाभाविकता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ
- (C) कठोर शब्दशःपन
- (D) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब

९२२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'स्वाभाविकता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ
- (C) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (D) कठोर शब्दशःपन

९२३. 'स्वाभाविकता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (D) कठोर शब्दशःपन

९२४. 'स्वाभाविकता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (B) कठोर शब्दशःपन
- (C) संवादक निषेध
- (D) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ

९२५. विद्यार्थी जे 'स्वाभाविकता' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) कठोर शब्दशःपन
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (D) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ

९२६. अनुवादमे 'स्वाभाविकता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कठोर शब्दशःपन
- (B) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ

९२७. 'स्वाभाविकता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) कठोर शब्दशःपन
- (B) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (C) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ
- (D) केवल शब्द-सूची बनायब

९२८. 'स्वाभाविकता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (B) संवादक निषेध
- (C) कठोर शब्दशःपन
- (D) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ

९२९. परीक्षामे 'स्वाभाविकता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (B) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (C) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ
- (D) कठोर शब्दशःपन

९३०. 'स्वाभाविकता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब
- (B) कठोर शब्दशःपन
- (C) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

९३१. अनुवादक सन्दर्भमे 'भावानुवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) मनमानी रचना
- (D) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब

९३२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'भावानुवाद'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब
- (B) मनमानी रचना
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति

९३३. 'भावानुवाद'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब
- (B) मनमानी रचना
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति

९३४. 'भावानुवाद'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति
- (D) मनमानी रचना

९३५. विद्यार्थी जेँ 'भावानुवाद' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब
- (B) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति
- (C) मनमानी रचना
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

९३६. अनुवादमे 'भावानुवाद' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति
- (D) मनमानी रचना

९३७. 'भावानुवाद' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) मनमानी रचना
- (D) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति

९३८. 'भावानुवाद' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति
- (B) मनमानी रचना
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब

९३९. परीक्षामे 'भावानुवाद' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति
- (B) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (C) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब
- (D) मनमानी रचना

९४०. 'भावानुवाद'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति
- (C) मनमानी रचना
- (D) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब

९४१. अनुवादक सन्दर्भमे 'सांस्कृतिक संदर्भ'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (B) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) संदर्भक नाश

९४२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'सांस्कृतिक संदर्भ'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) संदर्भक नाश
- (B) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (C) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

९४३. 'सांस्कृतिक संदर्भ'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (B) परम्पराक अंध अनुकरण
- (C) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (D) संदर्भक नाश

९४४. 'सांस्कृतिक संदर्भ'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (B) लोकानुभवक उपेक्षा
- (C) संदर्भक नाश
- (D) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब

१४५. विद्यार्थी जै 'सांस्कृतिक संदर्भ' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (B) संदर्भक नाश
- (C) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (D) संवादक निषेध

१४६. अनुवादमे 'सांस्कृतिक संदर्भ' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (B) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (C) भावक नाश करब
- (D) संदर्भक नाश

१४७. 'सांस्कृतिक संदर्भ' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) अर्थहीन सजावट
- (B) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (C) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (D) संदर्भक नाश

१४८. 'सांस्कृतिक संदर्भ' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (B) संदर्भक नाश
- (C) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

१४९. परीक्षामे 'सांस्कृतिक संदर्भ' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (B) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (C) संदर्भक नाश
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

१५०. 'सांस्कृतिक संदर्भ'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) रीति, मुहावरा, नाम, लोकविश्वास आ प्रसंगक सावधान रूपान्तरण
- (B) दू संस्कृतिक अर्थ-पुल बनायब
- (C) परम्पराक अंध अनुकरण
- (D) संदर्भक नाश

१५१. अनुवादक सन्दर्भमे 'कविता-अनुवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कविताक संगीत आ भाव बचायब
- (B) भावक नाश
- (C) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (D) संवादक निषेध

१५२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'कविता-अनुवाद'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) कविताक संगीत आ भाव बचायब
- (B) अचानक असंबद्ध अन्त
- (C) भावक नाश
- (D) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन

१५३. 'कविता-अनुवाद'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भावक नाश
- (B) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) कविताक संगीत आ भाव बचायब

१५४. 'कविता-अनुवाद'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) समाजक प्रश्न हटायब
- (B) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (C) भावक नाश
- (D) कविताक संगीत आ भाव बचायब

१५५. विद्यार्थी जँ 'कविता-अनुवाद' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) भावक नाश
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) कविताक संगीत आ भाव बचायब
- (D) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन

१५६. अनुवादमे 'कविता-अनुवाद' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (B) भावक नाश
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) कविताक संगीत आ भाव बचायब

१५७. 'कविता-अनुवाद' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (B) भावक नाश
- (C) कविताक संगीत आ भाव बचायब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

१५८. 'कविता-अनुवाद' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (C) कविताक संगीत आ भाव बचायब
- (D) भावक नाश

१५९. परीक्षामे 'कविता-अनुवाद' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (B) कविताक संगीत आ भाव बचायब
- (C) कृत्रिम भाषा लिखब
- (D) भावक नाश

१६०. 'कविता-अनुवाद'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) कविताक संगीत आ भाव बचायब
- (B) संवादक निषेध
- (C) लय, बिम्ब, भाव आ अर्थक संतुलित पुनर्सृजन
- (D) भावक नाश

९६१. अनुवादक सन्दर्भमे 'नाटक-अनुवाद'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) कठोर पुस्तक-भाषा
- (B) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (C) अर्थहीन सजावट
- (D) मंचीयता सुरक्षित राखब

९६२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'नाटक-अनुवाद'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) कृत्रिम भाषा लिखब
- (B) कठोर पुस्तक-भाषा
- (C) मंचीयता सुरक्षित राखब
- (D) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण

९६३. 'नाटक-अनुवाद'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) कठोर पुस्तक-भाषा
- (B) मंचीयता सुरक्षित राखब
- (C) विषयक क्रम तोड़ब
- (D) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण

९६४. 'नाटक-अनुवाद'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मंचीयता सुरक्षित राखब
- (B) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (C) कठोर पुस्तक-भाषा
- (D) सिर्फ नकल करब

९६५. विद्यार्थी जे 'नाटक-अनुवाद' बुझय चाहैत अछि तेँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) संवादक निषेध
- (B) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (C) कठोर पुस्तक-भाषा
- (D) मंचीयता सुरक्षित राखब

९६६. अनुवादमे 'नाटक-अनुवाद' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (B) सिर्फ नकल करब
- (C) कठोर पुस्तक-भाषा
- (D) मंचीयता सुरक्षित राखब

९६७. 'नाटक-अनुवाद' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (C) कठोर पुस्तक-भाषा
- (D) मंचीयता सुरक्षित राखब

९६८. 'नाटक-अनुवाद' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मंचीयता सुरक्षित राखब
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (D) कठोर पुस्तक-भाषा

९६९. परीक्षामे 'नाटक-अनुवाद' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (B) कठोर पुस्तक-भाषा
- (C) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (D) मंचीयता सुरक्षित राखब

९७०. 'नाटक-अनुवाद'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) कठोर पुस्तक-भाषा
- (B) मंचीयता सुरक्षित राखब
- (C) मंच पर बोलबा योग्य संवाद आ क्रिया-संकेतक रूपान्तरण
- (D) सिर्फ नाम-सूची राखब

९७१. अनुवादक सन्दर्भमे 'शैली-संरक्षण'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (B) सब लेखक केँ एक भाषा
- (C) पाठकसँ दूरी राखब
- (D) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब

९७२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'शैली-संरक्षण'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब
- (B) सब लेखक केँ एक भाषा
- (C) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

९७३. 'शैली-संरक्षण'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) भावक नाश करब
- (B) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (C) सब लेखक केँ एक भाषा
- (D) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब

९७४. 'शैली-संरक्षण'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (B) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब
- (C) सब लेखक केँ एक भाषा
- (D) परम्पराक अंध अनुकरण

९७५. विद्यार्थी जँ 'शैली-संरक्षण' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) केवल शब्द-सूची बनायब
- (B) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब
- (C) सब लेखक केँ एक भाषा
- (D) मूल लेखकक पहचान बचायब

९७६. अनुवादमे 'शैली-संरक्षण' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) सब लेखक केँ एक भाषा
- (B) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब
- (C) लोकानुभवक उपेक्षा
- (D) मूल लेखकक पहचान बचायब

९७७. 'शैली-संरक्षण' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) सब लेखक केँ एक भाषा
- (D) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब

९७८. 'शैली-संरक्षण' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (B) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब
- (C) सब लेखक केँ एक भाषा
- (D) अर्थहीन सजावट

९७९. परीक्षामे 'शैली-संरक्षण' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) सब लेखक केँ एक भाषा
- (C) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (D) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब

९८०. 'शैली-संरक्षण'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) लेखकक विशिष्ट वाक्य, लय, स्वर आ दृष्टि केँ सम्भव सीमा तक राखब
- (B) केवल शब्द-सूची बनायब
- (C) मूल लेखकक पहचान बचायब
- (D) सब लेखक केँ एक भाषा

९८१. अनुवादक सन्दर्भमे 'लक्ष्य पाठक'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (B) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान
- (C) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (D) पाठकक उपेक्षा

९८२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'लक्ष्य पाठक'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान
- (B) भाषाक स्वाभाविकता रोकब
- (C) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (D) पाठकक उपेक्षा

९८३. 'लक्ष्य पाठक'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) विषयक क्रम तोड़ब
- (B) पाठकक उपेक्षा
- (C) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (D) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान

९८४. 'लक्ष्य पाठक'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (B) अर्थहीन सजावट
- (C) पाठकक उपेक्षा
- (D) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान

९८५. विद्यार्थी जें 'लक्ष्य पाठक' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) पाठकक उपेक्षा
- (B) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान
- (C) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (D) संवादक निषेध

९८६. अनुवादमे 'लक्ष्य पाठक' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान
- (B) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (C) समाजक प्रश्न हटायब
- (D) पाठकक उपेक्षा

९८७. 'लक्ष्य पाठक' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) पाठकक उपेक्षा
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (D) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान

९८८. 'लक्ष्य पाठक' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) पाठकक उपेक्षा
- (B) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान
- (C) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब
- (D) विषयक क्रम तोड़ब

९८९. परीक्षामे 'लक्ष्य पाठक' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) सिर्फ नकल करब
- (B) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान
- (C) पाठकक उपेक्षा
- (D) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब

९९०. 'लक्ष्य पाठक'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) जाहि पाठक लेल अनुवाद लिखल जा रहल अछि, ओकर भाषा-क्षमताक ध्यान
- (B) समाजक प्रश्न हटायब
- (C) पाठकक उपेक्षा
- (D) रचना केँ पढ़बा योग्य बनायब

९९१. अनुवादक सन्दर्भमे 'अनुवादक नैतिकता'क मूल अर्थ की अछि?

- (A) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (B) स्रोत छिपेनाइ
- (C) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (D) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी

९९२. आधुनिक मैथिली साहित्यमे 'अनुवादक नैतिकता'क मुख्य काज की मानल जाएत?

- (A) स्रोत छिपेनाइ
- (B) बिना प्रमाण निर्णय देब
- (C) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी
- (D) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब

९९३. 'अनुवादक नैतिकता'क अध्ययन करैत काल कोन बातसँ बचबाक चाही?

- (A) सिर्फ नाम-सूची राखब
- (B) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी
- (C) स्रोत छिपेनाइ
- (D) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब

९९४. 'अनुवादक नैतिकता'क सफल रूपक प्रमुख चिन्ह की अछि?

- (A) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी
- (B) स्रोत छिपेनाइ
- (C) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (D) भाषाक स्वाभाविकता रोकब

९९५. विद्यार्थी जँ 'अनुवादक नैतिकता' बुझय चाहैत अछि तँ पहिने कोन बात देखत?

- (A) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी
- (B) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (C) स्रोत छिपेनाइ
- (D) पाठकसँ दूरी राखब

९९६. अनुवादमे 'अनुवादक नैतिकता' किएक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी
- (B) स्रोत छिपेनाइ
- (C) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (D) कृत्रिम भाषा लिखब

९९७. 'अनुवादक नैतिकता' सम्बन्धी गलत प्रवृत्ति कोन अछि?

- (A) स्रोत छिपेनाइ
- (B) विषयक क्रम तोड़ब
- (C) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (D) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी

९९८. 'अनुवादक नैतिकता' केँ आधुनिक विकाससँ जोड़बाक सही तरीका की अछि?

- (A) भावक नाश करब
- (B) स्रोत छिपेनाइ
- (C) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (D) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी

९९९. परीक्षामे 'अनुवादक नैतिकता' पर प्रश्न आयल तँ सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर कोन?

- (A) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी
- (B) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (C) स्रोत छिपेनाइ
- (D) अनावश्यक विस्तार करब

१०००. 'अनुवादक नैतिकता'क मूल्यांकनमे कोन कसौटी उचित अछि?

- (A) स्रोत छिपेनाइ
- (B) श्रेय, स्रोत आ अर्थक जिम्मेदारी निभायब
- (C) मूल लेखक, स्रोत, भाषा आ पाठक प्रति स्पष्टता आ ईमानदारी
- (D) बिना प्रमाण निर्णय देब

- [illegible]

- [illegible]

- 131

३५९. (D) शिक्षा, नौकरी, प्रवास आ नयका मूल्यक टकराहट — आधुनिक उपन्यास परिवर्तनक दबाव देखबैत अछि।
३६०. (B) गाम-शहरक द्वन्द्व खोलब — आधुनिक उपन्यास परिवर्तनक दबाव देखबैत अछि।
३६१. (B) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६२. (D) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६३. (B) भीतरी जीवनक नकार — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६४. (C) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६५. (A) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६६. (A) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६७. (A) भीतरी जीवनक नकार — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६८. (A) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३६९. (D) पात्रक भीतरी भय, इच्छा, द्विधा आ स्मृतिक चित्रण — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३७०. (D) बाहरी घटना सँ भीतरक मन धरि पहुँचनाइ — मनोविश्लेषण पात्र केँ गहिर बनबैत अछि।
३७१. (A) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७२. (A) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७३. (B) दृष्टिहीन बयान — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७४. (C) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७५. (D) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७६. (C) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७७. (A) दृष्टिहीन बयान — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७८. (C) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३७९. (C) कथा कहबाक कोण—लेखक, पात्र वा बहु-दृष्टि — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३८०. (B) पाठकक अनुभव नियंत्रित करब — दृष्टिकोण उपन्यासक अर्थ-निर्माणमे प्रमुख अछि।
३८१. (A) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८२. (B) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८३. (A) सब पात्रक एके स्वर — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८४. (D) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८५. (C) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८६. (D) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८७. (A) सब पात्रक एके स्वर — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८८. (A) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३८९. (B) पात्रानुकूल भाषा आ बोलचाल — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३९०. (C) पात्रक वर्ग, शिक्षा आ मनःस्थिति देखेनाइ — संवाद उपन्यासक जीवन्तता बढ़बैत अछि।
३९१. (C) सही-गलत बीच जटिल चुनावक प्रस्तुति — नैतिक द्वन्द्व उपन्यासक कथात्मक शक्ति अछि।
३९२. (C) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब — नैतिक द्वन्द्व उपन्यासक कथात्मक शक्ति अछि।
३९३. (C) सपाट उपदेश — नैतिक द्वन्द्व उपन्यासक कथात्मक शक्ति अछि।
३९४. (B) पात्रक निर्णय केँ अर्थपूर्ण बनायब — नैतिक द्वन्द्व उपन्यासक कथात्मक शक्ति अछि।

४६७. (C) अंध-प्रशंसा करब — लघुकथाक व्यंग्य त्वरित आ असरदार होइत अछि।
४६८. (A) हास्यक भीतर आलोचना राखब — लघुकथाक व्यंग्य त्वरित आ असरदार होइत अछि।
४६९. (B) कम शब्दमे कुप्रथा वा पाखण्ड पर चोट — लघुकथाक व्यंग्य त्वरित आ असरदार होइत अछि।
४७०. (D) हास्यक भीतर आलोचना राखब — लघुकथाक व्यंग्य त्वरित आ असरदार होइत अछि।
४७१. (B) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७२. (D) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७३. (C) बिना सम्बन्ध शब्द राखब — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७४. (C) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७५. (B) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७६. (B) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७७. (A) बिना सम्बन्ध शब्द राखब — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७८. (C) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४७९. (A) पूरा कथा केँ नया अर्थ देनिहार संकेत — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४८०. (C) कथाक प्रवेश-द्वार आ अर्थ-कुंजी बनब — लघुकथाक शीर्षक कई बेर अन्तक संग मिलि अर्थ खोलैत अछि।
४८१. (B) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८२. (C) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८३. (D) पूरा उपदेश देब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८४. (B) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८५. (C) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८६. (B) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८७. (A) पूरा उपदेश देब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८८. (B) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४८९. (A) कथा समाप्त भेलाक बादो पाठकक मनमे अर्थ चलैत रहब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४९०. (C) कम शब्दमे व्यापक अर्थ छोड़ब — अनकहल लघुकथाक सौन्दर्यक भाग अछि।
४९१. (B) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९२. (D) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९३. (B) असंबद्ध टिप्पणी — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९४. (A) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९५. (B) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९६. (A) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९७. (A) असंबद्ध टिप्पणी — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९८. (C) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
४९९. (D) कथा केँ संपूर्ण वा प्रश्नाकुल बनाबय वाला वाक्य — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
५००. (C) अन्तिम प्रभाव सँ कथ्य गाढ़ करब — समापन-वाक्य लघुकथाक प्रभावक केन्द्र होइत अछि।
५०१. (A) मंच पर पात्र, संवाद आ क्रिया द्वारा प्रस्तुत साहित्यिक रूप — नाटक पाठ आ मंच दुनू रूपमे जीवित होइत अछि।
५०२. (D) साहित्य केँ दृश्य-श्रव्य अनुभव बनायब — नाटक पाठ आ मंच दुनू रूपमे जीवित होइत अछि।

५३९. (B) पात्र, मूल्य, इच्छा वा परिस्थिति बीच टकराव — नाटकमे संघर्ष कथा केँ गतिशील बनबैत अछि।
५४०. (C) नाट्य-तनाव आ गति पैदा करब — नाटकमे संघर्ष कथा केँ गतिशील बनबैत अछि।
५४१. (B) नाटकक बड़ा विभाजन — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४२. (A) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४३. (B) एक अक्षर मानब — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४४. (A) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४५. (D) नाटकक बड़ा विभाजन — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४६. (D) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४७. (B) एक अक्षर मानब — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४८. (B) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५४९. (A) नाटकक बड़ा विभाजन — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५५०. (D) घटना-क्रम केँ व्यवस्थित करब — अंक नाटकक संरचनात्मक खण्ड होइत अछि।
५५१. (A) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५२. (D) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५३. (A) शब्द-सूची बनब — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५४. (D) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५५. (D) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५६. (C) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५७. (D) शब्द-सूची बनब — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५८. (C) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५५९. (A) मंच-परिवर्तन वा घटनाक छोट खण्ड — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५६०. (D) नाटकीय क्रियाक इकाई बनब — दृश्य नाटकीय घटनाक स्पष्ट इकाई अछि।
५६१. (D) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६२. (A) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६३. (D) अर्थहीन टिप्पणी — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६४. (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६५. (A) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६६. (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६७. (B) अर्थहीन टिप्पणी — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६८. (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५६९. (D) अभिनेता, प्रकाश, प्रवेश, गति आदि लेल संकेत — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५७०. (C) पाठ केँ मंच-संभावना सँ जोड़ब — मंच-निर्देश नाटकक प्रस्तुति सहज करैत अछि।
५७१. (A) एक अंकमे केन्द्रित छोट नाटक — एकांकी संक्षिप्त आ केन्द्रित नाट्यरूप अछि।
५७२. (B) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव — एकांकी संक्षिप्त आ केन्द्रित नाट्यरूप अछि।
५७३. (C) दीर्घ महाकाव्य बनायब — एकांकी संक्षिप्त आ केन्द्रित नाट्यरूप अछि।
५७४. (D) सीमित समयमे तीव्र नाट्य-प्रभाव — एकांकी संक्षिप्त आ केन्द्रित नाट्यरूप अछि।

७१९. (B) रचनाक भाषा, संरचना, विषय आ संकेतक सूक्ष्म पढ़ाइ — सही आलोचना पाठक भीतर उतरैत अछि।
७२०. (D) रचना भीतरक अर्थ खोलब — सही आलोचना पाठक भीतर उतरैत अछि।
७२१. (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२२. (A) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२३. (D) एकतरफा निर्णय — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२४. (D) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२५. (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२६. (D) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२७. (C) एकतरफा निर्णय — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२८. (C) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७२९. (C) गुण-दोष, उपलब्धि आ सीमा केँ संतुलित ढंगसँ देखब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७३०. (A) रचनाक स्थान आ महत्त्व निर्धारित करब — मूल्यांकन न्यायपूर्ण होएबाक चाही।
७३१. (D) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३२. (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३३. (B) संदर्भ-विहीनता — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३४. (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३५. (A) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३६. (D) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३७. (D) संदर्भ-विहीनता — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३८. (B) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७३९. (A) रचना केँ युग, समाज, भाषा आ परम्परा संग जोड़ि पढ़ब — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७४०. (C) अर्थक व्यापक पृष्ठभूमि देनाइ — संदर्भ आलोचना केँ गहिर बनबैत अछि।
७४१. (B) पाठ बुझबाक विचार-औजार — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४२. (B) विवेचन केँ पद्धति देनाइ — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४३. (D) यांत्रिक नियम बनायब — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४४. (D) विवेचन केँ पद्धति देनाइ — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४५. (A) पाठ बुझबाक विचार-औजार — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४६. (A) विवेचन केँ पद्धति देनाइ — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४७. (A) यांत्रिक नियम बनायब — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४८. (B) विवेचन केँ पद्धति देनाइ — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७४९. (D) पाठ बुझबाक विचार-औजार — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७५०. (D) विवेचन केँ पद्धति देनाइ — सिद्धान्त उपयोगी अछि, मुदा पाठसँ कटि नहि सकैत।
७५१. (D) शब्द, वाक्य, बोली, शैली आ लयक परीक्षण — मैथिली आलोचनामे भाषिक संवेदना आवश्यक अछि।
७५२. (B) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ — मैथिली आलोचनामे भाषिक संवेदना आवश्यक अछि।
७५३. (A) भाषाक अनदेखी — मैथिली आलोचनामे भाषिक संवेदना आवश्यक अछि।
७५४. (C) रचनाक भाषा-शक्ति बुझेनाइ — मैथिली आलोचनामे भाषिक संवेदना आवश्यक अछि।

- 150

८९९. (B) व्यक्ति आ युगक अनलिखल इतिहास केँ सहेजब — संस्मरण आधुनिक मैथिली गद्यक स्मृति-संरक्षक रूप अछि।
९००. (C) सांस्कृतिक स्मृति संरक्षित करब — संस्मरण आधुनिक मैथिली गद्यक स्मृति-संरक्षक रूप अछि।
९०१. (D) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०२. (C) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०३. (B) शब्दक यांत्रिक सूची — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०४. (B) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०५. (B) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०६. (C) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०७. (B) शब्दक यांत्रिक सूची — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०८. (B) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९०९. (A) एक भाषा वा रूपसँ दोसर भाषा मे अर्थ, भाव आ शैलीक रूपान्तरण — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९१०. (A) भाषा-संवाद आ साहित्यिक सेतु बनायब — अनुवाद रचनात्मक भाषा-संवाद अछि।
९११. (D) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१२. (A) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१३. (C) अर्थक विकृति — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१४. (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१५. (C) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१६. (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१७. (D) अर्थक विकृति — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१८. (B) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९१९. (A) मूल रचनाक अर्थ, भाव आ आशयक प्रति ईमानदारी — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९२०. (D) मूलक आत्मा सुरक्षित राखब — निष्ठा अनुवादक नैतिक आधार अछि।
९२१. (B) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२२. (C) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२३. (D) कठोर शब्दशःपन — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२४. (A) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२५. (D) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२६. (B) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२७. (A) कठोर शब्दशःपन — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२८. (A) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९२९. (C) लक्ष्य भाषामे सहज आ पठनीय रूप देनाइ — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९३०. (A) अनुवाद केँ मैथिलीमे जीवित बनायब — सफल अनुवाद निष्ठ आ स्वाभाविक दुनू होइत अछि।
९३१. (A) शब्दसँ बेसी भाव आ आशयक सही प्रस्तुति — भावानुवाद मूलक आत्मा पकड़बाक प्रयास अछि।
९३२. (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब — भावानुवाद मूलक आत्मा पकड़बाक प्रयास अछि।
९३३. (B) मनमानी रचना — भावानुवाद मूलक आत्मा पकड़बाक प्रयास अछि।
९३४. (A) मूल अर्थ केँ प्रसंगानुसार बचायब — भावानुवाद मूलक आत्मा पकड़बाक प्रयास अछि।

अध्याय २ : खट्टर ककाक तरंग — हरिमोहन झा : विस्तृत क्विज

लेखक-जीवन आ कृति-परिचय

१. खट्टर ककाक तरंगक रचनाकार के छथि?

- (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर
- (B) विद्यापति
- (C) राजकमल चौधरी
- (D) हरिमोहन झा

२. खट्टर ककाक तरंग मुख्य रूपेँ कोन विधाक रचना अछि?

- (A) शोक-नाटक
- (B) खण्डकाव्य
- (C) व्यंग्य
- (D) महाकाव्य

३. हरिमोहन झाक आधुनिक मैथिली गद्यसँ कोन सम्बन्ध मानल जाइत अछि?

- (A) केवल पद्य-परम्परा बढ़यबाक
- (B) राजवंश-इतिहास लिखबाक
- (C) लिपि बदलि देबाक
- (D) आधुनिक गद्यकेँ तेज, लोकधर्मी आ व्यंग्यमय बनयबाक

४. खट्टर कका नामक पात्रक रचनात्मक महत्व की अछि?

- (A) मौन तपस्वी पात्र
- (B) राज्य-विजेता सेनापति
- (C) रूढ़ि पर प्रश्न करयवला जीवन्त व्यंग्य-पात्र
- (D) बाल-कथाक परी

५. खट्टर ककाक तरंगमे प्रहारक मुख्य क्षेत्र कोन अछि?

- (A) खेतीक केवल तकनीक
- (B) वन्यजीव-सूची
- (C) राजकोषीय हिशेब
- (D) धर्म-पुराण, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ अंधविश्वास

६. हरिमोहन झाक प्रसिद्ध उपन्यासक जोड़ीमे कोन नाम अबैत अछि?

- (A) वर्णरत्नाकर आ पुरुष-परीक्षा
- (B) गोरक्ष-विजय आ शकुंतला
- (C) कीचक-वध आ उषाहरण
- (D) कन्यादान आ द्विरागमन

७. हरिमोहन झाक आत्मकथात्मक कृति कोन नामसँ जनल जाइत अछि?

- (A) माछक महिमा
- (B) काव्यक रस
- (C) जीवन यात्रा
- (D) दूधक धार

८. खट्टर ककाक तरंगक मूल स्वर कोन अछि?

- (A) भय देखाकऽ चुप करा देब
- (B) सवालसँ दूर रहब
- (C) हँसैत-हँसैत सोचबाक बाध्य करब
- (D) केवल प्रशंसा करब

९. खट्टर कका ककर प्रतिनिधि रूपमे देखल जा सकैत छथि?

- (A) लोकबुद्धि आ तर्कशील हँसीक
- (B) युद्ध-उन्मादक
- (C) राज-दर्पक
- (D) मूक-स्वीकृतिक

१०. खट्टर ककाक तरंगक पाठक-सुख कोन बातमे अछि?

- (A) केवल मौन दृश्यमे
- (B) केवल राजवंश-सूचीमे
- (C) बोलचालक भाषा आ चुटील तर्कमे
- (D) केवल कठिन सूत्रमे

११. हरिमोहन झाक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्वपूर्ण रचनाकार

१२. खट्टर ककाकेँ पढ़ैत काल विद्यार्थीकेँ कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि

१३. कन्यादानक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

१४. द्विरागमनक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार

१५. प्रणम्य देवताक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

१६. रंगशालाकेँ पढ़ैत काल विद्यार्थीकेँ कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) हास्य-कथाक मंचवत् संसार
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

१७. चर्चरीक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना

१८. जीवन यात्राक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

१९. दर्शनशास्त्रक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि

२०. मैथिली गद्यकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल अलंकारक नाम

२१. हरिमोहन झाक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

२२. खट्टर ककाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

२३. कन्यादानक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य

२४. द्विरागमनकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (D) केवल तारीख-सूची

२५. प्रणम्य देवताक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल अलंकारक नाम

२६. रंगशालाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) हास्य-कथाक मंचवत् संसार
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

२७. चर्चरीक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना

२८. जीवन यात्राकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

२९. दर्शनशास्त्रक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

३०. मैथिली गद्यक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल अलंकारक नाम

३१. हरिमोहन झाक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

३२. खट्टर ककाकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

३३. कन्यादानक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल अलंकारक नाम

३४. द्विरागमनक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

३५. प्रणम्य देवताक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (D) केवल अलंकारक नाम

३६. रंगशालाकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) हास्य-कथाक मंचवत् संसार

३७. चर्चरीक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) विधा-विविध गद्य-संवेदना
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल अलंकारक नाम

३८. जीवन यात्राक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल अलंकारक नाम

३९. दर्शनशास्त्रक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

४०. मैथिली गद्यकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास

४१. हरिमोहन झाक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

४२. खट्टर ककाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि
- (D) केवल अलंकारक नाम

४३. कन्यादानक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य

४४. द्विरागमनकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

४५. प्रणम्य देवताक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

४६. रंगशालाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) हास्य-कथाक मंचवत् संसार
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

४७. चर्चरीक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना

४८. जीवन यात्राकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण
- (D) केवल अलंकारक नाम

४९. दर्शनशास्त्रक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

५०. मैथिली गद्यक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास

५१. हरिमोहन झाक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्वपूर्ण रचनाकार

५२. खट्टर ककाकँ पढ़ैत काल विद्यार्थीकँ कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि

५३. कन्यादानक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

५४. द्विरागमनक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

५५. प्रणम्य देवताक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

५६. रंगशालाकँ पढ़ैत काल विद्यार्थीकँ कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) हास्य-कथाक मंचवत् संसार
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

५७. चर्चरीक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) विधा-विविध गद्य-संवेदना
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल अलंकारक नाम

५८. जीवन यात्राक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण

५९. दर्शनशास्त्रक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि

६०. मैथिली गद्यकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

६१. हरिमोहन झाक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार

६२. खट्टर ककाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि
- (D) केवल तारीख-सूची

६३. कन्यादानक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

६४. द्विरागमनकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

६५. प्रणम्य देवताक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

६६. रंगशालाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) हास्य-कथाक मंचवत् संसार
- (D) केवल अलंकारक नाम

६७. चर्चरीक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) विधा-विविध गद्य-संवेदना
- (D) केवल अलंकारक नाम

६८. जीवन यात्राकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण

६९. दर्शनशास्त्रक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

७०. मैथिली गद्यक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल अलंकारक नाम

७१. हरिमोहन झाक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार

७२. खट्टर ककाकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

७३. कन्यादानक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य
- (D) केवल तारीख-सूची

७४. द्विरागमनक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

७५. प्रणम्य देवताक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

७६. रंगशालाकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) हास्य-कथाक मंचवत् संसार

७७. चर्चरीक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना

७८. जीवन यात्राक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण

७९. दर्शनशास्त्रक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल अलंकारक नाम

८०. मैथिली गद्यकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

८१. हरिमोहन झाक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

८२. खट्टर ककाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल अलंकारक नाम

८३. कन्यादानक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

८४. द्विरागमनकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (D) केवल तारीख-सूची

८५. प्रणम्य देवताक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (D) केवल तारीख-सूची

८६. रंगशालाक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) हास्य-कथाक मंचवत् संसार
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

८७. चर्चरीक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) विधा-विविध गद्य-संवेदना
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल अलंकारक नाम

८८. जीवन यात्राकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण

८९. दर्शनशास्त्रक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि
- (D) केवल तारीख-सूची

९०. मैथिली गद्यक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

९१. हरिमोहन झाक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

९२. खट्टर ककाकँ पढ़ैत काल विद्यार्थीकँ कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि

९३. कन्यादानक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

९४. द्विरागमनक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार
- (B) केवल युद्ध-प्रसंग
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) केवल तारीख-सूची

९५. प्रणम्य देवताक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) केवल तारीख-सूची

९६. रंगशालाकँ पढ़ैत काल विद्यार्थीकँ कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) हास्य-कथाक मंचवत् संसार
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) केवल अलंकारक नाम

९७. चर्चरीक चर्चा कएलाक मुख्य साहित्यिक लाभ की अछि?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल तारीख-सूची
- (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना

९८. जीवन यात्राक नाम सुनिते कोन परिचय सबसँ उपयुक्त अछि?

- (A) केवल तारीख-सूची
- (B) केवल अलंकारक नाम
- (C) केवल युद्ध-प्रसंग
- (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण

९९. दर्शनशास्त्रक सम्बन्ध खट्टर ककाक तरंगक पाठ-संदर्भमे कोन बातसँ जुड़ैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक नाम
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि
- (D) केवल युद्ध-प्रसंग

१००. मैथिली गद्यकें पढ़ैत काल विद्यार्थीकें कोन पक्ष पर ध्यान देबाक चाही?

- (A) केवल युद्ध-प्रसंग
- (B) केवल तारीख-सूची
- (C) केवल अलंकारक नाम
- (D) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास

रचना-संरचना आ अध्याय-विषय

१०१. 'दही चूड़ा चीनी' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) मिथिलाक भोजन-संस्कृति आ लोक-रुचि
- (D) केवल शोकगीत

१०२. 'चाणक्यक जन्म-भूमि' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) इतिहास, गौरव आ बुद्धिपरम्परा पर विनोदपूर्ण संकेत
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१०३. 'माछक महत्व'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) मिथिलाक आहार, जल-संस्कृति आ लोक-रुचि
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१०४. 'आयुर्वेद' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) चिकित्सा-दावाक तर्कपूर्ण आ हास्यात्मक परीक्षण
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१०५. 'रामायण' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) महाकाव्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ

१०६. 'दुर्गापाठ'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) पाठ-कर्मकाण्ड आ श्रद्धा-व्यवहारक प्रश्न
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

१०७. 'ब्राह्मण भोजन' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) जाति, भोजनाचार आ सामाजिक रूढ़िक व्यंग्य
- (D) केवल शोकगीत

१०८. 'सत्यदेवक कथा' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) कथा, विश्वास आ तर्कक टकराहट
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१०९. 'ज्योतिष'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शोकगीत
- (D) ग्रह-नक्षत्रक दावापर तर्कशील प्रश्न

११०. 'महाभारत' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) युद्ध, नीति आ पात्र-विवेचनक पुनर्पाठ
- (D) केवल शोकगीत

१११. 'देवताक चरित्र' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) देव-पात्रक लोक-विवेचना
- (D) केवल शोकगीत

११२. 'ब्रह्मानन्द'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) आध्यात्मिक आनन्दक व्यंग्यकारी पड़ताल
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

११३. 'शास्त्रक वचन' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) उद्धरणक अंध प्रयोग पर प्रश्न
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

११४. 'प्राचीन आदर्श' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) अतीत-पूजा आ आदर्शवादक परीक्षा

११५. 'भूतक मंत्र'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) तंत्र-मंत्र आ अंधविश्वासक आलोचना

११६. 'चन्द्र-ग्रहण' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शोकगीत
- (C) ग्रहण-संबंधी मान्यता आ कर्मकाण्ड
- (D) केवल शिकार-कथा

११७. 'पंडितक गप्प' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) पांडित्य-प्रदर्शन आ लोकबुद्धिक टक्कर
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

११८. 'गीताक मर्म'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) गीता-अर्थक तर्कसंगत विवेचना
- (D) केवल शोकगीत

११९. 'मोक्षक विचार' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) मुक्ति-कल्पना आ जीवन-दृष्टि

१२०. 'भगवानक चर्चा' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) ईश्वर-धारणा पर लोक-तर्क
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१२१. 'धर्मक तत्त्व'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) धर्मक नैतिक सार आ बाह्याडम्बरक भेद
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१२२. 'पुरातन सभ्यता' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) अतीत-गौरवक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१२३. 'मिथिलाक संस्कृति' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) लोकाचार, भाषा आ सांस्कृतिक आत्मबोध
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१२४. 'काव्यक रस'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) रस, काव्य-विनोद आ साहित्यिक समझ
- (D) केवल शोकगीत

१२५. 'पुराणक चाशनी' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) पुराणक मधुर कथा-भाषा आ आलोचनात्मक हँसी
- (D) केवल शिकार-कथा

१२६. 'दर्शनशास्त्रक रहस्य' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) दार्शनिक शब्दाडम्बर आ तर्कक परख
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१२७. 'वेदक भेद'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) वेद-ज्ञान, अधिकार आ अर्थक प्रश्न
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

१२८. 'खट्टर ककाक टटका गप्प' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) समसामयिक विनोद आ ताजा सामाजिक टिप्पणी
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१२९. 'खट्टर ककासँ भेट' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) चरित्र-साक्षात्कार आ व्यंग्य-स्वरक परिचय
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१३०. 'दही चूड़ा चीनी'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) मिथिलाक भोजन-संस्कृति आ लोक-रुचि

१३१. 'चाणक्यक जन्म-भूमि' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) इतिहास, गौरव आ बुद्धिपरम्परा पर विनोदपूर्ण संकेत
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१३२. 'माछक महत्व' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) मिथिलाक आहार, जल-संस्कृति आ लोक-रुचि

१३३. 'आयुर्वेद'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) चिकित्सा-दावाक तर्कपूर्ण आ हास्यात्मक परीक्षण
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१३४. 'रामायण' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) महाकाव्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ

१३५. 'दुर्गापाठ' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) पाठ-कर्मकाण्ड आ श्रद्धा-व्यवहारक प्रश्न
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१३६. 'ब्राह्मण भोजन'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) जाति, भोजनाचार आ सामाजिक रूढ़िक व्यंग्य
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१३७. 'सत्यदेवक कथा' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) कथा, विश्वास आ तर्कक टकराहट
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१३८. 'ज्योतिष' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) ग्रह-नक्षत्रक दावापर तर्कशील प्रश्न
- (D) केवल शोकगीत

१३९. 'महाभारत'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) युद्ध, नीति आ पात्र-विवेचनक पुनर्पाठ

१४०. 'देवताक चरित्र' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) देव-पात्रक लोक-विवेचना
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

१४१. 'ब्रह्मानन्द' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) आध्यात्मिक आनन्दक व्यंग्यकारी पड़ताल
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१४२. 'शास्त्रक वचन'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शोकगीत
- (D) उद्धरणक अंध प्रयोग पर प्रश्न

१४३. 'प्राचीन आदर्श' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) अतीत-पूजा आ आदर्शवादक परीक्षा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१४४. 'भूतक मंत्र' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) तंत्र-मंत्र आ अंधविश्वासक आलोचना
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

१४५. 'चन्द्र-ग्रहण'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) ग्रहण-संबंधी मान्यता आ कर्मकाण्ड
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१४६. 'पंडितक गप्प' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) पांडित्य-प्रदर्शन आ लोकबुद्धिक टक्कर
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१४७. 'गीताक मर्म' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) गीता-अर्थक तर्कसंगत विवेचना
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

१४८. 'मोक्षक विचार'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) मुक्ति-कल्पना आ जीवन-दृष्टि
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

१४९. 'भगवानक चर्चा' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) ईश्वर-धारणा पर लोक-तर्क
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१५०. 'धर्मक तत्व' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) धर्मक नैतिक सार आ बाह्याडम्बरक भेद
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१५१. 'पुरातन सभ्यता'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) अतीत-गौरवक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१५२. 'मिथिलाक संस्कृति' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) लोकाचार, भाषा आ सांस्कृतिक आत्मबोध
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१५३. 'काव्यक रस' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) रस, काव्य-विनोद आ साहित्यिक समझ
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१५४. 'पुराणक चाशनी'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) पुराणक मधुर कथा-भाषा आ आलोचनात्मक हँसी

१५५. 'दर्शनशास्त्रक रहस्य' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) दार्शनिक शब्दाडम्बर आ तर्कक परख
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१५६. 'वेदक भेद' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) वेद-ज्ञान, अधिकार आ अर्थक प्रश्न

१५७. 'खट्टर ककाक टटका गप्प'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) समसामयिक विनोद आ ताजा सामाजिक टिप्पणी
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१५८. 'खट्टर ककासँ भेट' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) चरित्र-साक्षात्कार आ व्यंग्य-स्वरक परिचय
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१५९. 'दही चूड़ा चीनी' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) मिथिलाक भोजन-संस्कृति आ लोक-रुचि
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१६०. 'चाणक्यक जन्म-भूमि'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) इतिहास, गौरव आ बुद्धिपरम्परा पर विनोदपूर्ण संकेत
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१६१. 'माछक महत्व' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) मिथिलाक आहार, जल-संस्कृति आ लोक-रुचि

१६२. 'आयुर्वेद' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) चिकित्सा-दावाक तर्कपूर्ण आ हास्यात्मक परीक्षण
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१६३. 'रामायण'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल शोकगीत
- (D) महाकाव्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ

१६४. 'दुर्गापाठ' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) पाठ-कर्मकाण्ड आ श्रद्धा-व्यवहारक प्रश्न

१६५. 'ब्राह्मण भोजन' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) जाति, भोजनाचार आ सामाजिक रुढ़िक व्यंग्य
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१६६. 'सत्यदेवक कथा'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) कथा, विश्वास आ तर्कक टकराहट
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१६७. 'ज्योतिष' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) ग्रह-नक्षत्रक दावापर तर्कशील प्रश्न
- (D) केवल शिकार-कथा

१६८. 'महाभारत' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) युद्ध, नीति आ पात्र-विवेचनक पुनर्पाठ
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१६९. 'देवताक चरित्र'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) देव-पात्रक लोक-विवेचना
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१७०. 'ब्रह्मानन्द' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) आध्यात्मिक आनन्दक व्यंग्यकारी पड़ताल
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१७१. 'शास्त्रक वचन' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) केवल शोकगीत
- (D) उद्धरणक अर्थ प्रयोग पर प्रश्न

१७२. 'प्राचीन आदर्श'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) अतीत-पूजा आ आदर्शवादक परीक्षा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१७३. 'भूतक मंत्र' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) तंत्र-मंत्र आ अंधविश्वासक आलोचना
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल शोकगीत

१७४. 'चन्द्र-ग्रहण' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शिकार-कथा
- (B) केवल शोकगीत
- (C) ग्रहण-संबंधी मान्यता आ कर्मकाण्ड
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१७५. 'पंडितक गप्प'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) पांडित्य-प्रदर्शन आ लोकबुद्धिक टक्कर
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१७६. 'गीताक मर्म' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) गीता-अर्थक तर्कसंगत विवेचना
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१७७. 'मोक्षक विचार' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) मुक्ति-कल्पना आ जीवन-दृष्टि
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१७८. 'भगवानक चर्चा'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) केवल शोकगीत
- (C) ईश्वर-धारणा पर लोक-तर्क
- (D) केवल शिकार-कथा

१७९. 'धर्मक तत्व' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) धर्मक नैतिक सार आ बाह्याडम्बरक भेद
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१८०. 'पुरातन सभ्यता' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) अतीत-गौरवक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१८१. 'मिथिलाक संस्कृति'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) लोकाचार, भाषा आ सांस्कृतिक आत्मबोध
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शोकगीत

१८२. 'काव्यक रस' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) केवल राजदरबारक वंशावली
- (B) रस, काव्य-विनोद आ साहित्यिक समझ
- (C) केवल शोकगीत
- (D) केवल शिकार-कथा

१८३. 'पुराणक चाशनी' पढ़ते काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल राजदरबारक वंशावली
- (C) पुराणक मधुर कथा-भाषा आ आलोचनात्मक हँसी
- (D) केवल शिकार-कथा

१८४. 'दर्शनशास्त्रक रहस्य'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) दार्शनिक शब्दाडम्बर आ तर्कक परख
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१८५. 'वेदक भेद' शीर्षक मुख्यतः कोन विषयक संकेत दैत अछि?

- (A) वेद-ज्ञान, अधिकार आ अर्थक प्रश्न
- (B) केवल शोकगीत
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) केवल शिकार-कथा

१८६. 'खट्टर ककाक टटका गप्प' पढ़ैत काल कोन प्रश्न केन्द्रमे राखब उचित?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) समसामयिक विनोद आ ताजा सामाजिक टिप्पणी
- (C) केवल शिकार-कथा
- (D) केवल राजदरबारक वंशावली

१८७. 'खट्टर ककासँ भेट'क अपेक्षित विमर्शक सही दिशा कोन अछि?

- (A) केवल शोकगीत
- (B) केवल शिकार-कथा
- (C) केवल राजदरबारक वंशावली
- (D) चरित्र-साक्षात्कार आ व्यंग्य-स्वरक परिचय

१८८. खट्टर ककाक तरंगक अध्याय-संरचना कोन बात सूचित करैत अछि?

- (A) केवल गणित-पुस्तक
- (B) एकहि युद्धक दिन-दर-दिन लेखा
- (C) केवल दूत-काव्य
- (D) विषय-बहुल व्यंग्य-गप्पक शृंखला

१८९. अध्याय-शीर्षक सभमे भोजन, धर्म, शास्त्र आ दर्शनक संग-साथ किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) ई केवल कृषि-निर्देशिका अछि
- (B) ई बतबैत अछि जे व्यंग्य जीवनक अनेक क्षेत्र छुबैत अछि
- (C) ई केवल गीत-संग्रह अछि
- (D) ई विषयक असम्बद्ध सूची मात्र अछि

१९०. रचनाक अध्याय सभक बहुलता पाठककें की सिखबैत अछि?

- (A) हँसी साहित्यसँ बाहर अछि
- (B) गद्य सदिखन निर्जीव होइत
- (C) पात्रक कोनो भूमिका नहि रहैत
- (D) एकहि व्यंग्य-पात्र अनेक विषय पर बोलि सकैत अछि

१९१. 'भंगक तरंग' सन संकेतसँ शैलीक कोन गुण बुझाईत अछि?

- (A) यांत्रिक गणना
- (B) सूखा राजपत्र
- (C) मस्ती, विनोद आ तर्कक एकसाथ बहाव
- (D) मूक अभिनय

१९२. अध्याय-सूचीमे 'काव्यक रस' आ 'दर्शनशास्त्रक रहस्य' एकसंग होयब की देखबैत अछि?

- (A) साहित्य आ दर्शन दुनू पर व्यंग्यक पहुँच
- (B) केवल बाजार-भाव
- (C) केवल खेलकूद
- (D) केवल खेतीक उपज

१९३. 'मिथिलाक संस्कृति' शीर्षक कृति केँ कोन स्थानीय आधार दैत अछि?

- (A) मिथिला-समाजक अनुभव आ आत्मचेतना
- (B) पर्वतारोहणक नियम
- (C) विदेशी दरबारक यात्रा
- (D) समुद्री जहाजक युद्ध

१९४. 'शास्त्रक वचन' आ 'पंडितक गप्प'मे मिलानक बिन्दु की अछि?

- (A) घरेलू रंगईक नुस्खा
- (B) शिशु-लोरीक धुन
- (C) कृषि-मापनक तालिका
- (D) उद्धरण आ पांडित्यक अंध प्रदर्शन पर प्रश्न

१९५. 'मोक्षक विचार' आ 'भगवानक चर्चा' कोन गम्भीर क्षेत्रकेँ हँसीमे खींचैत अछि?

- (A) राजा-सेनाक विवरण
- (B) चित्रकला-रंगसूची
- (C) माछ-बाजारक हिशेब
- (D) आध्यात्मिक धारणा आ तर्कक प्रश्न

१९६. 'टटका गप्प' सन शीर्षक कृति केँ कोन गुण दैत अछि?

- (A) मूक पुरालेख
- (B) स्थिर मूर्ति-वर्णन
- (C) केवल मंत्र-सूची
- (D) समसामयिकता आ बोलचालक ताजगी

१९७. अध्याय-शीर्षकक आधार पर कृतिमे कोन मुख्य रचना-विधान देखाइत अछि?

- (A) एकल नायकक युद्ध-कथा
- (B) छन्दबद्ध महाकाव्य मात्र
- (C) राजकीय आदेशक संग्रह
- (D) स्वतंत्र गप्पक माध्यम सतत व्यंग्य-प्रवाह

१९८. शीर्षक-बहुलता कृतिमे पाठकक रुचि कोना बनाए रखैत अछि?

- (A) एकहि वाक्य दोहरयबाक कारण
- (B) भाषा निरर्थक बनेबाक कारण
- (C) विषय लुकयबाक कारण
- (D) नव विषय, नव ठट्टा आ नव तर्क देबाक कारण

१९९. कोन बात 'खट्टर ककाक तरंग' केँ केवल कथा नहि, विचार-गप्प बनबैत अछि?

- (A) केवल छन्द-मात्रा
- (B) केवल भौगोलिक नाप
- (C) प्रत्येक प्रसंगमे प्रश्न, तर्क आ सामाजिक संकेत
- (D) केवल पात्रक वंशावली

२००. 'रामायण', 'महाभारत', 'गीता' आ 'पुराण'क अध्याय-संकेत की देखबैत अछि?

- (A) केवल माटिक बर्तनक सूची
- (B) केवल नगर-नक्शा
- (C) केवल जीव-विज्ञान
- (D) परम्परागत ग्रंथक आलोचनात्मक लोक-पुनर्पाठ

खट्टर ककाक चरित्र

२०१. खट्टर ककाक तर्कशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२०२. जखन खट्टर कका लोक-बुद्धि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (D) सवालक विरोध करब

२०३. खट्टर ककाक चरित्रमे चुटीलापन किएक जरूरी अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२०४. पाठक खट्टर ककाक साहससँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब

२०५. खट्टर ककाक विनोदक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२०६. जखन खट्टर कका विरोधाभास-खोज देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) कथन आ आचरणक फाँक देखायब

२०७. खट्टर ककाक चरित्रमे संवादशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब

२०८. पाठक खट्टर ककाक मिथिला-बोधसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब

२०९. खट्टर ककाक निरंकुश पांडित्य-विरोधक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२१०. जखन खट्टर कका मानवीय दृष्टि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (D) सवालक विरोध करब

२११. खट्टर ककाक चरित्रमे तर्कशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब

२१२. पाठक खट्टर ककाक लोक-बुद्धिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) अनुभवक आधार पर बात कहब

२१३. खट्टर ककाक चुटीलापनक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२१४. जखन खट्टर कका साहस देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२१५. खट्टर ककाक चरित्रमे विनोद किएक जरूरी अछि?

- (A) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२१६. पाठक खट्टर ककाक विरोधाभास-खोजसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) कथन आ आचरणक फाँक देखायब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) सवालक विरोध करब

२१७. खट्टर ककाक संवादशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब

२१८. जखन खट्टर कका मिथिला-बोध देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२१९. खट्टर ककाक चरित्रमे निरंकुश पांडित्य-विरोध किएक जरूरी अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब
- (D) सवालक विरोध करब

२२०. पाठक खट्टर ककाक मानवीय दृष्टिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (D) सवालक विरोध करब

२२१. खट्टर ककाक तर्कशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२२२. जखन खट्टर कका लोक-बुद्धि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) सवालक विरोध करब

२२३. खट्टर ककाक चरित्रमे चुटीलापन किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब

२२४. पाठक खट्टर ककाक साहससँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब

२२५. खट्टर ककाक विनोदक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) कठोर प्रश्नकें गुदगुदी बना देब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२२६. जखन खट्टर कका विरोधाभास-खोज देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) कथन आ आचरणक फाँक देखायब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२२७. खट्टर ककाक चरित्रमे संवादशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२२८. पाठक खट्टर ककाक मिथिला-बोधसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब
- (D) सवालक विरोध करब

२२९. खट्टर ककाक निरंकुश पांडित्य-विरोधक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) ज्ञानकें जीवनक कसौटी पर परखब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२३०. जखन खट्टर कका मानवीय दृष्टि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२३१. खट्टर ककाक चरित्रमे तर्कशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) प्रश्न पूछि रूढ़ि कें परखब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२३२. पाठक खट्टर ककाक लोक-बुद्धिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२३३. खट्टर ककाक चुटीलापनक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) सवालक विरोध करब

२३४. जखन खट्टर कका साहस देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२३५. खट्टर ककाक चरित्रमे विनोद किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब
- (D) सवालक विरोध करब

२३६. पाठक खट्टर ककाक विरोधाभास-खोजसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) कथन आ आचरणक फाँक देखायब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२३७. खट्टर ककाक संवादशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२३८. जखन खट्टर कका मिथिला-बोध देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब

२३९. खट्टर ककाक चरित्रमे निरंकुश पांडित्य-विरोध किएक जरूरी अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२४०. पाठक खट्टर ककाक मानवीय दृष्टिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (D) सवालक विरोध करब

२४१. खट्टर ककाक तर्कशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब
- (D) सवालक विरोध करब

२४२. जखन खट्टर कका लोक-बुद्धि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२४३. खट्टर ककाक चरित्रमे चुटीलापन किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२४४. पाठक खट्टर ककाक साहससँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) सवालक विरोध करब

२४५. खट्टर ककाक विनोदक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२४६. जखन खट्टर कका विरोधाभास-खोज देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) कथन आ आचरणक फाँक देखायब

२४७. खट्टर ककाक चरित्रमे संवादशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब

२४८. पाठक खट्टर ककाक मिथिला-बोधसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२४९. खट्टर ककाक निरंकुश पांडित्य-विरोधक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२५०. जखन खट्टर कका मानवीय दृष्टि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब

२५१. खट्टर ककाक चरित्रमे तर्कशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२५२. पाठक खट्टर ककाक लोक-बुद्धिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२५३. खट्टर ककाक चुटीलापनक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२५४. जखन खट्टर कका साहस देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२५५. खट्टर ककाक चरित्रमे विनोद किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब

२५६. पाठक खट्टर ककाक विरोधाभास-खोजसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) कथन आ आचरणक फाँक देखायब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२५७. खट्टर ककाक संवादशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२५८. जखन खट्टर कका मिथिला-बोध देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब

२५९. खट्टर ककाक चरित्रमे निरंकुश पांडित्य-विरोध किएक जरूरी अछि?

- (A) ज्ञानकें जीवनक कसौटी पर परखब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२६०. पाठक खट्टर ककाक मानवीय दृष्टिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (D) सवालक विरोध करब

२६१. खट्टर ककाक तर्कशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) प्रश्न पूछि रूढ़ि कें परखब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२६२. जखन खट्टर कका लोक-बुद्धि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२६३. खट्टर ककाक चरित्रमे चुटीलापन किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) गम्भीर बातकें हँसीमे कहब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२६४. पाठक खट्टर ककाक साहससँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२६५. खट्टर ककाक विनोदक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२६६. जखन खट्टर कका विरोधाभास-खोज देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) कथन आ आचरणक फाँक देखायब

२६७. खट्टर ककाक चरित्रमे संवादशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२६८. पाठक खट्टर ककाक मिथिला-बोधसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२६९. खट्टर ककाक निरंकुश पांडित्य-विरोधक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२७०. जखन खट्टर कका मानवीय दृष्टि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२७१. खट्टर ककाक चरित्रमे तर्कशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२७२. पाठक खट्टर ककाक लोक-बुद्धिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२७३. खट्टर ककाक चुटीलापनक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब
- (D) सवालक विरोध करब

२७४. जखन खट्टर कका साहस देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२७५. खट्टर ककाक चरित्रमे विनोद किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२७६. पाठक खट्टर ककाक विरोधाभास-खोजसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) कथन आ आचरणक फाँक देखायब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२७७. खट्टर ककाक संवादशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब
- (D) सवालक विरोध करब

२७८. जखन खट्टर कका मिथिला-बोध देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२७९. खट्टर ककाक चरित्रमे निरंकुश पांडित्य-विरोध किएक जरूरी अछि?

- (A) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) सवालक विरोध करब

२८०. पाठक खट्टर ककाक मानवीय दृष्टिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२८१. खट्टर ककाक तर्कशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२८२. जखन खट्टर कका लोक-बुद्धि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२८३. खट्टर ककाक चरित्रमे चुटीलापन किएक जरूरी अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब

२८४. पाठक खट्टर ककाक साहससँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) सवालक विरोध करब

२८५. खट्टर ककाक विनोदक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब

२८६. जखन खट्टर कका विरोधाभास-खोज देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) कथन आ आचरणक फाँक देखायब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२८७. खट्टर ककाक चरित्रमे संवादशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२८८. पाठक खट्टर ककाक मिथिला-बोधसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२८९. खट्टर ककाक निरंकुश पांडित्य-विरोधक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब

२९०. जखन खट्टर कका मानवीय दृष्टि देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२९१. खट्टर ककाक चरित्रमे तर्कशीलता किएक जरूरी अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२९२. पाठक खट्टर ककाक लोक-बुद्धिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) केवल चुपचाप सुनब
- (B) अनुभवक आधार पर बात कहब
- (C) सवालक विरोध करब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२९३. खट्टर ककाक चुटीलापनक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) सवालक विरोध करब

२९४. जखन खट्टर कका साहस देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२९५. खट्टर ककाक चरित्रमे विनोद किएक जरूरी अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब

२९६. पाठक खट्टर ककाक विरोधाभास-खोजसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) कथन आ आचरणक फाँक देखायब
- (B) सवालक विरोध करब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

२९७. खट्टर ककाक संवादशीलताक अर्थ कृति-संदर्भमे की अछि?

- (A) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (D) सवालक विरोध करब

२९८. जखन खट्टर कका मिथिला-बोध देखबैत छथि, तखन ओ की करैत छथि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) बिना सोचने सभ मानि लेब
- (C) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब
- (D) केवल चुपचाप सुनब

२९९. खट्टर ककाक चरित्रमे निरंकुश पांडित्य-विरोध किएक जरूरी अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब
- (C) केवल चुपचाप सुनब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

३००. पाठक खट्टर ककाक मानवीय दृष्टिसँ कोन सीख पाबैत अछि?

- (A) सवालक विरोध करब
- (B) केवल चुपचाप सुनब
- (C) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब
- (D) बिना सोचने सभ मानि लेब

हास्य-व्यंग्यक शिल्प

३०१. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३०२. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) छोट बातकेँ बढ़ाकऽ रुढ़िक विचित्रता खोलब

३०३. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३०४. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पाठक लग सहज पहुँच बनयब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३०५. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबाँसीक काम की होइत अछि?

- (A) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३०६. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब
- (C) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३०७. संकेत व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३०८. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब

३०९. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (B) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३१०. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) हँसीकेँ विचारसँ जोड़ब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३११. समकालीनता व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) गप्पकेँ जीबैत समाजसँ जोड़ब
- (D) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब

३१२. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (D) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब

३१३. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब

३१४. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) छोट बातकें बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३१५. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब

३१६. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पाठक लग सहज पहुँच बनयब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३१७. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबाँसीक काम की होइत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) प्रचलित कथन कें उलटि अर्थक फाँक देखायब

३१८. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३१९. संकेत व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब

३२०. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) कठिन विचारकें पठनीय बनयब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३२१. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३२२. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) हँसीकें विचारसँ जोड़ब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३२३. समकालीनता व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) गप्पकें जीबैत समाजसँ जोड़ब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३२४. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब

३२५. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब

३२६. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) छोट बातकें बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३२७. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३२८. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) पाठक लग सहज पहुँच बनयब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३२९. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबाँसीक काम की होइत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब

३३०. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३३१. संकेत व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३३२. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३३३. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३३४. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) हँसीकें विचारसँ जोड़ब

३३५. समकालीनता व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) गप्पकेँ जीबैत समाजसँ जोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३३६. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३३७. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३३८. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) छोट बातकेँ बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब

३३९. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब

३४०. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) पाठक लग सहज पहुँच बनयब
- (D) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब

३४१. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबाँसीक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब
- (D) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब

३४२. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (B) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३४३. संकेत व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब
- (D) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब

३४४. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब

३४५. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब

३४६. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें विचारसँ जोड़ब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३४७. समकालीनता व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) गप्पकें जीबैत समाजसँ जोड़ब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३४८. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब

३४९. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३५०. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) छोट बातकें बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३५१. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३५२. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पाठक लग सहज पहुँच बनयब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३५३. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबाँसीक काम की होइत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब

३५४. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३५५. संकेत व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३५६. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब

३५७. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३५८. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) हँसीकें विचारसँ जोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३५९. समकालीनता व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) गप्पकेँ जीबैत समाजसँ जोड़ब

३६०. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३६१. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब
- (C) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३६२. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) छोट बातकेँ बढ़ाकऽ रुढ़िक विचित्रता खोलब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३६३. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३६४. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) पाठक लग सहज पहुँच बनयब

३६५. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबाँसीक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३६६. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब
- (C) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३६७. संकेत व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब
- (B) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३६८. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब
- (C) हँसीकेँ पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३६१. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३७०. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) हँसीकें विचारसँ जोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३७१. समकालीनता व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) गप्पकें जीबैत समाजसँ जोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३७२. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३७३. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३७४. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) छोट बातकें बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३७५. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब

३७६. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) पाठक लग सहज पहुँच बनयब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३७७. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबौसीक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब

३७८. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब

३७९. संकेत व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३८०. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब

३८१. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३८२. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककेँ कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें विचारसँ जोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३८३. समकालीनता व्यंग्यकेँ किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) गप्पकेँ जीबैत समाजसँ जोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३८४. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३८५. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब

३८६. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) छोट बातकें बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

३८७. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब

३८८. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) पाठक लग सहज पहुँच बनयब

३८९. व्यंग्य-शिल्पमे उलटबाँसीक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) प्रचलित कथन कें उलटि अर्थक फाँक देखायब

३९०. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय व्याज-प्रशंसाकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३९१. संकेत व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब

३९२. जँ प्रश्नमे हास्य शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) कठिन विचारकें पठनीय बनयब

३९३. व्यंग्य-शिल्पमे कटाक्षक काम की होइत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३९४. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय तर्ककें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (D) हँसीकें विचारसँ जोड़ब

३९५. समकालीनता व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (B) गप्पकें जीबैत समाजसँ जोड़ब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३९६. जँ प्रश्नमे चरित्र-केंद्र शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

३९७. व्यंग्य-शिल्पमे विरोधाभासक काम की होइत अछि?

- (A) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब

३९८. 'खट्टर ककाक तरंग' पढ़बाक समय अतिशयोक्तिकें कोना चिन्हल जा सकैत अछि?

- (A) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (B) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (C) छोट बातकें बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब
- (D) केवल अलंकारक सूची लिखब

३९९. प्रश्नोत्तर व्यंग्यकें किएक प्रभावी बनबैत अछि?

- (A) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब
- (D) हँसीकें पूरी तरह हटायब

४००. जँ प्रश्नमे लोक-भाषा शब्द आबय, तखन सही व्याख्या कोन होयत?

- (A) पाठक लग सहज पहुँच बनयब
- (B) केवल अलंकारक सूची लिखब
- (C) हँसीकें पूरी तरह हटायब
- (D) समाजसँ सम्बन्ध तोड़ब

मिथिला संस्कृति, भोजन आ लोकाचार

४०१. 'दही-चूड़ा-चीनी' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४०२. माछक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक

४०३. मिथिलाक बोली पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४०४. दलानक गप्पक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४०५. 'पंडित-परम्परा' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४०६. भोजनाचारक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र

४०७. पर्व-पाठ पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४०८. लोकहँसीक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४०९. 'गामक अनुभव' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब

४१०. मिथिला-संस्कृतिक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति

४११. दही-चूड़ा-चीनी पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४१२. माछक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४१३. 'मिथिलाक बोली' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४१४. दलानक गप्पक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान

४१५. पंडित-परम्परा पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४१६. भोजनाचारक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४१७. 'पर्व-पाठ' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४१८. लोकहँसीक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४१९. गामक अनुभव पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४२०. मिथिला-संस्कृतिक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४२१. 'दही-चूड़ा-चीनी' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४२२. माछक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४२३. मिथिलाक बोली पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४२४. दलानक गप्पक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान

४२५. 'पंडित-परम्परा' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा

४२६. भोजनाचारक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४२७. पर्व-पाठ पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४२८. लोकहँसीक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४२९. 'गामक अनुभव' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब

४३०. मिथिला-संस्कृतिक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४३१. दही-चूड़ा-चीनी पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति

४३२. माछक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४३३. 'मिथिलाक बोली' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४३४. दलानक गप्पक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान

४३५. पंडित-परम्परा पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा

४३६. भोजनाचारक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४३७. 'पर्व-पाठ' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४३८. लोकहँसीक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय

४३९. गामक अनुभव पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) तर्ककेँ किताबसँ बाहर जीवनमे आनब
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४४०. मिथिला-संस्कृतिक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४४१. 'दही-चूड़ा-चीनी' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति

४४२. माछक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४४३. मिथिलाक बोली पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४४४. दलानक गप्पक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान

४४५. 'पंडित-परम्परा' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४४६. भोजनाचारक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र

४४७. पर्व-पाठ पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४४८. लोकहँसीक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४४९. 'गामक अनुभव' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब

४५०. मिथिला-संस्कृतिक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४५१. दही-चूड़ा-चीनी पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति

४५२. माछक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४५३. 'मिथिलाक बोली' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग

४५४. दलानक गप्पक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४५५. पंडित-परम्परा पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४५६. भोजनाचारक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४५७. 'पर्व-पाठ' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४५८. लोकहँसीक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४५९. गामक अनुभव पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४६०. मिथिला-संस्कृतिक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति

४६१. 'दही-चूड़ा-चीनी' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४६२. माछक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४६३. मिथिलाक बोली पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४६४. दलानक गप्पक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४६५. 'पंडित-परम्परा' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४६६. भोजनाचारक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४६७. पर्व-पाठ पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४६८. लोकहँसीक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय

४६९. 'गामक अनुभव' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) तर्ककेँ किताबसँ बाहर जीवनमे आनब
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४७०. मिथिला-संस्कृतिक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४७१. दही-चूड़ा-चीनी पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४७२. माछक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४७३. 'मिथिलाक बोली' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) गण्यक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४७४. दलानक गण्यक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान

४७५. पंडित-परम्परा पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४७६. भोजनाचारक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४७७. 'पर्व-पाठ' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४७८. लोकहँसीक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४७९. गामक अनुभव पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) तर्ककेँ किताबसँ बाहर जीवनमे आनब

४८०. मिथिला-संस्कृतिक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति

४८१. 'दही-चूड़ा-चीनी' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४८२. माछक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४८३. मिथिलाक बोली पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४८४. दलानक गप्पक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४८५. 'पंडित-परम्परा' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४८६. भोजनाचारक उल्लेख रचनाकेँ कोन धरातल दैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४८७. पर्व-पाठ पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४८८. लोकहँसीक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय

४८९. 'गामक अनुभव' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४९०. मिथिला-संस्कृतिक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४९१. दही-चूड़ा-चीनी पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४९२. माछक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) समुद्री युद्धक चित्र
- (C) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४९३. 'मिथिलाक बोली' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४९४. दलानक गप्पक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४९५. पंडित-परम्परा पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) विदेशी दरबारक अनुकरण

४९६. भोजनाचारक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) केवल शस्त्राभ्यास
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४९७. 'पर्व-पाठ' खट्टर ककाक संसारमे कोन अर्थ लऽ सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप
- (C) समुद्री युद्धक चित्र
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

४९८. लोकहँसीक उल्लेख रचनाकें कोन धरातल दैत अछि?

- (A) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय
- (B) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (C) केवल शस्त्राभ्यास
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

४९९. गामक अनुभव पर खट्टर कका बात करथि तँ मुख्य प्रश्न की उठि सकैत अछि?

- (A) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (B) केवल शस्त्राभ्यास
- (C) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब
- (D) समुद्री युद्धक चित्र

५००. मिथिला-संस्कृतिक कारण व्यंग्य पाठक लग किएक पहुँचैत अछि?

- (A) समुद्री युद्धक चित्र
- (B) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति
- (C) विदेशी दरबारक अनुकरण
- (D) केवल शस्त्राभ्यास

धर्म, कर्मकाण्ड आ पाखण्ड-समालोचना

५०१. खट्टर ककाक व्यंग्यमे कर्मकाण्डक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५०२. पाखण्ड पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५०३. दुर्गापाठ सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५०४. ब्राह्मण भोजनसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५०५. खट्टर ककाक व्यंग्यमे धर्मक तत्वक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५०६. भगवानक चर्चा पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब

५०७. भूतक मंत्र सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५०८. चन्द्र-ग्रहणसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५०९. खट्टर ककाक व्यंग्यमे शास्त्रक वचनक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५१०. पुरातन आदर्श पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या

५११. कर्मकाण्ड सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५१२. पाखण्डसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५१३. खट्टर ककाक व्यंग्यमे दुर्गापाठक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५१४. ब्राह्मण भोजन पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५१५. धर्मक तत्व सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५१६. भगवानक चर्चासँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५१७. खट्टर ककाक व्यंग्यमे भूतक मंत्रक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५१८. चन्द्र-ग्रहण पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया

५१९. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५२०. पुरातन आदर्शसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या

५२१. खट्टर ककाक व्यंग्यमे कर्मकाण्डक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५२२. पाखण्ड पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५२३. दुर्गापाठ सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख

५२४. ब्राह्मण भोजनसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण

५२५. खट्टर ककाक व्यंग्यमे धर्मक तत्त्वक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५२६. भगवानक चर्चा पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब

५२७. भूतक मंत्र सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५२८. चन्द्र-ग्रहणसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५२९. खट्टर ककाक व्यंग्यमे शास्त्रक वचनक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५३०. पुरातन आदर्श पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) अतीतकें बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५३१. कर्मकाण्ड सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५३२. पाखण्डसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब

५३३. खट्टर ककाक व्यंग्यमे दुर्गापाठक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५३४. ब्राह्मण भोजन पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५३५. धर्मक तत्व सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५३६. भगवानक चर्चासँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५३७. खट्टर ककाक व्यंग्यमे भूतक मंत्रक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५३८. चन्द्र-ग्रहण पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५३९. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा

५४०. पुरातन आदर्शसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) अतीतकें बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या

५४१. खट्टर ककाक व्यंग्यमे कर्मकाण्डक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५४२. पाखण्ड पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५४३. दुर्गापाठ सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५४४. ब्राह्मण भोजनसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण

५४५. खट्टर ककाक व्यंग्यमे धर्मक तत्वक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५४६. भगवानक चर्चा पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५४७. भूतक मंत्र सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५४८. चन्द्र-ग्रहणसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५४९. खट्टर ककाक व्यंग्यमे शास्त्रक वचनक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५५०. पुरातन आदर्श पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या

५५१. कर्मकाण्ड सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न

५५२. पाखण्डसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५५३. खट्टर ककाक व्यंग्यमे दुर्गापाठक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख

५५४. ब्राह्मण भोजन पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५५५. धर्मक तत्व सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५५६. भगवानक चर्चासँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५५७. खट्टर ककाक व्यंग्यमे भूतक मंत्रक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५५८. चन्द्र-ग्रहण पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५५९. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा

५६०. पुरातन आदर्शसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५६१. खट्टर ककाक व्यंग्यमे कर्मकाण्डक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न

५६२. पाखण्ड पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब

५६३. दुर्गापाठ सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५६४. ब्राह्मण भोजनसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५६५. खट्टर ककाक व्यंग्यमे धर्मक तत्त्वक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५६६. भगवानक चर्चा पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५६७. भूतक मंत्र सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) डर आ अंधविश्वासक आलोचना

५६८. चन्द्र-ग्रहणसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५६९. खट्टर ककाक व्यंग्यमे शास्त्रक वचनक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५७०. पुरातन आदर्श पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) अतीतकें बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या

५७१. कर्मकाण्ड सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५७२. पाखण्डसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब

५७३. खट्टर ककाक व्यंग्यमे दुर्गापाठक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५७४. ब्राह्मण भोजन पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५७५. धर्मक तत्व सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५७६. भगवानक चर्चासँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५७७. खट्टर ककाक व्यंग्यमे भूतक मंत्रक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) डर आ अंधविश्वासक आलोचना

५७८. चन्द्र-ग्रहण पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५७९. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५८०. पुरातन आदर्शसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५८१. खट्टर ककाक व्यंग्यमे कर्मकाण्डक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न

५८२. पाखण्ड पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५८३. दुर्गापाठ सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५८४. ब्राह्मण भोजनसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५८५. खट्टर ककाक व्यंग्यमे धर्मक तत्वक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद

५८६. भगवानक चर्चा पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५८७. भूतक मंत्र सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५८८. चन्द्र-ग्रहणसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५८९. खट्टर ककाक व्यंग्यमे शास्त्रक वचनक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) मानव-हितसँ दूरी

५९०. पुरातन आदर्श पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५९१. कर्मकाण्ड सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

५९२. पाखण्डसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब

५९३. खट्टर ककाक व्यंग्यमे दुर्गापाठक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५९४. ब्राह्मण भोजन पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५९५. धर्मक तत्व सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५९६. भगवानक चर्चासँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) सवालक पूर्ण निषेध
- (D) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब

५९७. खट्टर ककाक व्यंग्यमे भूतक मंत्रक आलोचना किएक होइत अछि?

- (A) मानव-हितसँ दूरी
- (B) सवालक पूर्ण निषेध
- (C) डर आ अंधविश्वासक आलोचना
- (D) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन

५९८. चन्द्र-ग्रहण पर प्रश्न उठबैत खट्टर कका कोन दृष्टि अपनबैत छथि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (D) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया

५९९. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे सही पाठकीय समझ की होयत?

- (A) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (B) मानव-हितसँ दूरी
- (C) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा
- (D) सवालक पूर्ण निषेध

६००. पुरातन आदर्शसँ जुड़ल प्रश्नमे कृति कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) सवालक पूर्ण निषेध
- (B) केवल बाहरी आडम्बरक समर्थन
- (C) मानव-हितसँ दूरी
- (D) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या

ज्योतिष, आयुर्वेद आ शास्त्रीय दावाक विवेचना

६०१. ज्योतिष सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) ग्रह-नक्षत्रक दावाकें जीवन-तर्कसँ परखब

६०२. आयुर्वेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) लोक-अनुभवकें हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६०३. शास्त्रक वचनक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब

६०४. पंडितक गप्पक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) केवल डरक प्रचार

६०५. चन्द्र-ग्रहण सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६०६. वेदक भेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) लोक-अनुभवकें हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या

६०७. दर्शनशास्त्रक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६०८. तर्कक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) दावाकें प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६०९. लोक-अनुभव सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६१०. प्रमाण पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६११. ज्योतिषक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) ग्रह-नक्षत्रक दावाकेँ जीवन-तर्कसँ परखब
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) केवल डरक प्रचार

६१२. आयुर्वेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६१३. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (D) केवल डरक प्रचार

६१४. पंडितक गप्प पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास

६१५. चन्द्र-ग्रहणक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६१६. वेदक भेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या

६१७. दर्शनशास्त्र सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६१८. तर्क पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६१९. लोक-अनुभवक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६२०. प्रमाणक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६२१. ज्योतिष सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) ग्रह-नक्षत्रक दावाकेँ जीवन-तर्कसँ परखब
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६२२. आयुर्वेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६२३. शास्त्रक वचनक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६२४. पंडितक गप्पक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास

६२५. चन्द्र-ग्रहण सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६२६. वेदक भेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६२७. दर्शनशास्त्रक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद

६२८. तर्कक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६२९. लोक-अनुभव सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६३०. प्रमाण पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६३१. ज्योतिषक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) ग्रह-नक्षत्रक दावाकेँ जीवन-तर्कसँ परखब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६३२. आयुर्वेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण

६३३. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६३४. पंडितक गप्प पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६३५. चन्द्र-ग्रहणक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) केवल डरक प्रचार

६३६. वेदक भेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६३७. दर्शनशास्त्र सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद

६३८. तर्क पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६३९. लोक-अनुभवक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६४०. प्रमाणक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६४१. ज्योतिष सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) ग्रह-नक्षत्रक दावाकें जीवन-तर्कसँ परखब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६४२. आयुर्वेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६४३. शास्त्रक वचनक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६४४. पंडितक गप्पक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) केवल डरक प्रचार

६४५. चन्द्र-ग्रहण सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) केवल डरक प्रचार

६४६. वेदक भेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६४७. दर्शनशास्त्रक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद

६४८. तर्कक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) दावाकें प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६४९. लोक-अनुभव सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा

६५०. प्रमाण पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) कथनकें स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (B) लोक-अनुभवकें हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६५१. ज्योतिषक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) ग्रह-नक्षत्रक दावाकें जीवन-तर्कसँ परखब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६५२. आयुर्वेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) लोक-अनुभवकें हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण

६५३. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकें हटायब
- (C) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६५४. पंडितक गप्प पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) लोक-अनुभवकें हटायब
- (B) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) केवल डरक प्रचार

६५५. चन्द्र-ग्रहणक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६५६. वेदक भेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६५७. दर्शनशास्त्र सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद

६५८. तर्क पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६५९. लोक-अनुभवक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६६०. प्रमाणक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (D) केवल डरक प्रचार

६६१. ज्योतिष सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) ग्रह-नक्षत्रक दावाकेँ जीवन-तर्कसँ परखब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६६२. आयुर्वेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६६३. शास्त्रक वचनक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६६४. पंडितक गप्पक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास
- (D) केवल डरक प्रचार

६६५. चन्द्र-ग्रहण सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६६६. वेदक भेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६६७. दर्शनशास्त्रक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६६८. तर्कक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (D) केवल डरक प्रचार

६६९. लोक-अनुभव सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६७०. प्रमाण पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (D) केवल डरक प्रचार

६७१. ज्योतिषक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) ग्रह-नक्षत्रक दावाकेँ जीवन-तर्कसँ परखब

६७२. आयुर्वेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६७३. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६७४. पंडितक गप्प पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास
- (D) केवल डरक प्रचार

६७५. चन्द्र-ग्रहणक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६७६. वेदक भेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६७७. दर्शनशास्त्र सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद

६७८. तर्क पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६७९. लोक-अनुभवक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा

६८०. प्रमाणक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी

६८१. ज्योतिष सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) ग्रह-नक्षत्रक दावाकें जीवन-तर्कसँ परखब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६८२. आयुर्वेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६८३. शास्त्रक वचनक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (B) लोक-अनुभवकें हटायब
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) केवल डरक प्रचार

६८४. पंडितक गप्पक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास

६८५. चन्द्र-ग्रहण सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न

६८६. वेदक भेद पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकें हटायब
- (C) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६८७. दर्शनशास्त्रक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद
- (D) लोक-अनुभवकें हटायब

६८८. तर्कक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) लोक-अनुभवकें हटायब
- (D) दावाकें प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब

६८९. लोक-अनुभव सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) केवल डरक प्रचार
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा

६९०. प्रमाण पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६९१. ज्योतिषक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) ग्रह-नक्षत्रक दावाकेँ जीवन-तर्कसँ परखब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६९२. आयुर्वेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण
- (D) केवल डरक प्रचार

६९३. शास्त्रक वचन सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब
- (D) केवल डरक प्रचार

६९४. पंडितक गप्प पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६९५. चन्द्र-ग्रहणक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न

६९६. वेदक भेदक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (B) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या
- (C) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (D) केवल डरक प्रचार

६९७. दर्शनशास्त्र सम्बन्धी प्रसंगमे खट्टर ककाक मुख्य हथियार की अछि?

- (A) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

६९८. तर्क पर व्यंग्य करैत लेखक कोन आग्रह करैत छथि?

- (A) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब
- (B) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (C) केवल डरक प्रचार
- (D) लोक-अनुभवकेँ हटायब

६९९. लोक-अनुभवक चर्चा परीक्षा-दृष्टिसँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) बिना जाँचने सभ मानि लेब
- (D) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा

७००. प्रमाणक नाम आए तखन खट्टर ककाक तर्कशीलता केना देखाइत अछि?

- (A) केवल डरक प्रचार
- (B) लोक-अनुभवकेँ हटायब
- (C) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी
- (D) बिना जाँचने सभ मानि लेब

रामायण, महाभारत, गीता आ पुराणक पुनर्पाठ

७०१. रामायण पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७०२. महाभारत सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७०३. गीताक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७०४. पुराणक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७०५. देवताक चरित्र पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७०६. पुराणक चाशनी सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७०७. प्राचीन आदर्शक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७०८. काव्यक रसक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७०९. शास्त्रीय कथा पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम

७१०. लोक-पुनर्पाठ सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७११. रामायणक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७१२. महाभारतक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७१३. गीता पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७१४. पुराण सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७१५. देवताक चरित्रक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७१६. पुराणक चाशनीक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या

७१७. प्राचीन आदर्श पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब

७१८. काव्यक रस सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७१९. शास्त्रीय कथाक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७२०. लोक-पुनर्पाठक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७२१. रामायण पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि

७२२. महाभारत सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७२३. गीताक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७२४. पुराणक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना

७२५. देवताक चरित्र पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न

७२६. पुराणक चाशनी सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या

७२७. प्राचीन आदर्शक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७२८. काव्यक रसक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा-सुख आ विचारक मेल

७२९. शास्त्रीय कथा पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम

७३०. लोक-पुनर्पाठ सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) महाग्रंथकें लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७३१. रामायणक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७३२. महाभारतक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७३३. गीता पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७३४. पुराण सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना

७३५. देवताक चरित्रक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) देवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७३६. पुराणक चाशनीक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या

७३७. प्राचीन आदर्श पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७३८. काव्यक रस सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७३९. शास्त्रीय कथाक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७४०. लोक-पुनर्पाठक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७४१. रामायण पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि

७४२. महाभारत सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस

७४३. गीताक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख

७४४. पुराणक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७४५. देवताक चरित्र पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७४६. पुराणक चाशनी सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७४७. प्राचीन आदर्शक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७४८. काव्यक रसक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७४९. शास्त्रीय कथा पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७५०. लोक-पुनर्पाठ सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७५१. रामायणक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७५२. महाभारतक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस

७५३. गीता पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७५४. पुराण सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना

७५५. देवताक चरित्रक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७५६. पुराणक चाशनीक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्किय समस्या
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७५७. प्राचीन आदर्श पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७५८. काव्यक रस सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७५९. शास्त्रीय कथाक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७६०. लोक-पुनर्पाठक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७६१. रामायण पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७६२. महाभारत सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७६३. गीताक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७६४. पुराणक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७६५. देवताक चरित्र पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७६६. पुराणक चाशनी सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या

७६७. प्राचीन आदर्शक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७६८. काव्यक रसक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७६९. शास्त्रीय कथा पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७७०. लोक-पुनर्पाठ सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७७१. रामायणक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७७२. महाभारतक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७७३. गीता पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७७४. पुराण सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७७५. देवताक चरित्रक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७७६. पुराणक चाशनीक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७७७. प्राचीन आदर्श पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७७८. काव्यक रस सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७७९. शास्त्रीय कथाक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम

७८०. लोक-पुनर्पाठक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७८१. रामायण पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७८२. महाभारत सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७८३. गीताक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७८४. पुराणक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७८५. देवताक चरित्र पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७८६. पुराणक चाशनी सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७८७. प्राचीन आदर्शक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब

७८८. काव्यक रसक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा-सुख आ विचारक मेल

७८९. शास्त्रीय कथा पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७९०. लोक-पुनर्पाठ सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब

७९१. रामायणक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७९२. महाभारतक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७९३. गीता पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) केवल अंधस्वीकृति
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख
- (D) लोकभाषासँ दूरी

७९४. पुराण सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) लोकभाषासँ दूरी
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७९५. देवताक चरित्रक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (D) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न

७९६. पुराणक चाशनीक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७९७. प्राचीन आदर्श पर खट्टर ककाक दृष्टि कोन रूपमे बुझल जा सकैत अछि?

- (A) लोकभाषासँ दूरी
- (B) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (C) पुरातनता केँ विवेकसँ परखब
- (D) केवल अंधस्वीकृति

७९८. काव्यक रस सम्बन्धी अध्याय/प्रसंगक सही अध्ययन-पथ कोन अछि?

- (A) कथा-सुख आ विचारक मेल
- (B) लोकभाषासँ दूरी
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) कथा पर कोनो प्रश्न नहि

७९९. शास्त्रीय कथाक चर्चा खट्टर ककाक तरंगमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) केवल अंधस्वीकृति
- (C) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम
- (D) लोकभाषासँ दूरी

८००. लोक-पुनर्पाठक पुनर्पाठमे मुख्य प्रश्न कोन अछि?

- (A) कथा पर कोनो प्रश्न नहि
- (B) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब
- (C) केवल अंधस्वीकृति
- (D) लोकभाषासँ दूरी

दर्शन, मोक्ष, वेद आ तर्क-चिन्तन

८०१. ब्रह्मानन्द सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (C) तर्कक निषेध
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८०२. मोक्षक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) तर्कक निषेध
- (D) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न

८०३. धर्मक तत्व पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) आचरणक नैतिक सार
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८०४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब

८०५. वेदक भेद सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८०६. ईश्वर-चर्चाक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८०७. आत्मा पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप

८०८. जीवन-बोधक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८०९. मुक्ति-विचार सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८१०. नैतिकताक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (C) तर्कक निषेध
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८११. ब्रह्मानन्द पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (C) तर्कक निषेध
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८१२. मोक्षक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८१३. धर्मक तत्व सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) आचरणक नैतिक सार
- (D) तर्कक निषेध

८१४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८१५. वेदक भेद पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८१६. ईश्वर-चर्चाक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८१७. आत्मा सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप

८१८. जीवन-बोधक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) तर्कक निषेध
- (D) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब

८१९. मुक्ति-विचार पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८२०. नैतिकताक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८२१. ब्रह्मानन्द सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८२२. मोक्षक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) तर्कक निषेध
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८२३. धर्मक तत्त्व पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) आचरणक नैतिक सार
- (D) तर्कक निषेध

८२४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब

८२५. वेदक भेद सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८२६. ईश्वर-चर्चाक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) विश्वास आ तर्कक संवाद

८२७. आत्मा पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८२८. जीवन-बोधक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) लोक-अनुभवसँ दर्शनकें जोड़ब
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८२९. मुक्ति-विचार सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) तर्कक निषेध
- (D) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान

८३०. नैतिकताक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८३१. ब्रह्मानन्द पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८३२. मोक्षक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) तर्कक निषेध
- (D) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न

८३३. धर्मक तत्त्व सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) आचरणक नैतिक सार
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८३४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) तर्कक निषेध
- (D) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब

८३५. वेदक भेद पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (C) तर्कक निषेध
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८३६. ईश्वर-चर्चाक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८३७. आत्मा सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८३८. जीवन-बोधक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब

८३९. मुक्ति-विचार पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान
- (B) तर्कक निषेध
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८४०. नैतिकताक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८४१. ब्रह्मानन्द सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८४२. मोक्षक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८४३. धर्मक तत्व पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) आचरणक नैतिक सार
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८४४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८४५. वेदक भेद सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८४६. ईश्वर-चर्चाक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८४७. आत्मा पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप
- (D) तर्कक निषेध

८४८. जीवन-बोधक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८४९. मुक्ति-विचार सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) तर्कक निषेध
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८५०. नैतिकताक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८५१. ब्रह्मानन्द पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८५२. मोक्षक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८५३. धर्मक तत्व सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) आचरणक नैतिक सार
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८५४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८५५. वेदक भेद पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८५६. ईश्वर-चर्चाक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८५७. आत्मा सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८५८. जीवन-बोधक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८५९. मुक्ति-विचार पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान

८६०. नैतिकताक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) तर्कक निषेध
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८६१. ब्रह्मानन्द सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना

८६२. मोक्षक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (B) तर्कक निषेध
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८६३. धर्मक तत्व पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) आचरणक नैतिक सार
- (C) तर्कक निषेध
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८६४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८६५. वेदक भेद सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८६६. ईश्वर-चर्चाक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८६७. आत्मा पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप

८६८. जीवन-बोधक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) तर्कक निषेध
- (D) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब

८६९. मुक्ति-विचार सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८७०. नैतिकताक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८७१. ब्रह्मानन्द पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) तर्कक निषेध
- (D) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना

८७२. मोक्षक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८७३. धर्मक तत्त्व सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) आचरणक नैतिक सार
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) तर्कक निषेध

८७४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८७५. वेदक भेद पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८७६. ईश्वर-चर्चाक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) विश्वास आ तर्कक संवाद

८७७. आत्मा सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) तर्कक निषेध
- (D) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप

८७८. जीवन-बोधक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८७९. मुक्ति-विचार पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान
- (D) तर्कक निषेध

८८०. नैतिकताक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८८१. ब्रह्मानन्द सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८८२. मोक्षक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८८३. धर्मक तत्व पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) आचरणक नैतिक सार

८८४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब

८८५. वेदक भेद सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८८६. ईश्वर-चर्चाक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८८७. आत्मा पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) तर्कक निषेध
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८८८. जीवन-बोधक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब
- (D) तर्कक निषेध

८८९. मुक्ति-विचार सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) तर्कक निषेध
- (C) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८९०. नैतिकताक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (D) तर्कक निषेध

८९१. ब्रह्मानन्द पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८९२. मोक्षक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न
- (D) तर्कक निषेध

८९३. धर्मक तत्व सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) आचरणक नैतिक सार
- (C) तर्कक निषेध
- (D) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण

८९४. दर्शनशास्त्रक रहस्यक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) तर्कक निषेध
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब

८९५. वेदक भेद पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद

८९६. ईश्वर-चर्चाक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) विश्वास आ तर्कक संवाद
- (D) तर्कक निषेध

८९७. आत्मा सम्बन्धी खट्टर ककाक बहस कोन बात पर जोर दैत अछि?

- (A) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८९८. जीवन-बोधक प्रसंगमे व्यंग्यक भूमिका की अछि?

- (A) लोक-अनुभवसँ दर्शनकेँ जोड़ब
- (B) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

८९९. मुक्ति-विचार पर प्रश्न बनल हो तखन सही उत्तरक दिशा कोन होयत?

- (A) तर्कक निषेध
- (B) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (C) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (D) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान

९००. नैतिकताक विवेचना कृति मे कोना लोकधर्मी बनैत अछि?

- (A) केवल शब्दाडम्बरक संरक्षण
- (B) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण
- (C) जीवनसँ पूर्ण विच्छेद
- (D) तर्कक निषेध

भाषा, गद्य, आलोचना आ परीक्षा-अभ्यास

९०१. बोलचालक मैथिलीक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९०२. संवाद-शैली पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९०३. मुहावरा खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९०४. गद्य-लयक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९०५. आलोचनात्मक दृष्टिक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९०६. परीक्षा-पाठ पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९०७. व्याख्या खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९०८. समेकित प्रश्नक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९०९. पाठक-प्रभावक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९१०. मैथिली गद्यक विकास पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९११. बोलचालक मैथिली खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९१२. संवाद-शैलीक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९१३. मुहावराक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९१४. गद्य-लय पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९१५. आलोचनात्मक दृष्टि खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९१६. परीक्षा-पाठक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि

९१७. व्याख्याक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि

९१८. समेकित प्रश्न पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९१९. पाठक-प्रभाव खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९२०. मैथिली गद्यक विकासक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि

९२१. बोलचालक मैथिलीक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि

९२२. संवाद-शैली पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९२३. मुहावरा खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९२४. गद्य-लयक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९२५. आलोचनात्मक दृष्टिक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि

९२६. परीक्षा-पाठ पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारु पर ध्यान माँगैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९२७. व्याख्या खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९२८. समेकित प्रश्नक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९२९. पाठक-प्रभावक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९३०. मैथिली गद्यक विकास पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९३१. बोलचालक मैथिली खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९३२. संवाद-शैलीक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि

९३३. मुहावराक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि

९३४. गद्य-लय पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९३५. आलोचनात्मक दृष्टि खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९३६. परीक्षा-पाठक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९३७. व्याख्याक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९३८. समेकित प्रश्न पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि

९३९. पाठक-प्रभाव खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९४०. मैथिली गद्यक विकासक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९४१. बोलचालक मैथिलीक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९४२. संवाद-शैली पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि

९४३. मुहावरा खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९४४. गद्य-लयक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९४५. आलोचनात्मक दृष्टिक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९४६. परीक्षा-पाठ पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९४७. व्याख्या खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९४८. समेकित प्रश्नक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि

९४९. पाठक-प्रभावक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि

९५०. मैथिली गद्यक विकास पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९५१. बोलचालक मैथिली खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९५२. संवाद-शैलीक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९५३. मुहावराक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि

९५४. गद्य-लय पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९५५. आलोचनात्मक दृष्टि खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९५६. परीक्षा-पाठक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९५७. व्याख्याक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९५८. समेकित प्रश्न पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि

९५९. पाठक-प्रभाव खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९६०. मैथिली गद्यक विकासक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९६१. बोलचालक मैथिलीक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि

९६२. संवाद-शैली पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि

९६३. मुहावरा खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९६४. गद्य-लयक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९६५. आलोचनात्मक दृष्टिक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि

९६६. परीक्षा-पाठ पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारु पर ध्यान माँगैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९६७. व्याख्या खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९६८. समेकित प्रश्नक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि

९६९. पाठक-प्रभावक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९७०. मैथिली गद्यक विकास पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९७१. बोलचालक मैथिली खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९७२. संवाद-शैलीक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९७३. मुहावराक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९७४. गद्य-लय पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९७५. आलोचनात्मक दृष्टि खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९७६. परीक्षा-पाठक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि

९७७. व्याख्याक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि

९७८. समेकित प्रश्न पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९७९. पाठक-प्रभाव खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९८०. मैथिली गद्यक विकासक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९८१. बोलचालक मैथिलीक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि

९८२. संवाद-शैली पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि

९८३. मुहावरा खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९८४. गद्य-लयक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९८५. आलोचनात्मक दृष्टिक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९८६. परीक्षा-पाठ पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९८७. व्याख्या खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि

९८८. समेकित प्रश्नक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९८९. पाठक-प्रभावक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९९०. मैथिली गद्यक विकास पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९९१. बोलचालक मैथिली खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि

९९२. संवाद-शैलीक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९९३. मुहावराक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि

९९४. गद्य-लय पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) गप्पकेँ तरंग जकाँ बहबैत अछि
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९९५. आलोचनात्मक दृष्टि खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

९९६. परीक्षा-पाठक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि
- (B) केवल कथानक-सार लिखब
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

९९७. व्याख्याक कारण 'खट्टर ककाक तरंग'क पाठ किएक प्रभावी बनैत अछि?

- (A) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (B) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (C) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि
- (D) केवल कथानक-सार लिखब

९९८. समेकित प्रश्न पर आधारित प्रश्नमे सही समझ की होयत?

- (A) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (B) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (C) केवल कथानक-सार लिखब
- (D) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि

९९९. पाठक-प्रभाव खट्टर ककाक व्यंग्यमे कोन योगदान करैत अछि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि
- (C) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब
- (D) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब

१०००. मैथिली गद्यक विकासक विश्लेषण करैत विद्यार्थी की नोट करथि?

- (A) केवल कथानक-सार लिखब
- (B) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि
- (C) व्यंग्यकेँ हलुक मनोरंजन मात्र कहब
- (D) भाषाकेँ अप्रासंगिक मानब

१. (D) हरिमोहन झा — ई कृति हरिमोहन झाक प्रसिद्ध व्यंग्य-रचना मानल जाइत अछि।
२. (C) व्यंग्य — कृतिमे हास्य, तर्क आ सामाजिक-धार्मिक रूढ़ि पर चोट प्रमुख अछि।
३. (D) आधुनिक गद्यकें तेज, लोकधर्मी आ व्यंग्यमय बनयबाक — हिनक लेखन मैथिली गद्यकें बोलचाल, तर्क आ हास्यक बल देलक।
४. (C) रूढ़ि पर प्रश्न करयवला जीवंत व्यंग्य-पात्र — खट्टर कका गप्पक माध्यमँ प्रश्न, ठट्टा आ तर्कसँ विचार खोलैत छथि।
५. (D) धर्म-पुराण, कर्मकाण्ड, पाखण्ड आ अंधविश्वास — कृतिमे रूढ़ि आ पाखण्डक आलोचना हास्यपूर्ण शैलीमे भेल अछि।
६. (D) कन्यादान आ द्विरागमन — कन्यादान आ द्विरागमन आधुनिक मैथिली गद्यक चर्चित कृति अछि।
७. (C) जीवन यात्रा — जीवन यात्रा हरिमोहन झाक आत्मकथात्मक लेखनसँ सम्बद्ध अछि।
८. (C) हँसैत-हँसैत सोचबाक बाध्य करब — व्यंग्यक लक्ष्य पाठककें भीतरसँ सोचएब होइत अछि।
९. (A) लोकबुद्धि आ तर्कशील हँसीक — ओ लोकक गप्पक सहज धरातल सँ शास्त्र आ समाज पर प्रश्न उठबैत छथि।
१०. (C) बोलचालक भाषा आ चुटील तर्कमे — कृतिमे पाठककें गप्प, ठट्टा आ विचार एकसाथ भेटैत अछि।
११. (D) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
१२. (D) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
१३. (C) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
१४. (D) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
१५. (A) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
१६. (B) हास्य-कथाक मंचवत् संसार — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
१७. (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
१८. (C) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
१९. (D) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
२०. (A) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
२१. (A) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
२२. (A) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
२३. (D) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
२४. (C) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
२५. (B) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
२६. (C) हास्य-कथाक मंचवत् संसार — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
२७. (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
२८. (C) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
२९. (C) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
३०. (A) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
३१. (B) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
३२. (A) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
३३. (A) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
३४. (C) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।

- 282

७१. (D) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
७२. (C) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
७३. (C) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
७४. (B) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
७५. (B) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
७६. (D) हास्य-कथाक मंचवत् संसार — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
७७. (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
७८. (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
७९. (A) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
८०. (B) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
८१. (B) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
८२. (A) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
८३. (A) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
८४. (C) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
८५. (C) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
८६. (C) हास्य-कथाक मंचवत् संसार — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
८७. (B) विधा-विविध गद्य-संवेदना — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
८८. (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
८९. (C) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
९०. (B) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
९१. (B) आधुनिक मैथिली गद्यक महत्त्वपूर्ण रचनाकार — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
९२. (D) व्यंग्यक केन्द्रीय लोक-बुद्धि — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
९३. (C) समाज-सुधारपरक आधुनिक गद्य — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
९४. (A) समाज आ परिवारक प्रश्नक गद्य-विस्तार — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
९५. (A) हास्य-व्यंग्यक कथा-क्षेत्र — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
९६. (B) हास्य-कथाक मंचवत् संसार — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
९७. (D) विधा-विविध गद्य-संवेदना — खट्टर कका संबंधी प्रश्नमे तथ्य आ विवेचना दुनू जरूरी अछि।
९८. (D) लेखक-जीवनक आत्मकथात्मक संस्मरण — ई परिचय कृतिकार आ कृति-दुनूक स्थान बतबैत अछि।
९९. (C) लेखकक तर्कशील पृष्ठभूमि — एहि सम्बन्धसँ रचना, लेखक आ व्यंग्य-दृष्टि बुझबा मे सहायता भेटैत अछि।
१००. (D) बोलचाल, विनोद आ आलोचनात्मक दृष्टिक विकास — विषयक ठीक पहचानसँ व्यंग्यक आशय स्पष्ट होइत अछि।
१०१. (C) मिथिलाक भोजन-संस्कृति आ लोक-रुचि — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१०२. (B) इतिहास, गौरव आ बुद्धिपरम्परा पर विनोदपूर्ण संकेत — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१०३. (B) मिथिलाक आहार, जल-संस्कृति आ लोक-रुचि — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१०४. (B) चिकित्सा-दावाक तर्कपूर्ण आ हास्यात्मक परीक्षण — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१०५. (D) महाकाव्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१०६. (B) पाठ-कर्मकाण्ड आ श्रद्धा-व्यवहारक प्रश्न — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।

१०७. (C) जाति, भोजनाचार आ सामाजिक रूढ़िक व्यंग्य — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१०८. (B) कथा, विश्वास आ तर्कक टकराहट — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१०९. (D) ग्रह-नक्षत्रक दावापर तर्कशील प्रश्न — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
११०. (C) युद्ध, नीति आ पात्र-विवेचनक पुनर्पाठ — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१११. (C) देव-पात्रक लोक-विवेचना — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
११२. (A) आध्यात्मिक आनन्दक व्यंग्यकारी पड़ताल — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
११३. (B) उद्धरणक अंध प्रयोग पर प्रश्न — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
११४. (D) अतीत-पूजा आ आदर्शवादक परीक्षा — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
११५. (D) तंत्र-मंत्र आ अंधविश्वासक आलोचना — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
११६. (C) ग्रहण-संबंधी मान्यता आ कर्मकाण्ड — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
११७. (B) पांडित्य-प्रदर्शन आ लोकबुद्धिक टक्कर — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
११८. (C) गीता-अर्थक तर्कसंगत विवेचना — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
११९. (D) मुक्ति-कल्पना आ जीवन-दृष्टि — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१२०. (C) ईश्वर-धारणा पर लोक-तर्क — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१२१. (B) धर्मक नैतिक सार आ बाह्याडम्बरक भेद — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१२२. (A) अतीत-गौरवक विवेकपूर्ण परीक्षण — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१२३. (B) लोकाचार, भाषा आ सांस्कृतिक आत्मबोध — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१२४. (C) रस, काव्य-विनोद आ साहित्यिक समझ — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१२५. (C) पुराणक मधुर कथा-भाषा आ आलोचनात्मक हँसी — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१२६. (C) दार्शनिक शब्दाडम्बर आ तर्कक परख — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१२७. (B) वेद-ज्ञान, अधिकार आ अर्थक प्रश्न — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१२८. (C) समसामयिक विनोद आ ताजा सामाजिक टिप्पणी — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१२९. (A) चरित्र-साक्षात्कार आ व्यंग्य-स्वरक परिचय — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१३०. (D) मिथिलाक भोजन-संस्कृति आ लोक-रुचि — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१३१. (A) इतिहास, गौरव आ बुद्धिपरम्परा पर विनोदपूर्ण संकेत — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१३२. (D) मिथिलाक आहार, जल-संस्कृति आ लोक-रुचि — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१३३. (A) चिकित्सा-दावाक तर्कपूर्ण आ हास्यात्मक परीक्षण — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१३४. (D) महाकाव्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१३५. (A) पाठ-कर्मकाण्ड आ श्रद्धा-व्यवहारक प्रश्न — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१३६. (B) जाति, भोजनाचार आ सामाजिक रूढ़िक व्यंग्य — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१३७. (B) कथा, विश्वास आ तर्कक टकराहट — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१३८. (C) ग्रह-नक्षत्रक दावापर तर्कशील प्रश्न — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१३९. (D) युद्ध, नीति आ पात्र-विवेचनक पुनर्पाठ — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१४०. (B) देव-पात्रक लोक-विवेचना — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१४१. (A) आध्यात्मिक आनन्दक व्यंग्यकारी पड़ताल — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१४२. (D) उद्धरणक अंध प्रयोग पर प्रश्न — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।

१४३. (A) अतीत-पूजा आ आदर्शवादक परीक्षा — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१४४. (A) तंत्र-मंत्र आ अंधविश्वासक आलोचना — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१४५. (C) ग्रहण-संबंधी मान्यता आ कर्मकाण्ड — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१४६. (B) पांडित्य-प्रदर्शन आ लोकबुद्धिक टक्कर — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१४७. (B) गीता-अर्थक तर्कसंगत विवेचना — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१४८. (B) मुक्ति-कल्पना आ जीवन-दृष्टि — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१४९. (A) ईश्वर-धारणा पर लोक-तर्क — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१५०. (A) धर्मक नैतिक सार आ बाह्याडम्बरक भेद — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१५१. (A) अतीत-गौरवक विवेकपूर्ण परीक्षण — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१५२. (B) लोकाचार, भाषा आ सांस्कृतिक आत्मबोध — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१५३. (A) रस, काव्य-विनोद आ साहित्यिक समझ — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१५४. (D) पुराणक मधुर कथा-भाषा आ आलोचनात्मक हँसी — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१५५. (C) दार्शनिक शब्दाडम्बर आ तर्कक परख — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१५६. (D) वेद-ज्ञान, अधिकार आ अर्थक प्रश्न — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१५७. (B) समसामयिक विनोद आ ताजा सामाजिक टिप्पणी — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१५८. (B) चरित्र-साक्षात्कार आ व्यंग्य-स्वरक परिचय — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१५९. (A) मिथिलाक भोजन-संस्कृति आ लोक-रुचि — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१६०. (C) इतिहास, गौरव आ बुद्धिपरम्परा पर विनोदपूर्ण संकेत — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१६१. (D) मिथिलाक आहार, जल-संस्कृति आ लोक-रुचि — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१६२. (A) चिकित्सा-दावाक तर्कपूर्ण आ हास्यात्मक परीक्षण — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१६३. (D) महाकाव्यक आलोचनात्मक पुनर्पाठ — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१६४. (D) पाठ-कर्मकाण्ड आ श्रद्धा-व्यवहारक प्रश्न — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१६५. (A) जाति, भोजनाचार आ सामाजिक रूढ़िक व्यंग्य — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१६६. (A) कथा, विश्वास आ तर्कक टकराहट — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१६७. (C) ग्रह-नक्षत्रक दावापर तर्कशील प्रश्न — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१६८. (B) युद्ध, नीति आ पात्र-विवेचनक पुनर्पाठ — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१६९. (A) देव-पात्रक लोक-विवेचना — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१७०. (A) आध्यात्मिक आनन्दक व्यंग्यकारी पड़ताल — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१७१. (D) उद्धरणक अंध प्रयोग पर प्रश्न — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१७२. (A) अतीत-पूजा आ आदर्शवादक परीक्षा — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१७३. (B) तंत्र-मंत्र आ अंधविश्वासक आलोचना — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१७४. (C) ग्रहण-संबंधी मान्यता आ कर्मकाण्ड — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१७५. (B) पांडित्य-प्रदर्शन आ लोकबुद्धिक टक्कर — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१७६. (C) गीता-अर्थक तर्कसंगत विवेचना — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१७७. (A) मुक्ति-कल्पना आ जीवन-दृष्टि — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१७८. (C) ईश्वर-धारणा पर लोक-तर्क — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।

१७९. (B) धर्मक नैतिक सार आ बाह्याडम्बरक भेद — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१८०. (B) अतीत-गौरवक विवेकपूर्ण परीक्षण — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१८१. (A) लोकाचार, भाषा आ सांस्कृतिक आत्मबोध — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१८२. (B) रस, काव्य-विनोद आ साहित्यिक समझ — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१८३. (C) पुराणक मधुर कथा-भाषा आ आलोचनात्मक हँसी — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१८४. (B) दार्शनिक शब्दाडम्बर आ तर्कक परख — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१८५. (A) वेद-ज्ञान, अधिकार आ अर्थक प्रश्न — शीर्षकहि सँ अध्यायक प्रमुख व्यंग्य-क्षेत्रक संकेत भेटैत अछि।
१८६. (B) समसामयिक विनोद आ ताजा सामाजिक टिप्पणी — खट्टर ककाक अध्याय शीर्षक प्रायः विचारक धरातल तैयार करैत अछि।
१८७. (D) चरित्र-साक्षात्कार आ व्यंग्य-स्वरक परिचय — एहि दिशासँ विद्यार्थी विषय, शैली आ व्यंग्यक मिलान करि सकैत अछि।
१८८. (D) विषय-बहुल व्यंग्य-गण्यक श्रृंखला — अनेक शीर्षक मिलि मिथिला, धर्म, शास्त्र, भोजन, दर्शन आ साहित्यक व्यापक व्यंग्य-क्षेत्र बनबैत अछि।
१८९. (B) ई बतबैत अछि जे व्यंग्य जीवनक अनेक क्षेत्र छुबैत अछि — खट्टर कका जीवनक छोट-बड़ बातसँ गम्भीर प्रश्न उठबैत छथि।
१९०. (D) एकहि व्यंग्य-पात्र अनेक विषय पर बोलि सकैत अछि — खट्टर कका चरित्रक शक्ति ओकर बहुविषयी बोलचालमे अछि।
१९१. (C) मस्ती, विनोद आ तर्कक एकसाथ बहाव — तरंगक अर्थ केवल मदहोशी नहि, बल्कि वाक्-विनोदक प्रवाह सेहो अछि।
१९२. (A) साहित्य आ दर्शन दुनू पर व्यंग्यक पहुँच — कृति उच्च विचार-विषय केँ लोकगण्यक भीतर लबैत अछि।
१९३. (A) मिथिला-समाजक अनुभव आ आत्मचेतना — खट्टर ककाक हास्य अपन लोक-परिवेशसँ ऊर्जा पबैत अछि।
१९४. (D) उद्धरण आ पांडित्यक अंध प्रदर्शन पर प्रश्न — एहि प्रकारक प्रसंगमे लोक-बुद्धि शास्त्रीय दावा सँ टकराइत अछि।
१९५. (D) आध्यात्मिक धारणा आ तर्कक प्रश्न — व्यंग्य गंभीर विषयकेँ सेहो सहज बना सकैत अछि।
१९६. (D) समसामयिकता आ बोलचालक ताजगी — खट्टर ककाक गण्य वर्तमान जीवनसँ जुड़ल रहैत अछि।
१९७. (D) स्वतंत्र गण्यक माध्यमसँ सतत व्यंग्य-प्रवाह — एक-एक अध्याय स्वतंत्र लगैत अछि, मुदा खट्टर कका सभकेँ एक सूत्रमे बाँधैत छथि।
१९८. (D) नव विषय, नव ठट्टा आ नव तर्क देबाक कारण — विषय बदलैत रहला पर व्यंग्यक धार ताजा रहैत अछि।
१९९. (C) प्रत्येक प्रसंगमे प्रश्न, तर्क आ सामाजिक संकेत — गण्यक भीतर विचारक धारा ई कृतिसँ जुड़ल मुख्य गुण अछि।
२००. (D) परम्परागत ग्रंथक आलोचनात्मक लोक-पुनर्पाठ — खट्टर कका श्रद्धा-संस्कृति केँ तर्कपूर्ण हँसीक भीतर परखैत छथि।
२०१. (A) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब — पात्रक ई गुण व्यंग्यकेँ धार दैत अछि।
२०२. (C) अनुभवक आधार पर बात कहब — ई गुण हुनका साधारण हास्य-पात्रसँ अलग करैत अछि।
२०३. (B) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब — व्यंग्य-पात्रक प्रभाव ओकर बोलबाक ढंग आ विचार-दृष्टिमे रहैत अछि।
२०४. (D) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब — ई सीख पाठककेँ सोचय लेल बाध्य करैत अछि।
२०५. (B) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब — पात्रक ई गुण व्यंग्यकेँ धार दैत अछि।
२०६. (D) कथन आ आचरणक फाँक देखायब — ई गुण हुनका साधारण हास्य-पात्रसँ अलग करैत अछि।
२०७. (D) एकालापक बदला गण्यमे विचार खोलब — व्यंग्य-पात्रक प्रभाव ओकर बोलबाक ढंग आ विचार-दृष्टिमे रहैत अछि।
२०८. (D) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब — ई सीख पाठककेँ सोचय लेल बाध्य करैत अछि।
२०९. (A) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब — पात्रक ई गुण व्यंग्यकेँ धार दैत अछि।
२१०. (C) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब — ई गुण हुनका साधारण हास्य-पात्रसँ अलग करैत अछि।
२११. (D) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब — व्यंग्य-पात्रक प्रभाव ओकर बोलबाक ढंग आ विचार-दृष्टिमे रहैत अछि।
२१२. (D) अनुभवक आधार पर बात कहब — ई सीख पाठककेँ सोचय लेल बाध्य करैत अछि।
२१३. (B) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब — पात्रक ई गुण व्यंग्यकेँ धार दैत अछि।
२१४. (C) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब — ई गुण हुनका साधारण हास्य-पात्रसँ अलग करैत अछि।

- 287

- 288

२८७. (A) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब — व्यंग्य-पात्रक प्रभाव ओकर बोलबाक ढंग आ विचार-दृष्टिमे रहैत अछि।
२८८. (A) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब — ई सीख पाठककेँ सोचय लेल बाध्य करैत अछि।
२८९. (D) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब — पात्रक ई गुण व्यंग्यकेँ धार दैत अछि।
२९०. (A) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब — ई गुण हुनका साधारण हास्य-पात्रसँ अलग करैत अछि।
२९१. (C) प्रश्न पूछि रूढ़ि केँ परखब — व्यंग्य-पात्रक प्रभाव ओकर बोलबाक ढंग आ विचार-दृष्टिमे रहैत अछि।
२९२. (B) अनुभवक आधार पर बात कहब — ई सीख पाठककेँ सोचय लेल बाध्य करैत अछि।
२९३. (B) गम्भीर बातकेँ हँसीमे कहब — पात्रक ई गुण व्यंग्यकेँ धार दैत अछि।
२९४. (C) पाखण्डक सामने बिना डर बोलब — ई गुण हुनका साधारण हास्य-पात्रसँ अलग करैत अछि।
२९५. (D) कठोर प्रश्नकेँ गुदगुदी बना देब — व्यंग्य-पात्रक प्रभाव ओकर बोलबाक ढंग आ विचार-दृष्टिमे रहैत अछि।
२९६. (A) कथन आ आचरणक फाँक देखायब — ई सीख पाठककेँ सोचय लेल बाध्य करैत अछि।
२९७. (A) एकालापक बदला गप्पमे विचार खोलब — पात्रक ई गुण व्यंग्यकेँ धार दैत अछि।
२९८. (C) स्थानीय खान-पान, बोली आ संस्कारसँ जुड़ल रहब — ई गुण हुनका साधारण हास्य-पात्रसँ अलग करैत अछि।
२९९. (B) ज्ञानकेँ जीवनक कसौटी पर परखब — व्यंग्य-पात्रक प्रभाव ओकर बोलबाक ढंग आ विचार-दृष्टिमे रहैत अछि।
३००. (C) हँसीक भीतर मनुष्यक हित देखब — ई सीख पाठककेँ सोचय लेल बाध्य करैत अछि।
३०१. (A) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब — खट्टर ककाक शैलीमे शिल्प आ विचार अलग-अलग नहि रहैत।
३०२. (D) छोट बातकेँ बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब — एहि संकेतसँ विद्यार्थी व्यंग्यक तकनीक पकड़ि सकैत अछि।
३०३. (C) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब — हास्य ओ आलोचना मिलि तखनहि असरदार बनैत अछि।
३०४. (A) पाठक लग सहज पहुँच बनयब — साहित्यिक उपकरणक अर्थ बुझब परीक्षा लेल उपयोगी अछि।
३०५. (A) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब — खट्टर ककाक शैलीमे शिल्प आ विचार अलग-अलग नहि रहैत।
३०६. (B) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब — एहि संकेतसँ विद्यार्थी व्यंग्यक तकनीक पकड़ि सकैत अछि।
३०७. (C) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब — हास्य ओ आलोचना मिलि तखनहि असरदार बनैत अछि।
३०८. (D) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब — साहित्यिक उपकरणक अर्थ बुझब परीक्षा लेल उपयोगी अछि।
३०९. (B) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब — खट्टर ककाक शैलीमे शिल्प आ विचार अलग-अलग नहि रहैत।
३१०. (C) हँसीकेँ विचारसँ जोड़ब — एहि संकेतसँ विद्यार्थी व्यंग्यक तकनीक पकड़ि सकैत अछि।
३११. (C) गप्पकेँ जीबैत समाजसँ जोड़ब — हास्य ओ आलोचना मिलि तखनहि असरदार बनैत अछि।
३१२. (D) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब — साहित्यिक उपकरणक अर्थ बुझब परीक्षा लेल उपयोगी अछि।
३१३. (D) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब — खट्टर ककाक शैलीमे शिल्प आ विचार अलग-अलग नहि रहैत।
३१४. (B) छोट बातकेँ बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब — एहि संकेतसँ विद्यार्थी व्यंग्यक तकनीक पकड़ि सकैत अछि।
३१५. (D) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब — हास्य ओ आलोचना मिलि तखनहि असरदार बनैत अछि।
३१६. (A) पाठक लग सहज पहुँच बनयब — साहित्यिक उपकरणक अर्थ बुझब परीक्षा लेल उपयोगी अछि।
३१७. (D) प्रचलित कथन केँ उलटि अर्थक फाँक देखायब — खट्टर ककाक शैलीमे शिल्प आ विचार अलग-अलग नहि रहैत।
३१८. (A) प्रशंसा जकाँ कहि दोष प्रकट करब — एहि संकेतसँ विद्यार्थी व्यंग्यक तकनीक पकड़ि सकैत अछि।
३१९. (D) साफ नाम बिना सामाजिक प्रसंग खोलब — हास्य ओ आलोचना मिलि तखनहि असरदार बनैत अछि।
३२०. (A) कठिन विचारकेँ पठनीय बनयब — साहित्यिक उपकरणक अर्थ बुझब परीक्षा लेल उपयोगी अछि।
३२१. (B) गलत मान्यतापर तीक्ष्ण चोट करब — खट्टर ककाक शैलीमे शिल्प आ विचार अलग-अलग नहि रहैत।
३२२. (C) हँसीकेँ विचारसँ जोड़ब — एहि संकेतसँ विद्यार्थी व्यंग्यक तकनीक पकड़ि सकैत अछि।

- 291

३९५. (B) गप्पकें जीबैत समाजसँ जोड़ब — हास्य ओ आलोचना मिलि तखनहि असरदार बनैत अछि।
३९६. (A) एक पात्रसँ अनेक विचार कहल जाएब — साहित्यिक उपकरणक अर्थ बुझब परीक्षा लेल उपयोगी अछि।
३९७. (D) दू बातक टकराव देखाकऽ हँसी उत्पन्न करब — खट्टर ककाक शैलीमे शिल्प आ विचार अलग-अलग नहि रहैत।
३९८. (C) छोट बातकें बढ़ाकऽ रूढ़िक विचित्रता खोलब — एहि संकेतसँ विद्यार्थी व्यंग्यक तकनीक पकड़ि सकैत अछि।
३९९. (A) गप्पक क्रममे तर्कक परत खोलब — हास्य ओ आलोचना मिलि तखनहि असरदार बनैत अछि।
४००. (A) पाठक लग सहज पहुँच बनयब — साहित्यिक उपकरणक अर्थ बुझब परीक्षा लेल उपयोगी अछि।
४०१. (A) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४०२. (D) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४०३. (A) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४०४. (A) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४०५. (A) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४०६. (D) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४०७. (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४०८. (C) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४०९. (D) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४१०. (D) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४११. (C) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४१२. (B) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४१३. (A) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४१४. (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४१५. (C) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४१६. (A) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४१७. (C) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४१८. (C) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४१९. (B) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४२०. (C) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४२१. (A) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४२२. (B) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४२३. (C) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४२४. (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४२५. (D) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४२६. (A) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४२७. (C) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४२८. (A) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४२९. (D) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४३०. (B) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।

- 293

४६७. (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४६८. (D) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४६९. (C) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४७०. (B) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४७१. (B) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४७२. (A) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४७३. (C) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४७४. (D) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४७५. (C) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४७६. (B) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४७७. (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४७८. (A) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४७९. (D) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४८०. (D) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४८१. (A) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४८२. (B) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४८३. (A) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४८४. (C) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४८५. (A) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४८६. (C) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४८७. (A) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४८८. (D) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४८९. (C) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४९०. (C) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४९१. (C) मिथिलाक सहज आ प्रिय भोजन-संस्कृति — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४९२. (C) जल, पोखरि आ आहार-संस्कृतिक प्रतीक — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४९३. (B) गप्पक आत्मीयता आ स्थानीय रंग — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४९४. (C) समाजमे विचार-विनिमयक लोक-स्थान — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४९५. (B) ज्ञान आ पांडित्यक सामाजिक प्रतिष्ठा — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
४९६. (C) जाति, शुद्धि आ सामाजिक मान्यताक क्षेत्र — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
४९७. (B) श्रद्धा आ कर्मकाण्डक सामुदायिक रूप — स्थानीय वस्तु व्यंग्यमे सांस्कृतिक संकेत बनि जाइत अछि।
४९८. (A) तनाव घटबय आ आलोचना करबाक सहज उपाय — मिथिलाक परिवेशसँ रचना अधिक आत्मीय बनैत अछि।
४९९. (C) तर्ककें किताबसँ बाहर जीवनमे आनब — लोकजीवनक प्रसंगसँ सामाजिक अर्थ खुलैत अछि।
५००. (B) आत्मपहिचान, लोकाचार आ भाषा-स्मृति — अपन जीवनक चीज देखलापर पाठक तुरन्त जुड़ैत अछि।
५०१. (A) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न — व्यंग्यक लक्ष्य धर्मक नामें चलैत अंधता पर प्रश्न उठायब अछि।
५०२. (A) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब — हास्यक भीतर विवेक एहि कृतिक मूल गुण अछि।

- 295

- [illegible]

५७५. (C) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद — केवल हँसी नहि, सामाजिक आलोचना सेहो देखबाक चाही।
५७६. (A) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब — बिना सोचने मानि लेब व्यंग्यक निशाना बनैत अछि।
५७७. (D) डर आ अंधविश्वासक आलोचना — व्यंग्यक लक्ष्य धर्मक नामेँ चलैत अंधता पर प्रश्न उठायब अछि।
५७८. (B) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया — हास्यक भीतर विवेक एहि कृतिक मूल गुण अछि।
५७९. (B) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा — केवल हँसी नहि, सामाजिक आलोचना सेहो देखबाक चाही।
५८०. (B) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या — बिना सोचने मानि लेब व्यंग्यक निशाना बनैत अछि।
५८१. (D) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न — व्यंग्यक लक्ष्य धर्मक नामेँ चलैत अंधता पर प्रश्न उठायब अछि।
५८२. (B) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब — हास्यक भीतर विवेक एहि कृतिक मूल गुण अछि।
५८३. (A) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख — केवल हँसी नहि, सामाजिक आलोचना सेहो देखबाक चाही।
५८४. (B) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण — बिना सोचने मानि लेब व्यंग्यक निशाना बनैत अछि।
५८५. (D) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद — व्यंग्यक लक्ष्य धर्मक नामेँ चलैत अंधता पर प्रश्न उठायब अछि।
५८६. (A) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब — हास्यक भीतर विवेक एहि कृतिक मूल गुण अछि।
५८७. (B) डर आ अंधविश्वासक आलोचना — केवल हँसी नहि, सामाजिक आलोचना सेहो देखबाक चाही।
५८८. (B) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया — बिना सोचने मानि लेब व्यंग्यक निशाना बनैत अछि।
५८९. (A) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा — व्यंग्यक लक्ष्य धर्मक नामेँ चलैत अंधता पर प्रश्न उठायब अछि।
५९०. (B) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या — हास्यक भीतर विवेक एहि कृतिक मूल गुण अछि।
५९१. (B) बाहरी क्रियाक अर्थहीन दोहराव पर प्रश्न — केवल हँसी नहि, सामाजिक आलोचना सेहो देखबाक चाही।
५९२. (D) कहबाक आ करबाक अन्तर खोलब — बिना सोचने मानि लेब व्यंग्यक निशाना बनैत अछि।
५९३. (C) श्रद्धा आ विधि-विधानक विवेकपूर्ण परख — व्यंग्यक लक्ष्य धर्मक नामेँ चलैत अंधता पर प्रश्न उठायब अछि।
५९४. (B) सामाजिक ऊँच-नीचक हास्यात्मक परीक्षण — हास्यक भीतर विवेक एहि कृतिक मूल गुण अछि।
५९५. (A) नैतिक सार आ बाहरी आडम्बरक भेद — केवल हँसी नहि, सामाजिक आलोचना सेहो देखबाक चाही।
५९६. (D) विश्वासक प्रश्न केँ लोक-तर्कसँ देखब — बिना सोचने मानि लेब व्यंग्यक निशाना बनैत अछि।
५९७. (C) डर आ अंधविश्वासक आलोचना — व्यंग्यक लक्ष्य धर्मक नामेँ चलैत अंधता पर प्रश्न उठायब अछि।
५९८. (D) खगोलीय घटना पर कर्मकाण्डी प्रतिक्रिया — हास्यक भीतर विवेक एहि कृतिक मूल गुण अछि।
५९९. (C) उद्धरणक अंध प्रयोगक खतरा — केवल हँसी नहि, सामाजिक आलोचना सेहो देखबाक चाही।
६००. (D) अतीतकेँ बिना परखने स्वीकार करबाक समस्या — बिना सोचने मानि लेब व्यंग्यक निशाना बनैत अछि।
६०१. (D) ग्रह-नक्षत्रक दावाकेँ जीवन-तर्कसँ परखब — एहि तरहि व्यंग्य अंधमान्यता सँ अलग ठाढ़ होइत अछि।
६०२. (A) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण — दावा आ प्रमाणक दूरी देखायब व्यंग्यक जरूरी भाग अछि।
६०३. (D) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब — प्रश्नमे शास्त्र-विरोध नहि, अंधस्वीकार-विरोध चिन्हब महत्वपूर्ण अछि।
६०४. (B) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास — ओ विषयकेँ लोक-बुद्धिक कठोर कसौटी पर राखैत छथि।
६०५. (A) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न — एहि तरहि व्यंग्य अंधमान्यता सँ अलग ठाढ़ होइत अछि।
६०६. (D) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या — दावा आ प्रमाणक दूरी देखायब व्यंग्यक जरूरी भाग अछि।
६०७. (A) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद — प्रश्नमे शास्त्र-विरोध नहि, अंधस्वीकार-विरोध चिन्हब महत्वपूर्ण अछि।
६०८. (B) दावाकेँ प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब — ओ विषयकेँ लोक-बुद्धिक कठोर कसौटी पर राखैत छथि।
६०९. (B) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा — एहि तरहि व्यंग्य अंधमान्यता सँ अलग ठाढ़ होइत अछि।
६१०. (A) कथनकेँ स्वीकारबासँ पहिने कसौटी — दावा आ प्रमाणक दूरी देखायब व्यंग्यक जरूरी भाग अछि।

- 299

६८३. (A) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब — प्रश्नमे शास्त्र-विरोध नहि, अंधस्वीकार-विरोध चिन्हब महत्त्वपूर्ण अछि।
६८४. (D) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास — ओ विषयकें लोक-बुद्धिक कठोर कसौटी पर राखैत छथि।
६८५. (D) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न — एहि तरहि व्यंग्य अंधमान्यता सँ अलग ठाढ़ होइत अछि।
६८६. (C) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या — दावा आ प्रमाणक दूरी देखायब व्यंग्यक जरूरी भाग अछि।
६८७. (C) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद — प्रश्नमे शास्त्र-विरोध नहि, अंधस्वीकार-विरोध चिन्हब महत्त्वपूर्ण अछि।
६८८. (D) दावाकें प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब — ओ विषयकें लोक-बुद्धिक कठोर कसौटी पर राखैत छथि।
६८९. (D) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा — एहि तरहि व्यंग्य अंधमान्यता सँ अलग ठाढ़ होइत अछि।
६९०. (A) कथनकें स्वीकारबासँ पहिने कसौटी — दावा आ प्रमाणक दूरी देखायब व्यंग्यक जरूरी भाग अछि।
६९१. (A) ग्रह-नक्षत्रक दावाकें जीवन-तर्कसँ परखब — प्रश्नमे शास्त्र-विरोध नहि, अंधस्वीकार-विरोध चिन्हब महत्त्वपूर्ण अछि।
६९२. (C) चिकित्सा-दावाक विवेकपूर्ण परीक्षण — ओ विषयकें लोक-बुद्धिक कठोर कसौटी पर राखैत छथि।
६९३. (C) संदर्भ बिना उद्धरणक भ्रम खोलब — एहि तरहि व्यंग्य अंधमान्यता सँ अलग ठाढ़ होइत अछि।
६९४. (B) ज्ञानक नामपर बनल आडम्बरक परिहास — दावा आ प्रमाणक दूरी देखायब व्यंग्यक जरूरी भाग अछि।
६९५. (D) वैज्ञानिक घटना पर अंधकर्मक प्रश्न — प्रश्नमे शास्त्र-विरोध नहि, अंधस्वीकार-विरोध चिन्हब महत्त्वपूर्ण अछि।
६९६. (B) ज्ञान-अधिकार आ अर्थ-बोधक समस्या — ओ विषयकें लोक-बुद्धिक कठोर कसौटी पर राखैत छथि।
६९७. (A) शब्दाडम्बर आ जीवन-सम्बन्धक भेद — एहि तरहि व्यंग्य अंधमान्यता सँ अलग ठाढ़ होइत अछि।
६९८. (A) दावाकें प्रमाण आ अनुभवसँ जाँचब — दावा आ प्रमाणक दूरी देखायब व्यंग्यक जरूरी भाग अछि।
६९९. (D) किताबी दावाक जमीन पर परीक्षा — प्रश्नमे शास्त्र-विरोध नहि, अंधस्वीकार-विरोध चिन्हब महत्त्वपूर्ण अछि।
७००. (C) कथनकें स्वीकारबासँ पहिने कसौटी — ओ विषयकें लोक-बुद्धिक कठोर कसौटी पर राखैत छथि।
७०१. (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि — कृति परम्पराकें नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।
७०२. (B) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।
७०३. (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।
७०४. (B) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।
७०५. (A) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न — कृति परम्पराकें नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।
७०६. (C) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।
७०७. (B) पुरातनता कें विवेकसँ परखब — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।
७०८. (A) कथा-सुख आ विचारक मेल — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।
७०९. (D) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम — कृति परम्पराकें नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।
७१०. (B) महाग्रंथकें लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।
७११. (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।
७१२. (A) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।
७१३. (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख — कृति परम्पराकें नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।
७१४. (C) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।
७१५. (A) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।
७१६. (D) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।
७१७. (D) पुरातनता कें विवेकसँ परखब — कृति परम्पराकें नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।
७१८. (C) कथा-सुख आ विचारक मेल — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।

७१९. (C) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।

७२०. (C) महाग्रंथकें लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।

७२१. (D) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि — कृति परम्पराकेँ नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७२२. (B) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।

७२३. (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।

૭૨૪. (D) ચમત્કાર, કથા-રસ આ વિશ્વાસક વિવેચના — **ખટ્ટર** કકાક વિશેષતા ઈ અછિ જે ઓ પરિચિત કથા મે નબ પ્રશ્ન યોજૈત છથિ.

७२५. (D) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न — कृति परम्पराकेँ नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७२६. (D) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।

७२७. (B) पुरातनता के विवेक परखब — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।

७२८. (D) कथा-सुख आ विचारक मेल — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।

७२९. (D) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम — कृति परम्पराकेँ नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७३०. (C) महाग्रंथकें लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।

૭૩૧. (A) આદર્શ, પાત્ર આ કથા પર આલોચનાત્મક લોક-દ્રષ્ટિ — મહાગ્રંથક પ્રસંગ લોક-જીવન આ સામાજિક માન્યતાસँ જુડૈત અછિ।

७३२. (B) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।

७३३. (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख — कृति परम्पराकेँ नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७३४. (D) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाईत अछि।

७३५. (B) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।

७३६. (D) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।

७३७. (A) पुरातनता के विवेक परखब — कृति परम्परा के नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७३८. (C) कथा-सुख आ विचारक मेल — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बड़ाइत अछि।

७३९. (B) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।

૭૪૦. (C) મહાગ્રંથકે લોકભાષા આ લોકબદ્ધિસં દેખબ — **ખટ્વર કકાક વિશેષતા ઈ અછિ જે ઓ પરિચિત કથા મે નબ પ્રશ્ન યોજૈત છથિ।**

७४९. (D) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि — कति परम्पराकेँ नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७४२. (D) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बझाइत अछि।

૭૪૩. (D) ઉપદેશક મર્મ આ વ્યવહારિક અર્થક પરખ — મહાગ્રંથક પ્રસંગ લોક-જીવન આ સામાજિક માન્યતાસँ જડૈત અછિ।

૭૪૪. (B) ચમત્કાર, કથા-રસ આ વિશ્વાસક વિવેચના — **ખટ્ટર કકાક** વિશેષતા ઈ અછિ જે ઓ પરિચિત કથા મે નબ પ્રશ્ન યોજૈત છથિ.

७४५. (B) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न — कति परम्पराकेँ नकरैत नहि, मदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७४६. (B) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बझाइत अछि।

७४७. (C) पुरातनता के विवेकसँ परखब — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जड़ैत अछि।

૭૪૮. (C) કથા-સુખ આ વિચારક મેલ — ખટ્ટર કકાક વિશેષતા ઈ અછિ જે ઓ પરિચિત કથા મે નબ પ્રશ્ન યોજૈત છથિ.

७४९. (C) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम — कृति परम्पराकेँ नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७५०. (B) महाग्रंथकेँ लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बझाईत अछि।

७५१. (A) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जड़ैत अछि।

७५२. (D) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस — खुदर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।

७५३. (A) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख — कति परम्पराकेँ नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।

७५४. (D) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बझाडत अछि।

७९०. (D) महाग्रन्थकें लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाइत अछि।

७९१. (C) आदर्श, पात्र आ कथा पर आलोचनात्मक लोक-दृष्टि — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।
७९२. (C) नीति, युद्ध आ धर्मसंकटक बहस — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।
७९३. (C) उपदेशक मर्म आ व्यवहारिक अर्थक परख — कृति परम्पराकें नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।
७९४. (A) चमत्कार, कथा-रस आ विश्वासक विवेचना — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाईत अछि।
७९५. (D) दैवी पात्रक मानवीय प्रश्न — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।
७९६. (C) मधुर कथनक भीतर छिपल तर्कीय समस्या — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।
७९७. (C) पुरातनता कें विवेकसँ परखब — कृति परम्पराकें नकारैत नहि, मुदा ओकर विवेकपूर्ण परीक्षण करैत अछि।
७९८. (A) कथा-सुख आ विचारक मेल — एहि पथसँ श्रद्धा, कथा आ तर्कक सम्बन्ध बुझाईत अछि।
७९९. (C) श्रद्धा, मनोरंजन आ आलोचनाक संगम — महाग्रंथक प्रसंग लोक-जीवन आ सामाजिक मान्यतासँ जुड़ैत अछि।
८००. (B) महाग्रंथकें लोकभाषा आ लोकबुद्धिसँ देखब — खट्टर ककाक विशेषता ई अछि जे ओ परिचित कथा मे नब प्रश्न खोजैत छथि।
८०१. (B) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना — दार्शनिक विषय लोकभाषामे आएलाक बाद अधिक जीवंत होइत अछि।
८०२. (D) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न — व्यंग्य कठिन विचारक भीतरक भ्रम आ विरोधाभास खोलि दैत अछि।
८०३. (A) आचरणक नैतिक सार — खट्टर कका दर्शनकें व्यवहारक कसौटी पर राखैत छथि।
८०४. (D) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब — लोकबुद्धि दर्शनक जटिलता कें सरल मुदा तीक्ष्ण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
८०५. (C) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न — दार्शनिक विषय लोकभाषामे आएलाक बाद अधिक जीवंत होइत अछि।
८०६. (A) विश्वास आ तर्कक संवाद — व्यंग्य कठिन विचारक भीतरक भ्रम आ विरोधाभास खोलि दैत अछि।
८०७. (D) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप — खट्टर कका दर्शनकें व्यवहारक कसौटी पर राखैत छथि।
८०८. (C) लोक-अनुभवसँ दर्शनकें जोड़ब — लोकबुद्धि दर्शनक जटिलता कें सरल मुदा तीक्ष्ण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
८०९. (C) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान — दार्शनिक विषय लोकभाषामे आएलाक बाद अधिक जीवंत होइत अछि।
८१०. (B) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण — व्यंग्य कठिन विचारक भीतरक भ्रम आ विरोधाभास खोलि दैत अछि।
८११. (B) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना — खट्टर कका दर्शनकें व्यवहारक कसौटी पर राखैत छथि।
८१२. (B) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न — लोकबुद्धि दर्शनक जटिलता कें सरल मुदा तीक्ष्ण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
८१३. (C) आचरणक नैतिक सार — दार्शनिक विषय लोकभाषामे आएलाक बाद अधिक जीवंत होइत अछि।
८१४. (B) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब — व्यंग्य कठिन विचारक भीतरक भ्रम आ विरोधाभास खोलि दैत अछि।
८१५. (A) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न — खट्टर कका दर्शनकें व्यवहारक कसौटी पर राखैत छथि।
८१६. (B) विश्वास आ तर्कक संवाद — लोकबुद्धि दर्शनक जटिलता कें सरल मुदा तीक्ष्ण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
८१७. (D) तत्त्व-चिन्तनक लोकभाषिक रूप — दार्शनिक विषय लोकभाषामे आएलाक बाद अधिक जीवंत होइत अछि।
८१८. (D) लोक-अनुभवसँ दर्शनकें जोड़ब — व्यंग्य कठिन विचारक भीतरक भ्रम आ विरोधाभास खोलि दैत अछि।
८१९. (C) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान — खट्टर कका दर्शनकें व्यवहारक कसौटी पर राखैत छथि।
८२०. (B) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण — लोकबुद्धि दर्शनक जटिलता कें सरल मुदा तीक्ष्ण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
८२१. (A) आध्यात्मिक आनन्दक दावा आ जीवनानुभवक तुलना — दार्शनिक विषय लोकभाषामे आएलाक बाद अधिक जीवंत होइत अछि।
८२२. (A) मुक्तिक कल्पना आ सांसारिक जीवनक प्रश्न — व्यंग्य कठिन विचारक भीतरक भ्रम आ विरोधाभास खोलि दैत अछि।
८२३. (C) आचरणक नैतिक सार — खट्टर कका दर्शनकें व्यवहारक कसौटी पर राखैत छथि।
८२४. (D) कठिन शब्दक परदा हटाकऽ विचार देखब — लोकबुद्धि दर्शनक जटिलता कें सरल मुदा तीक्ष्ण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
८२५. (B) ज्ञान-परम्पराक अर्थ आ अधिकारक प्रश्न — दार्शनिक विषय लोकभाषामे आएलाक बाद अधिक जीवंत होइत अछि।
८२६. (D) विश्वास आ तर्कक संवाद — व्यंग्य कठिन विचारक भीतरक भ्रम आ विरोधाभास खोलि दैत अछि।

- [illegible]

- 305

८९९. (D) आडम्बर नहि, मनुष्यक स्थिति पर ध्यान — खट्टर कका दर्शनकें व्यवहारक कसौटी पर राखैत छथि।
९००. (B) धर्मक नामक बाह्य रूपसँ अधिक आचरण — लोकबुद्धि दर्शनक जटिलता कें सरल मुदा तीक्ष्ण रूपमे प्रस्तुत करैत अछि।
९०१. (B) व्यंग्यकें सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९०२. (B) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९०३. (B) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९०४. (B) गप्पकें तरंग जकाँ बहबैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९०५. (B) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९०६. (B) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९०७. (B) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९०८. (A) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९०९. (C) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९१०. (B) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९११. (C) व्यंग्यकें सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९१२. (C) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९१३. (A) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९१४. (A) गप्पकें तरंग जकाँ बहबैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९१५. (C) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९१६. (D) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९१७. (D) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९१८. (C) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९१९. (B) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९२०. (D) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९२१. (D) व्यंग्यकें सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९२२. (B) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९२३. (B) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९२४. (A) गप्पकें तरंग जकाँ बहबैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९२५. (D) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९२६. (C) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९२७. (C) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९२८. (C) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९२९. (A) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९३०. (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
९३१. (A) व्यंग्यकें सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
९३२. (D) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
९३३. (D) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
९३४. (C) गप्पकें तरंग जकाँ बहबैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।

१७१. (A) व्यंग्यकें सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१७२. (C) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
१७३. (C) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
१७४. (A) गप्पकें तरंग जकाँ बहबैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
१७५. (C) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१७६. (D) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
१७७. (D) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
१७८. (B) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
१७९. (B) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१८०. (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
१८१. (D) व्यंग्यकें सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
१८२. (D) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
१८३. (B) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१८४. (A) गप्पकें तरंग जकाँ बहबैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
१८५. (B) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
१८६. (C) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
१८७. (D) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१८८. (C) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
१८९. (A) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
१९०. (A) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
१९१. (D) व्यंग्यकें सहज, आत्मीय आ तीक्ष्ण बनबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१९२. (C) प्रश्नोत्तरक क्रममे विचार खोलैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
१९३. (D) लोक-स्वाद आ चुटील अर्थ दैत अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
१९४. (A) गप्पकें तरंग जकाँ बहबैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
१९५. (B) हँसीक भीतर विचारक धार बनबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१९६. (A) तथ्य, विधा, चरित्र आ शिल्प चारू पर ध्यान माँगैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।
१९७. (C) घटनासँ अधिक आशय पकड़ब जरूरी अछि — भाषा आ शैलीक विश्लेषण बिना कृतिमूल्य अधूरा रहैत अछि।
१९८. (D) विषय, शैली आ समाज-दृष्टिक मेल देखैत अछि — कृति-परीक्षा केवल नाम-स्मरण नहि, शैली-बोध सेहो माँगैत अछि।
१९९. (B) हँसीक बाद आत्मपरीक्षण करबैत अछि — एहि योगदानसँ हास्य, आलोचना आ लोक-रंग एकसाथ बनैत अछि।
१०००. (B) लोकभाषा आ आधुनिक आलोचनाक संगम देखबैत अछि — ई बिन्दु निबंधात्मक उत्तरमे सेहो उपयोगी अछि।